M. T. B. COLLEGE, SURAT
Manuscripts Library

No. Ref. / Ser. 510

Title: Ashtamashtaka of Rg-Veda

510

अष्टमाष्टकः (ऋग्वेद)

Ashtamāshtaka	Title of
Rgveda.	Author
	Editor
Saka 1723.	Year, Vols.
	Publisher
510.	Remarks

प्र॰अ॰१ श्रीगणेशायनमः॥ ॥अविघ्नमस्तु॥हेरंब॥ ॥हरिः ओ३म्॥प्र।होता।जातः।
॥१॥ महान्।नभःऽवित्।नृऽसद्मा।सीदत्।अपां।उपऽस्थे॥दधिः।यः।धायि।सः।
ते।वयांसि।यंता।वसूनि।विधते।तनूऽपाः॥पशुं।न।नष्टं।पदैः।अनु।ग्मन्॥
गुहा।चतंतं।उशिजः।नमःऽभिः।इच्छंतः।धीराः।भृगवः।अविंदन्॥इमं।त्रि
तः।भूरि।अविंदत्।इच्छन्।विभुऽवसः।मूर्धनि।अ[illegible]यायाः॥सः।शेऽवृधः।
जातः।आ।हर्म्येषु।नाभिः।युवा।भवति।रोचनस्य॥नमःऽभिः।[illegible]।य
ज्ञं।नेतारं।अध्वराणां॥विशां।अकृण्वन्।अरतिं।पावकं।हव्यऽवाहं।दधतः
।मानुषेषु॥प्र।भूः।जयंतं।महां।विपःऽधां।मूराः।अमूरं।पुरां।दर्माणं।नयंतः।
गर्भं।वनां।धियं।धुः।हिरिऽश्मश्रुं।न।अर्[illegible]ःधनऽअर्चं॥५॥ ॥नि।परस्त्या। हेरंब ॥१॥

सु।त्रितः।स्तभुऽयन्।परिऽवीतः।योनौ।सीदत्।अंतरिति।अतः।संऽगृभ्य।विशां।
अ ।दमूनाः।विऽधर्मणा।यंत्रैः।ईयते।नॄन्॥अस्य।अजरासः।दमां।अरित्राः।अर्च
त्ऽधूमासः।अग्नयः।पावकाः।श्वितीचयः।श्वात्रासः।भुरण्यवः।वनऽसदः।वा
यवः।न।सोमाः॥प्र।जिह्वया।भरते।वेपः।अग्निः।प्र।वयुनानि।चेतसा।पृथिव्याः
।तं।आयवः।शुचयंतं।पावकं।मंद्रं।होतारं।दधिरे।यजिष्ठं॥द्यावा।यं।अग्निं।पृ
थिवी इति।जनिष्टां।आपः।त्वष्टा।भृगवः।यं।सहःऽभिः।ईळेन्यं।प्रथमं।मात
रिश्वा।देवाः।ततक्षुः।मनवे।यजत्रं॥यं।त्वा।देवाः।दधिरे।हव्यऽवाहं।पुरुऽस्पृ
हः।मानुषासः।यजत्रं॥सः।यामन्।अग्ने।स्तुवते।वयः।धाः।प्र।देवऽयन्।यश
सः।सं।हि।पूर्वीः॥ २ ॥ जगृभ्म।ते।दक्षिणं।इंद्र।हस्तं।वसुऽयवः।वसुऽपते।

।। प० अ० १।। वसूनां।विद्म।हि।त्वा।गोऽपतिं।शूर।गोनां।अस्मभ्यं।चित्रं।वृषणं।रयिं।दाः।सुऽ
।। २।। आयुधं।सुऽअवसं।सुऽनीथं।चतुःऽसमुद्रं।धरुणं।रयीणां।चर्कृत्यं।शंस्यं।भूरिऽवा
रं।०।सुऽब्रह्माणं।देवऽवंतं।बृहंतं।उरुं।गभीरं।पृथुऽबुध्नं।इंद्र।श्रुतऽऋषिं।उग्रं।
अभिमातिऽसहं।०।सनत्ऽवाजं।विप्रऽवीरं।तरुत्रं।धनऽस्पृतं।शूशुऽवांसं।सुऽ
दक्षं।दस्युऽहनं।पूःऽभिदं।इंद्र।सत्यं।०।अश्वऽवंतं।रथिनं।वीरऽवंतं।सहस्रि
णं।शतिनं।वाजं।इंद्र।भद्रऽव्रातं।विप्रऽवीरं।स्वःऽसां।०।। ३ ।।प्र।सप्तऽगुं।ऋ
तऽधीतिं।सुऽमेधां।बृहस्पतिं।मतिः।अच्छ।जिगाति।यः।आंगिरसः।नमसा।उपऽसद्यः ।।हेरब।।
।०।वनीवानः।मम।दूताः।इंद्रं।स्तोमाः।चरंति।सुऽमतीः।इयानाः।हृदिऽस्पृशः।म ।।२।।
नसा।वच्यमानाः।०।यत्।त्वा।यामि।दद्धि।तत्।नः।इंद्र।बृहंतं।क्षयं।असमं।जना

नां।अभि।तत्।द्यावापृथिवी इति।गृणीतां।०।। ४।। अहं।भुवं।वसुनः।पूर्व्यः।पतिः।अ
हं।धनानि।सं।जयामि।शश्वतः।मां।हवंते।पितरं।न।जंतवः।अहं।दाशुषे।वि।
भजामि।भोजनं।अहं।इंद्रः।रोधः।वक्षः।अथर्वणः।त्रिताय।गाः।अजनयं।अ
हेः।अधि।अहं।दस्युऽभ्यः।परि।नृम्णं।आ।ददे।गोत्रा।शिक्षन्।दधीचे।मातरिश्व
ने।मह्यं।त्वष्टा।वज्रं।अतक्षत्।आयसं।मयि।देवासः।अवृजन्।अपि।क्रतुं।म
म।अनीकं।सूर्यस्यऽइव।दुस्तरं।मां।आर्यंति।कृतेन।कर्त्वेन।च।अहं।एतं।गव्य
यं।अश्व्यं।पशुं।पुरीषिणं।सायकेन।हिरण्ययं।पुरु।सहस्रा।नि।शिशामि।दाशुषे
।यत्।मा।सोमासः।उक्थिनः।अमंदिषुः।अहं।इंद्रः।न।परा।जिग्ये।इत्।धनं।न।
मृत्यवे।अव।तस्थे।कदा।चन।सोमं।इत्।मा।सुन्वंतः।याचत।वसु।न।मे।पूरवः।

॥ प॰ अ॰ ७ ॥ सख्येय। रिषायन॥ ५॥ अहं। एतान्। शाश्वसतः। द्वाऽद्वा। इंद्रं। ये। वज्रं। युधये। अकृ
॥ २ ॥ ण्वत। आऽह्वयमानान्। अव। हन्मना। अहनं। दृळ्हा। वदन्। अनमस्युः। नम
स्विनः। अभि। इदं। एकं। एकः। अस्मि। निष्षाट्। अभि। द्वा। किं। उं इति। त्रयः।
करंति। खले। न। पर्षान्। प्रति। हन्मि। भूरि। किं। मा। निंदंति। शत्रवः। अनिंद्राः
। अहं। गुंगुऽभ्यः। अतिथिऽग्वं। इष्करं। इषं। न। वृत्रऽतुरं। विक्षु। धारयं। यत्।
पर्णयऽघ्ने। उत। वा। करंजऽहे। प्र। अहं। महे। वृत्रऽहत्ये। अशुश्रवि। प्र। मे। न
मी। साप्यः। इषे। भुजे। भूत्। गवां। एषे। सख्या। कृणुत। द्विता। दिद्युं। यत्। ॥ हेरंब ॥
अस्य। संऽइथेषु। मंहयं। आत्। इत्। एनं। शंस्यं। उक्थ्यं। करं। प्र। नेमं। अस्मिन्। ददृ ॥ २ ॥
शे। सोमः। अंतः। गोपाः। नेमं। आविः। अस्था। कृणोति। सः। तिग्मऽशृंगं। वृषभं।

युयुत्सन्। द्रुहः। तस्थौ। बहुले। बद्धः। अंतरिति। आदित्यानां। वसूनां। रुद्रियाणां।
देवः। देवानां। न। मिनामि। धाम। ते। मा। भद्राय। शवसे। ततक्षुः। अपराऽजितं।
अस्तृतं। अषाळ्हं॥ ६॥ अहं। दां। गृणते। पूर्व्यं। वसु। अहं। ब्रह्म। कृणवं। म
ह्यं। वर्धनं। अहं। भुवं। यजमानस्य। चोदिता। अयज्वनः। साक्षि। विश्वस्मि
न्। भरे। मां। धुः। इंद्रं। नाम। देवता। दिवः। च। ग्मः। च। अपां। च। जंतवः। अहं। ह
री इति। वृषणा। विऽव्रता। रघू इति। अहं। वज्रं। शवसे। धृष्णु। आ। ददे। अहं।
अत्कं। कवये। शिश्नथं। हथैः। अहं। कुत्सं। आवं। आभिः। ऊतिऽभिः। अहं। शु
ष्णस्य। श्नथिता। वधः। यमं। न। यः। ररे। आर्यं। नाम। दस्यवे। अहं। पिताऽइव।
वेतसून्। अभिष्टये। तुग्रं। कुत्साय। स्मत्ऽइभं। च। रंधयं। ०। राजनि। प्र। यत्। भ

॥प॰अ॰१॥ रे। तुग्रये। न। प्रिया। आऽधृषे। अहं। रंधयं। मृगयं। श्रुतर्वणे। यत्। मा। अजिहीत।
॥४॥ वयुना। च। न। आनुषक्। अहं। वेतसुं। नम्रं। आयवे। अकरं। अहं। सव्याय। पट्ऽगृभिं
।अरंधयं॥ ७ ॥अहं। सः। यः। नवऽवास्त्वं। बृहत्ऽरथं। सं। वृत्राऽइव। दासं। वृत्रऽहा
।अरुजं। यत्। वर्धयंतं। प्रथयंतं। आनुषक्। दूरे। पारे। रजसः। रोचना। अकरं। अहं।
सूर्यस्य। परि। याभि। आशुऽभिः। प्र। एतशेभिः। वहमानः। ओजसा। यत्। मा। सावः
।मनुषः। आह। निःऽनिजे। ऋधक्। कृषे। दासं। कृत्व्यं। हथैः। अहं। सप्तऽहा। नहुषः। हरिव॥
।नहुःऽतरः। प्र। अश्रवयं। शवसा। तुर्वशं। यदुं। अहं। नि। अन्यं। सहसा। सहः। क ॥४॥
रं। नव। व्राधतः। नवतिं। च। वक्षयं। अहं। सप्त। स्रवतः। धारयं। वृषा। द्रवित्न्वः। पृथि
व्यां। सीराः। अधि। अहं। अर्णांसि। वि। तिरामि। सुऽक्रतुः। युधा। विदं। मनवे। गातुं।

इष्टये। अहं। तत्। आसु। धारयं। यत्। आसु। न। देवः। चन। त्वष्टा। अधारयत्। रु
शत्। स्पार्हं। गवां। ऊधःऽसु। वक्षणासु। आ। मधोः। मधु। श्वात्र्यं। सोमं। आऽशिरं।
एव। देवान्। इंद्रः। विव्ये। नॄन्। प्र। च्यौत्नेन। मघऽवा। सत्यऽराधाः॥ ७ हरिऽवः॥
शचीऽवः। अभि। तुरासः। स्वऽयशः। गृणंति॥ ८ ॥•। मंदमानाय। अंधसः। अ
र्चा। विश्वानराय। विश्वऽभुवे। इंद्रस्य। यस्य। सुऽमखं। सहः। महि। श्रवः। नृम्
णं। च। रोदसी इति। सपर्यतः। सः। चित्। नु। सख्या। नर्यः। इनः। स्तुतः। चर्कृत्यः
। इंद्रः। माऽवते। नरे। विश्वासु। धूःऽसु। वाजऽकृत्येषु। सत्ऽपते। वृत्रे। वा। अप्ऽ
सु। अभि। शूर। मंदसे। कः। ते। नरः। इंद्राय। ये। ते। इषे। याति। सुम्नं। सऽधन्यः। इ
यक्षान्। कः। ते। वाजाय। असुर्याय। हिन्विरे। के। अप्ऽसु। स्वासु। उर्वरासु। पौंस्ये।

॥ष॰अ॰१॥ भुवः। त्वं। इंद्र। ब्रह्मणा। महान्। भुवः। विश्वेषु। सवनेषु। यज्ञियः। भुवः। नॄन्। च्यौ
॥५॥ त्नः। विश्वस्मिन्। भरे। ज्येष्ठः। च। मंत्रः। विश्वऽचर्षणे। अयं। न। कं। ज्यायान्। यज्ञऽ
वनसः। मही। ते। ओमात्रां। कृष्टयः। विदुः। असः। नु। कं। अजरः। वर्द्धाः। च। विश्वा।
इत्। एता। सवना। तूतुमा। कृषे। एता। विश्वा। सवना। तूतुमा। कृषे। स्वयं। सूनो
इति। सहसः। यानि। दधिषे। वरायते। पात्रं। धर्मणे। तना। यक्षं। मंत्रः। ब्रह्म। उ
द्यतं। वचः। ये। ते। विप्र। ब्रह्मऽकृतः। सुते। सचा। वसूनां। च। वसुनः। च। दावने। ॥हिरंब॥
प्राति। सुम्नस्य। मनसा। पथा। भुवन्। मदे। सुतस्य। सोम्यस्य। अंधसः॥ ९॥ म ॥५॥
हत्। तत्। उल्बं। स्थविरं। तत्। आसीत्। येन। आऽविष्टितः। प्रऽविवेशिथ। आपः।
विश्वाः। अपश्यत्। बहुधा। ते। अग्ने। जातऽवेदः। तन्वः। देवः। एकः॥ कः। मा। ददर्श।

८

कतमः। सः। देवः। यः। मे। तन्वः। बहुधा। परिऽअपश्यत्। क्व। अह। मित्रावरुणा। क्षि
यंति। अग्नेः। विश्वाः। संऽइधः। देवऽयानीः॥ ऐच्छाम। त्वा। बहुधा। जातऽवेदः। प्रऽ
विष्टं। अग्ने। अप्ऽसु। ओषधीषु। तं। त्वा। यमः। अचिकेत्। चित्रभानो इति चित्रऽभा
नो। दशऽअंतरुष्यात्। अतिऽरोचमानं॥ होत्रात्। अहं। वरुण। बिभ्यत्। आयं। न। इत्।
एव। मा। युनजन्। अत्र। देवाः॥ तस्य। मे। तन्वः। बहुधा। निऽविष्टाः। एतं। अर्थं। न।
चिकेत। अहं। अग्निः॥ आ। इहि। मनुः। देवऽयुः। यज्ञऽकामः। अरंऽकृत्य। तमसि।
क्षेषि। अग्ने॥ सुऽगान्। पथः। कृणुहि। देवऽयानान्। वह। हव्यानि। सुऽमनस्यमा
नः॥ १०॥ अग्नेः। पूर्वे। भ्रातरः। अर्थं। एतं। रथीऽइव। अध्वानं। अनु। आ। अवरी
वुरिति। तस्मात्। भिया। वरुण। दूरं। आयं। गौरः। न। क्षेप्नोः। अविजे। ज्यायाः। कुर्मनः।

१ पं० अ० ते। आयुः। अजरं। यत्। अग्ने। यथा। युक्तः। जातऽवेदः। न। रिष्याः। अथ। वहासि। सुऽ
॥ ६ मनस्यमानः। भागं। देवेभ्यः। हविषः। सुऽजात। प्रऽयाजान्। मे। अनुऽयाजान्। च
। केवलान्। ऊर्जस्वंतं। हविषः। दत्त। भागं। घृतं। च। अपां। पुरुषं। च। ओषधी
नां। अग्नेः। च। दीर्घं। आयुः। अस्तु। देवाः। तव। प्रऽयाजाः। अनुऽयाजाः। च। के
वलाः। ऊर्जस्वंतः। हविषः। संतु। भागाः। तव। अग्ने। यज्ञः। अयं। अस्तु। सर्वः। तु
भ्यं। नमंतां। प्रऽदिशः। चतस्रः॥ ११ ॥ विश्वे। देवाः। शास्तन। मा। यथा। इह। हो
ता। वृतः। मनवै। यत्। निऽसद्य। प्र। मे। ब्रूत। भागऽधेयं। यथा। वः। येन। पथा। ॥ हेरंब ॥
हव्यं। आ। वः। वहानि। अहं। होता। नि। असीदं। यजीयान्। विश्वैः। देवाः। मरु ॥ ६ ॥
तः। मा। जुनंति। अहःऽअहः। अश्विना। आध्वर्यवं। वां। ब्रह्मा। संऽइत्। भवति।

सा। आऽहुतिः। वां। अयं। यः। होता। किः। उं। इति। सः। यमस्य। कं। अपि। उहे। यत्। संऽ
अंजंति। देवाः। अहःऽअहः। जायते। मासिऽमासि। अथ। देवाः। दधिरे। हव्यऽवाहं। मां
॥ अपऽम्लुक्तं। बहु। कृच्छ्रा। चरंतं। अग्निः। विद्वान्। यज्ञं। नः। कल्पयाति। पंचऽयामं
। त्रिऽवृतं। सप्तऽतंतुं। आ। वः। यक्षि। अमृतऽत्वं। सुऽवीरं। यथा। वः। देवाः। वरिवः। करा
णि। आ। बाह्वोः। वज्रं। इंद्रस्य। धेयां। जयाति। ॥ १२ ॥ यो ऐ। ओम। मनसा। सः। अ
यं। आ। अगात्। यज्ञस्य। विद्वान्। परुषः। चिकित्वान्। नि। हि। सत्सत्। अंतरः।
पूर्वः। अस्मत्। अराधि। होता। निऽसदा। यजीयान्। अभि। प्रयांसि। सुऽधितानि
। हि। ख्यत्। यजामहे। यज्ञियान्। हंत। देवान्। ईळामहे। ईड्यान्। आज्येन। सा
धीं। अकः। देवऽवीतिं। नः। अद्य। यज्ञस्य। जिह्वां। अविदाम। गुह्यां। सः। आयुः।

॥प०अ०१॥ आ।अगात्।सुरभिः।वरीयान्।भद्रां।अकः।देवऽहूतिं।नः।अद्य।तत्।अद्य।वाचः।प्र
थमं।मसीय।येन।असुरान्।अभि।देवाः।असाम।ऊर्जऽअदः।उत।यज्ञियासः।
॥८॥ पंच।जनाः।मम।होत्रं।जुषध्वं।पंच।जनाः।मम।होत्रं।जुषंतां।०॥१२॥तंतुं।तन्वन्।
रजसः।भानुं।अनु।इहि।ज्योतिष्मतः।पथः।रक्ष।धिया।कृतान्।अनुल्बणं।वय
त।जोगुवां।अपः।मनुः।भव।जनय।दैव्यं।जनं।अक्षऽनहः।नह्यतन।उत।सोम्याः।
इष्कृणुध्वं।रशनाः।आ।उत।पिंशत।अष्टाऽवंधुरं।वहत।अभितः।रथं।येन।देवा
सः।अनयन्।अभि।प्रियं।अश्मन्ऽवती।रीयते।सं।रभध्वं।उत्।तिष्ठत।प्र।त ॥हरंब॥
रत।सखायः।अत्र।जहाम।ये।असन्।अशेवाः।शिवान्।वयं।उत्।तरेम।अ ॥७॥
भि।वाजान्।त्वष्टा।माया।वेत्।अपसां।अपःऽतमः।बिभ्रत्।पात्रा।देवऽपाना

नि।शंऽतमा।शिशीते।नूनं।परशुं।सुऽअयसं।येन।वृश्चात्।एतशः।ब्रह्मणः।पतिः।
सतः।नूनं।कवयः।सं।शिशीत।वाशीभिः।याभिः।अमृताय।तक्षथ।विद्वांसः।पदा।गु
ह्यानि।कर्तन।येन।देवासः।अमृतऽत्वं।आनशुः।गर्भे।योषां।अदधुः।वत्सं।आस
नि।अपीच्येन।मनसा।उत।जिह्वया।सः।विश्वाहा।सुऽमनाः।योग्याः।अभि।सिसा
सनिः।वनते।कारः।इत्।जितिं॥१४॥तां।सु।ते।कीर्तिं।मघऽवन्।महिऽत्वा।यत्
त्वा।भीते इति।रोदसी इति।अह्वयेतां।प्र।आवः।देवान्।आ।अतिरः।दासं।ओ
जः।प्रऽजायै।त्वस्यै।यत्।अशिक्षः।इंद्र।यत्।अचरः।तन्वा।वर्धानः।बला
नि।इंद्र।प्रऽब्रुवाणः।जनेषु।माया।इत्।सा।ते।यानि।युद्धानि।आहुः।न।अद्य।
शत्रुं।ननु।पुरा।विवित्से।को इति।इति।नु।ते।महिमनः।समस्य।अस्मत्।पूर्वे।ऋ

॥प॰अ॰१॥
॥८॥

यमः। अंतं। आपुः। यत्। मातरं। च। पितरं। च। साकं। अजनयथाः। तन्वः। स्वायाः। चत्वा
रि। ते। असुर्याणि। नाम। अदाभ्यानि। महिषस्य। संति। त्वं। अंग। तानि। विश्वानि।
वित्से। येभिः। कर्माणि। मघऽवन्। चकर्थ। त्वं। विश्वा। दधिषे। केवलानि। यानि।
आविः। या। च। गुहा। वसूनि। कामं। इत्। मे। मघऽवन्। मा। वि। तारीः। त्वं। आऽज्ञा
ता। त्वं। इंद्र। असि। दाता। यः। अदधात्। ज्योतिषि। ज्योतिः। अंतः। यः। असृजत्। म
धुना। सं। मधूनि। अध। प्रियं। शूषं। इंद्राय। मन्म। ब्रह्मऽकृतः। बृहत्ऽउक्थात्। अवा ॥हेरंब॥
चि॥१५॥ दूरे। तत्। नाम। गुह्यं। पराचैः। ०। अह्वयेतां। वयःऽधै। उत्। अस्तभ्नाः। पृ ॥८॥
थिवीं। द्यां। अभीके। भ्रातुः। पुत्रान्। मघऽवन्। तित्विषाणः। महत्। तत्। पुरुऽस्पृक्। ये
न। भूतं। जनयः। येन। भव्यं। प्रत्नं। जातं। ज्योतिः। यत्। अस्य। प्रियं। प्रियाः। सं। अवि

च

शंत। पंच। आ। रोदसी इति। अपृणात्। आ। उत। मध्यं। पंच। देवान्। ऋतुऽशः। सप्तऽसप्त
चतुःऽत्रिंशता। पुरुधा। वि। चष्टे। सऽरूपेण। ज्योतिषा। विऽव्रतेन। यत्। उषः। औछः। प्र
थमा। विऽभानां। अजनयः। येन। पुष्टस्य। पुष्टं। यत्। ते। जामिऽत्वं। अवरं। परस्याः।
महत्। महत्याः। असुरऽत्वं। एकं। विऽधुं। दद्राणं। समने। बहूनां। युवानं। संतं। प
लितः। जगार। देवस्य। पश्य। काव्यं। महिऽत्वा। अद्य। ममार। सः। ह्यः। सं। आ
न॥१७॥१६॥ शाक्मना। शाकः। अरुणः। सुऽपर्णः। आ। यः। महः। शूरः। सनात्।
अनीळः। यत्। चिकेत। सत्यं। इत्। तत्। न। मोघं। वसु। स्पार्हं। उत। जेता। उत। दा
ता। आ। एभिः। ददे। वृष्ण्या। पौंस्यानि। येभिः। औक्षत्। वृत्रऽहत्याय। वज्री। ये।
कर्मणः। क्रियमाणस्य। मह्ना। ऋतेऽकर्मं। उत्ऽअजायंत। देवाः। युधा। कर्मी

॥प॰अ॰१॥ नि। जनयन्। विश्वऽओजाः। अशस्तिऽहा। विश्वऽमनाः। तुराषाट्। पीत्वी। सोमस्य
॥९॥ । दिवः। आ। वृधानः। शूरः। निः। युधा। अधमत्। दस्यून्॥ १७॥ इदं। ते। एकं। परः।
ऊं इति। ते। एकं। तृतीयेन। ज्योतिषा। सं। विशस्व। संऽवेशनः। तन्वः। चारुः। एधि।
प्रियः। देवानां। परमे। जनित्रे। तनूः। ते। वाजिन्। तन्वं। नयंती। वामं। अस्मभ्यं। धा
तु। शर्म। तुभ्यं। अह्रुतः। महः। धरुणाय। देवान्। दिविऽइव। ज्योतिः। स्वं। आ। मिमी
मीयाः। वाजी। असि। वाजिनेन। सुऽवेनीः। सुवितः। स्तोमं। सुवितः। दिवं। गाः। सुवि ॥हेरंब॥
तः। धर्म। प्रथमा। अनु। सत्या। सुवितः। देवान्। सुवितः। अनु। पत्म। महिम्नः। एषां। ॥९॥
पितरः। चन। ईशिरे। देवाः। देवेषु। अदधुः। अपि। क्रतुं। सं। अविव्यचुः। उत। यानि।
अत्विषुः। आ। एषां। तनूषु। नि। विविशुः। पुनरिति। सहःऽभिः। विश्वं। परि। चक्रमुः।

रजः। पूर्वा। धामानि। अमिता। मिमानाः। तनूषु। विश्वा। भुवना। नि। येमिरे। प्र। असारयंत
। पुरुधा। प्रऽजाः। अनु। द्विधा। सूनवः। असुरं। स्वःऽविदं। आ। अस्थापयंत। तृतीयेन। क
र्मणा। स्वां। प्रऽजां। पितरः। पित्र्यं। सहः। आ। अवरेषु। अदधुः। तंतुं। आऽततं। नावा।
न। क्षोदः। प्रऽदिशः। पृथिव्याः। स्वस्तिऽभिः। अति। दुःऽगानि। विश्वा। स्वां। प्रऽजां।
बृहत्ऽउक्थः। महिऽत्वा। आ। अवरेषु। अदधात्। आ। परेषु॥ १८॥ मा। प्र। गाम। पथः।
वयं। मा। यज्ञात्। इंद्र। सोमिनः। मा। अंतरिति। स्थुः। नः। अरातयः। यः। यज्ञस्य। प्रऽ
साधनः। तंतुः। देवेषु। आऽततः। तं। आऽहुतं। नशीमहि। मनः। नु। आ। हुवामहे। ना
राशंसेन। सोमेन। पितृणां। च। मन्मऽभिः। आ। ते। एतु। मनः। पुनरिति। क्रत्वे। दक्षाय।
जीवसे। पुनः। नः। पितरः। मनः। ददातु। दैव्यः। जनः। जीवं। व्रातं। सचेमहि। वयं। सो

॥प॰क्र॰१॥ मा। प्रते। तव। मनः। तनूषु। बिभ्रतः। प्रजाऽवंतः। सचेमहि॥ १९॥ यत्। ते। यमं। वैवस्वतं।
॥१०॥ मनः। जगाम। दूरकं। तत्। ते। आ। वर्त्तयामसि। इह। क्षयाय। जीवसे। यत्। ते। दि
वं। यत्। पृथिवीं।०। यत्। ते। भूमिं। चतुःऽभृष्टिं।०। यत्। ते। चतस्रः। प्रऽदिशः।०।
यत्। ते। समुद्रं। अर्णवं।०। यत्। ते। मरीचीः। प्रऽवतः।० ॥२०॥ यत्। ते। अपः। यत्
। ओषधीः।०। यत्। ते। सूर्यं। यत्। उषसं।०। यत्। ते। पर्वतान्। बृहतः।०। यत्। ते।
विश्वं। इदं। जगत्।०। यत्। ते। परां। पराऽवतः।०। यत्। ते। भूतं। च। भव्यं। च।० ॥ ॥हेरंब॥
॥२१॥ प्र। तारि। आयुः। प्रऽतरं। नवीयः। स्थातारा ऽइव। क्रतुऽमता। रथस्य। अ ॥१०॥
ध। च्यवानः। उत्। तवीति। अर्थं। पराऽतरं। सु। निःऽऋतिः। जिहीतां। साम। नु। रा
ये। निधिऽमत्। नु। अन्नं। करामहे। सु। पुरुधा। श्रवांसि। ता। नः। विश्वानि। जरिता। म

मत्तु।०। अभि। सु। अर्यः। पौंस्यैः। भवेम। द्यौः। न। भूमिं। गिरयः। न। अज्रान्।०। चिकेत।०।
मो इति। सु। नः। सोम। मृत्यवे। परा। दाः। पश्येम। नु। सूर्यं। उत्ऽचरंतं। द्युऽभिः। हितः।
जरिमा। सु। नः। अस्तु।०। असुऽनीते। मनः। अस्मासु। धारय। जीवातवे। सु। प्र। तिर।
जरिमा। सु। नः। अस्तु।०। असुऽनीते। मनः। अस्मासु। धारय। जीवातवे। सु। प्र। तिर।
नः। आयुः। ररंधि। नः। सूर्यस्य। संऽदृशि। घृतेन। त्वं। तन्वं। वर्द्धयस्व॥ २२ ॥असुऽनी
ते। पुनः। अस्मासु। चक्षुः। पुनरिति। प्राणं। इह। नः। धेहि। भोगं। ज्योक्। पश्येम। सूर्यं।
उत्ऽचरंतं। अनुऽमते। मृळय। नः। स्वस्ति। पुनः। नः। असुं। पृथिवी। ददातु। पुनः। द्यौः।
देवी। पुनः। अंतरिक्षं। पुनः। नः। सोमः। तन्वं। ददातु। पुनरिति। पूषा। पथ्यां। या। स्वस्तिः
। शं। रोदसीइति। सुऽबंधवे। यह्वीइति। ऋतस्य। मातरा। भरतां। अप। यत्। रपः। द्यौः
। पृथिवि। क्षमा। रपः। मोइति। सु। ते। किं। चन। आममत्। अव। दिवः। इति। अव। त्रिका॥

॥प०अ०१॥ दिवः। चरंति। भेषजा। क्षमा। चरिष्णु। एककं। ०सं। इंद्र। ईरय। गां। अनड्वाहं। यः। आ। अ
॥११॥ वहत्। उशीनराण्याः। अनः। ०। २३॥ आ। जनं। त्वेषऽसंदृशं। माहीनानां। उपऽस्तु
तं। अगन्म। बिभ्रतः। नमः। असमातिं। निःऽतोशनं। त्वेषं। निःऽअयिनं। रथं। भजेऽ
रथस्य। सत्ऽपतिं। यः। जनान्। महिषान्ऽइव। अतिऽतस्थौ। पवीरवान्। उत। अ
पवीरवान्। युधा। यस्य। इक्ष्वाकुः। उप। व्रते। रेवान्। मराय्यी। एधते। दिविऽइव। पं
च। कृष्टयः। इंद्र। सत्रा। असमातिषु। रथऽप्रोष्ठेषु। धारय। दिविऽइव। सूर्यं। दृशे ॥हेरंब॥
। अगस्त्यस्य। नत्ऽभ्यः। सप्ती इति। युनक्षि। रोहिता। पणीन्। नि। अक्रमीः॥ ॥११॥
अभि। विश्वान्। राजन्। अराधसः॥ २४॥ अयं। माता। अयं। पिता। अयं। जीवातुः
। आ। अगमत्। इदं। तव। प्रऽसर्पणं। सुबंधो इति सुऽबंधो। आ। इहि। निः। इहि। य

था। युगं। वरत्रया। नह्यंति। धरुणाय। कं। एव। दाधार। ते। मनः। जीवातवे। न। मृत्य
वे। अथो इति। अरिष्टऽतातये। यथा। इयं। पृथिवी। मही। दाधार। इमान्। वनस्पती
न्। ०। यमात्। अहं। वैवस्वतात्। सुऽबंधोः। मनः। आ। अभरं। ०। न्यक्। वातः। अव।
वाति। न्यक्। तपति। सूर्यः। नीचीनं। अघ्न्या। दुहे। न्यक्। भवतु। ते। रपः। अयं। मे।
हस्तः। भगऽवान्। अयं। मे। भगवत्ऽतरः। अयं। मे। विश्वऽभेषजः। अयं। शिव
अभिमर्शनः॥ २५॥ इदं। इत्था। रौद्रं। गूर्तऽवचाः। ब्रह्म। क्रत्वा। शच्यां। अंतः।
आजौ। क्राणा। यत्। अस्य। पितरा। मंहनेऽस्थाः। पर्षत्। पक्थे। अहन्। आ। सप्त।
होतॄन्। सः। इत्। दानाय। दभ्याय। वन्वन्। च्यवानः। सूदैः। अमिमीत। वेदिं। तू
र्वयाणः। गूर्तऽवचःऽतमः। क्षोदः। न। रेतः। इतःऽऊति। सिंचत्। मनः। न। येषु। हवने

॥ प॰अ॰१ ॥ षु । तिग्मं । विऽपः । शच्याः । वनुथः । द्रवंता । आ । यः । शर्याभिः । तुविऽनृम्णः । अस्य । अ
॥ १२ ॥ श्रीणीत । आऽदिशं । गभस्तौ । कृष्णा । यत् । गोषु । अरुणीषु । सीदत् । दिवः । नपाता
। अश्विना । हुवे । वां । वीतं । मे । यज्ञं । आ । गतं । मे । अन्नं । ववन्वांसा । न । इषं । अ वृ
स्मृतध्रू इत्यस्मृतऽध्रू । प्रथिष्ट । यस्य । वीरऽकर्मं । इष्णत् । अनुऽस्थितं । नु । न
र्यः । अप । औहत् । पुनः । इति । तत् । आ । वृहति । यत् । कनायाः । दुहितुः । आः । अ
नुऽभृतं । अनर्वा ॥ २६ ॥ मध्या । यत् । कर्त्वं । अभवत् । अभीके । कामं । कृण्वा ॥ हेरंब ॥
ने । पितरि । युवत्यां । मनानक् । रेतः । जहतुः । विऽयंता । सानौ । निऽसिक्तं । सुऽ ॥ १२ ॥
कृतस्य । योनौ । पिता । यत् । स्वां । दुहितरं । अधिऽस्कन् । क्ष्मया । रेतः । संऽ
जग्मानः । नि । सिंचत् । सुऽआध्यः । अजनयन् । ब्रह्म । देवाः । वास्तोः । पतिं ।

व्रतऽपां । निः । अतक्षन् । सः । ईं । वृषा । न । फेनं । अस्यत् । आजौ । स्मत् । आ । परा । ऐत् ।
अप । दभ्रऽचेताः । सरत् । पदा । न । दक्षिणा । पराऽवृक् । न । ताः । नु । मे । पृशन्यः । जगृ
भ्रे । मस्कान । वह्निः । प्रऽजायाः । उपब्दिः । अग्निं । न । नग्नः । उप । सीदत् । ऊधः । सनि
ता । इध्मं । सनिता । उत । वाजं । सः । धर्ता । जज्ञे । सहसा । यविऽयुत् । मक्षु । कनायाः
। सख्यं । नवऽग्वाः । ऋतं । वदंतः । ऋतऽयुक्तिं । अग्मन् । द्विऽबर्हसः । ये । उप । गोपं ।
आ । अगुः । अदक्षिणासः । अच्युता । दुधुक्षन् ॥ २७ ॥ ० नवीयः । राधः । न । रेतः । ऋतं ।
इत् । तुरण्यन् । ० । पश्वा । यत् । पश्चा । विऽयुता । बुधंत । इति । ब्रवीति । वक्तरि । ररा
णः । वसोः । वसुऽत्वा । कारवः । अनेहा । विश्वं । विवेष्टि । द्रविणं । उप । क्षु । तत् ।
इत् । नु । अस्य । परिऽसद्वानः । अग्मन् । पुरु । सदंतः । नार्सदं । बिभित्सन् । वि

॥प०अ०॥ शुष्णस्य। सं ऽ ग्रथितं। अनर्वा। विदत्। पुरु ऽ प्रजातस्य। गुहा। यत्। भर्गः। द्वा। नाम।
उत। यस्य। देवाः। स्वः। न। ये। त्रि ऽ सधस्थे। नि ऽ सेदुः। अग्निः। ०। जात ऽ वेदाः। श्रुधि।
॥१३॥ नः। होतः। ऋतस्य। होता। अध्रुक्। उत। त्या। मे। रौद्रौ। अर्चि ऽ मंता। नासत्यौ।
इंद्रा। गूर्तये। यजध्यै। मनुष्वत्। वृक्त ऽ बर्हिषे। रराणा। मंदू इति। हित ऽ प्रय
सा। विक्षु। यज्यू इति ॥ २८ ॥ अयं। स्तुतः। राजा। वंदि। वेधाः। अपः। च। विप्रः।
तरति। स्व ऽ सेतुः। सः। कक्षीवंतं। रेजयत्। सः। अग्निं। नेमिं। न। चक्रं। अर्व
तः। रघु ऽ द्रु। सः। द्वि ऽ बंधुः। वैतरणः। यष्टा। सबः ऽ र्धुं। धेनुं। अस्वं। दुहध्यै। ॥हेरंब॥
सं। यत्। मित्रावरुणा। वृंजे। उक्थैः। ज्येष्ठेभिः। अर्यमणं। वरूथैः। तत ऽ वं ॥१३॥
धुः। सूरिः। दिविते। धियं ऽ धाः। नाभानेदिष्ठः। रपति। प्र। वेनन्। सा। नः। ना

भिः। परमा। अस्य। वा। घ। अहं। तत्। पश्चा। कतिथः। चित्। आस। इयं। मे। नाभिः।
इह। मे। सध ऽ स्थं। इमे। मे। देवाः। अयं। अस्मि। सर्वः। द्वि ऽ जाः। अहं। प्रथम ऽ जाः।
ऋतस्य। इदं। धेनुः। अदुहत्। जायमाना। अध। आसु। मंद्रः। अरतिः। विभा ऽ वा।
अव। स्यति। द्वि ऽ वर्तनिः। वनेषाट्। ऊर्ध्वा। यत्। श्रेणिः। न। शिशुः। दन्। मक्षु। स्थि
रं। शेऽवृधं। सूत। माता ॥ २९ ॥ अध। गावः। उप ऽ मातिं। कनायाः। अनु। श्वांतस्य।
कस्य। चित्। परा। ईयुः। श्रुधि। त्वं। सु ऽ द्रविणः। नः। त्वं। याट्। आश्व ऽ घ्नस्य। वृ
वृधे। सूनृताभिः। अध। त्वं। इंद्र। विद्धि। अस्मान्। महः। राये। नृ ऽ पते। वज्र ऽ बा
हुः। ०। अनेहसः। ते। हरि ऽ वः। अभिष्टौ। अध। यत्। राजाना। गो ऽ इष्टौ। सरत्। स
रण्युः। कारवे। जरण्युः। विप्रः। प्रेष्ठः। सः। हि। एषां। बभूव। परा। च। वक्षत्। उत।

॥प॰अ॰१॥ पृषत्। एनान्। अध। नु। अस्य। जेन्यस्य। पुष्टौ। वृथा। रेभंतः। ईमहे। तत्। ऊं इति।
॥१४॥ नु। सरण्युः। अस्य। सूनुः। अश्व्यः। विप्रः। च। असि। श्रवसः। च। सातौ। युवोः। य
दि। सख्याय। अस्मे इति। शर्द्धाय। स्तोमं। जुजुषे। नमस्वान्। विश्वत्र। यस्मिन्।
आ। गिरः। संऽईचीः। पूर्वीःऽइव। गातुः। दाशत्। सूनृतायै। सः। गृणानः। अत्ऽ
भिः। देवऽवान्। इति। सुऽबंधुः। नमसा। सुऽउक्तैः। वर्द्धत्। उक्थैः। वचःऽभिः। आ।
हि। नूनं। वि। अध्वा। एति। पयसः। उस्रियायाः। ते। ऊं इति। सु। नः। महः। यजत्राः।
भूत। देवाः। ऊतये। सऽजोषाः। ये। वाजान्। अनयत। विऽयंतः। ये। स्थ। निऽ ॥हेरंब॥
चेतारः। अमूराः॥ ३०॥ ५७॥ इतिअष्टमाष्टकेप्रथमोध्यायः॥ ॥ हेरंब॥ ॐ॥ ॥१४॥
ये। यज्ञेन। दक्षिणया। संऽअक्ताः। इंद्रस्य। सख्यं। अमृतऽत्वं। आनुश। तेभ्यः।

भद्रं। अंगिरसः। वः। अस्तु। प्रति। गृभ्णीत। मानवं। सुऽमेधसः। ये। उत्ऽआज
न्। पितरः। गोऽमयं। वसु। ऋतेन। अभिंदन्। परिऽवत्सरे। वलं। दीर्घायुऽत्वं। ॰। ये।
ऋतेन। सूर्यं। आ। अरोहयन्। दिवि। अप्रथयन्। पृथिवीं। मातरं। वि। सुऽप्रजाःऽ
त्वं। ॰। अयं। नाभा। वदति। वल्गु। वः। गृहे। देवऽपुत्राः। ऋषयः। तत्। शृणोतन। सुऽ
ब्रह्मण्यं। ॰। विऽरूपासः। इत्। ऋषयः। ते। इत्। गंभीरऽवेपसः। ते। अंगिरसः।
सूनवः। ते। अग्नेः। परि। जज्ञिरे॥ १॥ ये। अग्नेः। परि। जज्ञिरे। विऽरूपासः। दि
वः। परि। नवऽग्वः। नु। दशऽग्वः। अंगिरःऽतमः। सचा। देवेषु। मंहते। इंद्रेण।
युजा। निः। सृजंत। वाघतः। ॰। सहस्रं। मे। ददतः। अष्टऽकर्ण्यः। ॰। प्र। नूनं। जा
यतां। अयं। मनुः। तोक्मऽइव। रोहतु। यः। सहस्रं। शतऽअश्वं। सद्यः। दाना

प०अ०२ यां। मंहते। न। तं। अश्नोति। कः। चन। दिवःऽइव। सानु। आऽरभं। सावर्ण्यस्य।
१५ दक्षिणा। वि। सिंधुःऽइव। पप्रथे। उत। दासा। परिऽविषे। स्मद्दिष्टी इति स्मत्ऽ
दिष्टी। गोऽपरीणसा। यदुः। तुर्वः। च। मामहे। सहस्रऽदाः। ग्रामऽनीः। मा। रिष
त्। मनुः। सूर्येण। अस्य। यतमाना। एतु। दक्षिणा। सावर्णेः। देवाः। प्र। तिरंतु।
आयुः। यस्मिन्। अश्रांताः। असनाम। वाजं॥ २॥ पराऽवतः। ये। दिधिषंते।
आप्यं। मनुऽप्रीतासः। जनिम। विवस्वतः। ययातेः। ये। नहुष्यस्य। बर्हिषि।
देवाः। आसते। ते। अधि। ब्रुवंतु। नः। विश्वा। हि। वः। नमस्यानि। वंद्या। नामा हेरंब
नि। देवाः। उत। यज्ञियानि। वः। ये। स्थ। जाताः। अदितेः। अत्ऽभ्यः। परि। ये। पृ १५
थिव्याः। ते। मे। इह। श्रुत। हवं। येभ्यः। माता। मधुऽमत्। पिन्वते। पयः। पीयू

षं। द्यौः। अदितिः। अद्रिऽबर्हाः। उक्थऽशुष्मान्। वृषऽभरान्। सुऽअप्नसः। तान्।
आदित्यान्। अनु। मद। स्वस्तये। नृऽचक्षसः। अनिऽमिषंतः। अर्हणा। बृहत्।
देवासः। अमृतऽत्वं। आनशुः। ज्योतिःऽरथाः। अहिऽमायाः। अनागसः। दिवः।
वर्ष्माणं। वसते। स्वस्तये। संऽराजः। ये। सुऽवृधः। यज्ञं। आऽययुः। अपरिऽ
ह्वृताः। दधिरे। दिवि। क्षयं। तान्। आ। विवास। नमसा। सुवृक्तिऽभिः। महः।
आदित्यान्। अदितिं। स्वस्तये॥ ३॥ कः। वः। स्तोमं। राधति। यं। जुजोषथ।
विश्वे। देवासः। मनुषः। यति। स्थन। कः। वः। अध्वरं। तुविऽजाताः। अरं। करत्।
यः। नः। पर्षत्। अति। अंहः। स्वस्तये। येभ्यः। होत्रां। प्रथमां। आऽयेजे। म
नुः। समिद्धऽअग्निः। मनसा। सप्त। होतृऽभिः। ते। आदित्याः। अभयं। शर्म।

प॰अ॰२ यछत।सुऽगा।नः।कर्त्त।सुऽपथा।स्वस्तये।ये।ईशिरे।भुवनस्य।प्रऽचेतसः।
१६ विश्वस्य।स्थातुः।जगतः।च।मंतवः।ते।नः।कृतात्।अकृतात्।एनसः।परि।
अद्य।देवासः।पिपृत।स्वस्तये।भरेषु।इंद्रं।सुऽहवं।हवामहे।अंहःऽमुचं।सुऽ
कृतं।दैव्यं।जनं।अग्निं।मित्रं।वरुणं।सातये।भगं।द्यावापृथिवीइति।मरु
तः।स्वस्तये।सुऽत्रामाणं।पृथिवीं।द्यां।अनेहसं।सुऽशर्माणं।अदितिं।सुऽ
प्रनीतिं।दैवीं।नावं।सुऽअरित्रां।अनागसं।अस्रवंतीं।आ।रुहेम।स्वस्तये। हेरंब
॥ ७ ॥ विश्वे।यजत्राः।अधि।वोचत।ऊतये।त्रायध्वं।नः।दुःऽएवायाः।अ १६
भिऽह्रुतः।सत्यया।वः।देवऽहूत्या।हुवेम।शृण्वतः।देवाः।अवसे।स्वस्तये।
अप।अमीवां।अप।विश्वां।अनाहुतिं।अप।अरातिं।दुःऽविदत्रां।अघऽ

द्वेषः यतः।आरे।देवाः।अस्मत्।युयोतन।उरु।नः।शर्म।यछत।स्वस्तये।अरिष्टः।
सः।मर्तः।विश्वः।एधते।०।यं।आदित्यासः।नयथ।सुनीतिऽभिः।अति।विश्वा
नि।दुःऽइता।स्वस्तये।०।स्वःऽसाता।मरुतः।हिते।धने।प्रातःऽयावानं।रथं।
इंद्र।सानसिं।अरिष्यंतं।आ।रुहेम।स्वस्तये।स्वस्ति।नः।पथ्यासु।धन्वऽसु।
स्वस्ति।अप्ऽसु।वृजने।स्वःऽवति।स्वस्ति।नः।पुत्रऽकृथेषु।योनिषु।स्वस्ति।
राये।मरुतः।दधातन।स्वस्तिः।इत्।हि।प्रऽपथे।श्रेष्ठा।रेक्णस्वती।अभि।
या।वामं।एति।सा।नः।अमा।सोइति।अरणे।नि।पातु।सुऽआवेशा।भवतु।
देवऽगोपा।एव।प्लुतेः।सूनुः।अवीवृधत्।वः।विश्वे।आदित्याः।अदिते।
मनीषी।ईशानासः।नरः।अमर्त्येन।अस्तावि।जनः।दिव्यः।गयेन॥ ८ ॥

प॰अ॰२ कथा। देवानां। कतमस्य। यामनि। सुऽमंतु। नाम। शृण्वतां। मनामहे। कः। मृळाति।
१७ कतमः। नः। मयः। करत्। कतमः। ऊती। अभि। आ। ववर्त्तति। क्रतुऽयंति। क्रतवः।
हृत्ऽसु। धीतयः। वेनंति। वेनाः। पतयंति। आ। दिशः। न। मर्डिता। विद्यते। अन्यः।
एभ्यः। देवेषु। मे। अधि। कामाः। अयंसत। नराशंसं। वा। पूषणं। अगोह्यं। अग्निं।
देवऽइद्धं। अभि। अर्चसे। गिरा। सूर्यामासा। चंद्रमसा। यमं। दिवि। त्रितं। वातं।
उषसं। अक्तुं। अश्विना। कथा। कविः। तुविऽरवान्। कया। गिरा। बृहस्पतिः। ववृधते। हेरंब
सुवृक्तिभिः। अजः। एकऽपात्। सुऽहवेभिः। ऋक्वऽभिः। अहिः। शृणोतु। बुध्न्यः। १७
हवीमनि। दक्षस्य। वा। अदिते। जन्मनि। व्रते। राजाना। मित्रावरुणा। आ। विवाससि।
अतूर्तऽपंथाः। पुरुऽरथः। अर्यमा। सप्तऽहोता। विषुऽरूपेषु। जन्मऽसु॥ ६॥ ॥

ते। नः। अर्वंतः। हवनऽश्रुतः। हवं। विश्वे। शृण्वंतु। वाजिनः। मितऽद्रवः। सहस्रऽसाः। मेध
साताऽइव। त्मना। महः। ये। धनं। संऽइथेषु। जभ्रिरे। पुरंऽधिं। स्तोमेभिः। कृणुध्वं। स
ख्याय। पूषणं। ते। हि। देवस्य। सवितुः। सवीमनि। क्रतुं। सचंते। सऽचितः। सऽचेत
सः। त्रिः। सप्त। सस्राः। नद्यः। महीः। अपः। वनस्पतीन्। पर्वतान्। अग्निं। ऊतये। कृ
शानुं। अस्तॄन्। तिष्यं। सधऽस्थे। आ। रुद्रं। रुद्रेषु। रुद्रियं। हवामहे। सरस्वती। सर
युः। सिंधुः। ऊर्मिऽभिः। महः। महीः। अवसा। आ। यंतु। वक्षणीः। देवीः। आपः। मातरः।
सूदयित्न्वः। घृतऽवत्। पयः। मधुऽमत्। नः। अर्चत। उत। माता। बृहत्ऽदिवा।
शृणोतु। नः। त्वष्टा। देवेभिः। जनिऽभिः। पिता। वचः। ऋभुक्षाः। वाजः। रथःऽ
पतिः। भगः। रण्वः। शंसः। शशमानस्य। पातु। नः॥ ७ ॥ भद्रा। रुद्राणां। म
रुतां। उपऽस्तुतिः। गोभिः। स्याम। यशसः। जनेषु। आ। सदा। देवासः। इळया।

प॰ अ॰ २ सचेमहि। यां। मे। धियं। मरुतः। इंद्र। देवाः। अददात। वरुण। मित्र। यूयं। तां। पीपयत।
१८ पयसाऽइव। धेनुं। कुवित्। गिरः। अधि। रथे। वहाथ। कुवित्। अंग। प्रति। यथा।
चित्। अस्य। नः। सऽजात्यस्य। मरुतः। बुबोधथ। नाभा। यत्र। प्रथमं। संऽनसाम
हे। तत्र। जामिऽत्वं। अदितिः। दधातु। नः। ॰। मातरा। मही इति। देवी इति। देवा
न्। जन्मना। यज्ञिये इति। इतः। उभे इति। बिभृतः। उभयं। भरीमऽभिः। पुरु।
रेतांसि। पितृऽभिः। च। सिंचतः। वि। सा। होत्रा। विश्वं। अश्नोति। वार्यं। बृह हेरंब
स्पतिः। अरमतिः। पनीयसी। ग्रावा। यत्र। मधुऽसुत्। उच्यते। बृहत्। अवीवशंत। १८
मतिऽभिः। मनीषिणः। एव। कविः। तुविऽरवान्। ऋतऽज्ञाः। द्रविणस्युः। द्रविण
सः। चकानः॥ उक्थेभिः। अत्र। मतिऽभिः। च। विप्रः। अपीपयत्। गयः। दिव्यानि।

जन्म। ०॥ ८ ॥ अग्निः। इंद्रः। वरुणः। मित्रः। अर्यमा। वायुः। पूषा। सरस्वती। सऽजो
षसः। आदित्याः। विष्णुः। मरुतः। स्वः। बृहत्। सोमः। रुद्रः। अदितिः। ब्रह्मणः। पतिः
इंद्राग्नी इति। वृत्रऽहत्येषु। सत्पती इति सत्ऽपती। मिथः। हिन्वाना। तन्वा। संऽ
ओकसा। अंतरिक्षं। महि। आ। पप्रुः। ओजसा। सोमः। घृतऽश्रीः। महिमानं।
ईरयन्। तेषां। हि। मह्ना। महतां। अनर्वणां। स्तोमान्। इयर्मि। ऋतऽज्ञाः। ऋतऽ
वृधां। ये। अप्नवं। अर्णवं। चित्रऽराधसः। ते। नः। रासंतां। महये। सुऽमित्र्याः।
स्वःऽनरं। अंतरिक्षाणि। रोचना। द्यावाभूमी इति। पृथिवीं। स्कंभुः। ओजसा
पृक्षाःऽइव। महयंतः। सुऽरातयः। देवाः। स्तवंते। मनुषाय। सूरयः। मित्रा
य। शिक्ष। वरुणाय। दाशुषे। या। संऽराजा। मनसा। न। प्रऽयुच्छतः। ययोः।

वर्तीनिं।

प॰ अ॰ ८ धाम । धर्मणा । रोचते । बृहते । यथोः । उभेइति । रोदसीइति । नाधसीइति । वृतौ ॥ ९ ॥
१९ या । गोः । परिऽएति । निःऽकृतं । पयः । दुहाना । व्रतनीः । अवारतः । सा । प्रऽब्रुवाणा
। वरुणाय । दाशुषे । देवेभ्यः । दाशत् । हविषा । विवस्वते । दिवक्षसः । अग्निऽजिह्वाः ।
ऋतऽवृधः । ऋतस्य । योनिं । विऽमृशंतः । आसते । द्यां । स्कभित्वी । अपः । आ । चक्रुः ।
ओजसा । यज्ञं । जनित्वी । तन्वि । नि । ममृजुः । परिऽक्षिता । पितरा । पूर्वजावरीइति पूर्वऽ
जावरी । ऋतस्य । योना । क्षयतः । संऽओकसा । द्यावापृथिवीइति । वरुणाय । सम्र
तेइति सऽव्रते । घृतऽवत् । पयः । महिषाय । पिन्वतः । पर्जन्यावाता । वृषभा । पुरीषि हेरंब
णा । इंद्रवायूइति । वरुणः । मित्रः । अर्यमा । देवान् । आदित्यान् । अदितिं । हवाम १९
हे । ये । पार्थिवासः । दिव्यासः । अप्ऽसु । ये । त्वष्टारं । वायुं । ऋभवः । यः । ओहते ॥

दैव्या । होतारा । उषसं । स्वस्तये । बृहस्पतिं । वृत्रऽखादं । सुऽमेधसं । इंद्रियं । सोमं ।
धनऽसाः । ऊंइति । ईमहे ॥ १० ॥ ब्रह्म । गां । अश्वं । जनयंतः । ओषधीः । वनस्पतीन् ।
पृथिवीं । पर्वतान् । अपः । सूर्यं । दिवि । रोहयंतः । सुऽदानवः । आर्या । व्रता । विऽ
सृजंतः । अधि । क्षमि । भुज्युं । अंहसः । पिपृथः । निः । अश्विना । श्यावं । पुत्रं । व
ध्रिऽमत्याः । अजिन्वतं । कमऽद्युवं । विऽमदाय । ऊहथुः । युवं । विष्णाप्वं । वि
श्वकाय । अव । सृजथः । पावीरवी । तन्यतुः । एकऽपात् । अजः । दिवः । धर्ता ।
सिंधुः । आपः । समुद्रियः । विश्वे । देवासः । शृणवन् । वचांसि । मे । सरस्वती
। सह । धीभिः । पुरंऽध्या । विश्वे । देवाः । सह । धीभिः । पुरंऽध्या ॥ रातिऽसाचः ।
अभिऽसाचः । स्वःऽविदः । स्वः । गिरः । ब्रह्म । सुऽउक्तं । जुषेरत । देवान् । व

प०अ०२ सिष्ठः। अमृतान्। ववंदे। ये। विश्वा। भुवना। अभि। प्रऽतस्थुः।०॥११॥ देवान्। हुवे।
२० बृहत्ऽश्रवसः। स्वस्तये। ज्योतिःऽकृतः। अध्वरस्य। प्रऽचेतसः। ये। ववृधुः। प्रऽतरं।
विश्वऽवेदसः। इंद्रऽज्येष्ठासः। अमृताः। ऋतऽवृधः। इंद्रऽप्रसूताः। वरुणऽप्रशि
ष्टाः। ये। सूर्यस्य। ज्योतिषः। भागं। आनशुः। मरुत्ऽगणे। वृजने। मन्म।
धीमहि। माघोने। यज्ञं। जनयंत। सूरयः। इंद्रः। वसुऽभिः। परि। पातु। नः।
गयं। आदित्यैः। नः। अदितिः। शर्म। यच्छतु। रुद्रः। रुद्रेभिः। देवः। मृळया हेरंब
ति। नः। त्वष्टा। नः। ग्नाभिः। सुविताय। जिन्वतु। अदितिः। द्यावापृथिवीइति। २०
ऋतं। महत्। इंद्राविष्णूइति। मरुतः। स्वः। बृहत्। देवान्। आदित्यान्॥
अवसे। हवामहे। वसून्। रुद्रान्। सवितारं। सुऽदंससं। सरस्वान्। धीभिः।

वरुणः। धृतऽव्रतः। पूषा। विष्णुः। महिमा। वायुः। अश्विना। ब्रह्मऽकृतः। अमृताः।
विश्वऽवेदसः। शर्म। नः। यंसन्। त्रिऽवरूथं। अंहसः॥१२॥ वृषा। यज्ञः। वृष
णः। संतु। यज्ञियाः। वृषणः। देवाः। वृषणः। हविःऽकृतः। वृषणा। द्यावापृथिवी
इति। ऋतवरीइत्यृतऽवरी। वृषा। पर्जन्यः। वृषणः। वृषऽस्तुभः। अग्नीषोमा।
वृषणा। वाजऽसातये। पुरुऽप्रशस्ता। वृषणो। उप। ब्रुवे। यो। ईजिरे। वृषणः।
देवऽयज्यया। ता। नः। शर्म। त्रिऽवरूथं। वि। यंसतः। धृतऽव्रताः। क्षत्रियाः। यज्ञ
निःऽकृतः। बृहत्ऽदिवाः। अध्वराणां। अभिऽश्रियः। अग्निऽहोतारः। ऋतऽ
सापः। अद्रुहः। अपः। असृजन्। अनु। वृत्रऽतूर्ये। द्यावापृथिवीइति। जनय
न्। अभि। व्रता। आपः। ओषधीः। वनिनानि। यज्ञिया। अंतरिक्षं। स्वः। आ।

प॰अ॰२ प्रभुः। ऊतये। वज्रं। देवासः। तन्वि। नि। मम्रजुः। धर्त्तारः। दिवः। ऋभवः। सुऽहस्ताः। वा
२१ तापर्जन्या। महिषस्य। तन्यतोः। आपः। ओषधीः। प्र। तिरंतु। नः। गिरः। भगः।
रातिः। वाजिनः। यंतु। मे। हवं॥ १३॥ समुद्रः। सिंधुः। रजः। अंतरिक्षं। अजः। एकः
पात्। तनयित्नुः। अर्णवः। अहिः। बुध्न्यः। शृणवत्। वचांसि। मे। विश्वे। देवा
सः। उत। सूरयः। मम। स्याम। वः। मनवः। देवऽवीतये। प्रांचं। नः। यज्ञं। प्र। न
यत। साधुऽया। आदित्याः। रुद्राः। वसवः। सुऽदानवः। इमा। ब्रह्म। शस्य
मानानि। जिन्वत। ०। पुरःऽहिता। ऋतस्य। पंथां। अनु। एमि। साधुऽया। क्षे हेरंब
त्रस्य। पतिं। प्रतिऽवेशं। ईमहे। विश्वान्। देवान्। अमृतान्। अप्रऽयुछतः। २१
वसिष्ठासः। पितृऽवत्। वाचं। अक्रत। देवान्। ईळानाः। ऋषिऽवत्। स्वस्त

ये। प्रीताः। इव। ज्ञातयः। कामं। आऽइत्य। अस्मे इति। देवासः। अव। धूनुत।
वसु। ०॥ १४॥ इमां। धियं। सप्तऽशीर्ष्णीं। पिता। नः। ऋतऽप्रजातां। बृहतीं। अ
विंदत्। तुरीयं। स्वित्। जनयत्। विश्वऽजन्यः। अयास्यः। उक्थं। इंद्राय। शंस
न्। आविः। ऋतं। शंसंतः। ऋजु। दीध्यानाः। ०। विप्रं। पदं। अंगिरसः। दधानाः। यज्ञस्य।
धाम। प्रथमं। मनंत। [illegible]। हंसैःऽइव। सखिऽभिः। वावदत्ऽभिः। अश्मन्
मयानि। नह्ना। विऽअस्यन्। बृहस्पतिः। अभिऽकनिक्रदत्। गाः। उत। प्र।
अस्तौत्। उत्। च। विद्वान्। अगायत्। अवः। द्वाभ्यां। परः। एकया। गाः। गुहा
। तिष्ठंतीः। अनृतस्य। सेतौ। बृहस्पतिः। तमसि। ज्योतिः। इछन्। उत्। उस्राः
। आ। अकः। वि। हि। तिस्रः। आवरित्यावः। विऽभिद्य। पुरं। शयथां। ईं।

मं॰ ऋ॰ २ अपाचीं। निः। त्रीणि। साकं। उदधेः। अकृंतत्। बृहस्पतिः। उषसं। सूर्यं। गां।
२२ अर्कं। विवेद। स्तनयन्ऽइव। द्यौः॥ इंद्रः। वलं। रक्षितारं। दुघानां। करेणऽइ
व। वि। चकर्त्त। रवेण। स्वेदांजिऽभिः। आऽशिरं। इच्छमानः। अरोदयत्।
पणिं। आ। गाः। अमुष्णात्॥ १५॥ सः। ईं। सत्येभिः। सखिऽभिः। शुचत्ऽभिः
। गोऽधायसं। वि। धनऽसैः। अदर्दरित्यदर्दः। ब्रह्मणः। पतिः। वृषऽभिः। वरा
हैः। घर्मऽस्वेदेभिः। द्रविणं। वि। आनट्इति। सत्येन। मनसा। गोऽपतिं। गाः। इ हेरंब
यानासः। इषणयंत। धीभिः। बृहस्पतिः। मिथःऽअवद्यपेभिः। उत्। उस्रि २२
याः। असृजत। स्वयुक्ऽभिः। तं। वर्धयंत। मतिऽभिः। शिवाभिः। सिंहंऽइव। ना
नदतं। सधऽस्थे। बृहस्पतिं। वृषणं। शूरऽसातौ। भरेऽभरे। अनु। मदेम। जिष्णुं।

यदा। वाजं। असनत्। विश्वऽरूपं। आ। द्यां। अरुक्षत्। उत्ऽतराणि। सद्म। बृ
हस्पतिं। वृषणं। वर्द्धयंतः। नाना। संतः। बिभ्रतः। ज्योतिः। आसा। सत्यां। आ
शिषं। कृणुत। वयःऽधे। कीरिं। चित्। हि। अवथ। स्वेभिः। एवैः। पश्चा। मृ
धः। अप। भवंतु। विश्वाः। तत्। रोदसीइति। शृणुतं। विश्वमिन्वेइतिविश्वं
इन्वे। इंद्रः। मन्हा। महतः। अर्णवस्य। वि। मूर्द्धानं। अभिनत्। अर्बुदस्य। ०॥
॥१६॥ उदप्रुतः। न। वयः। रक्षमाणाः। वावदतः। अभ्रियस्यऽइव। घोषाः।
गिरिऽभ्रजः। न। ऊर्मयः। मदंतः। बृहस्पतिं। अभि। अर्काः। अनावन्। सं। गोभिः।
आंगिरसः। नक्षमाणः। भगःऽइव। इत्। अर्यमणं। निनाय। जने। मित्रः। न।
दंपतीइतिदंऽपती। अनक्ति। बृहस्पते। वाजय। आशूनऽइव। आजौ। सा

प०अ०२ धुऽअर्याः। अतिथिनीः। इषिराः। स्पार्हाः। सुऽवर्णाः। अनवद्यऽरूपाः। बृह
२२ स्पतिः। पर्वतेभ्यः। विऽतूर्य। निः। गाः। ऊपे। यवंऽइव। स्थिविऽभ्यः। आऽप्रुषा
यन्। मधुना। ऋतस्य। योनिं। अवऽक्षिपन्। अर्कः। उल्कांऽइव। द्योः। बृ
हस्पतिः। उत्ऽहरन्। अश्मनः। गाः। भूम्याः। उद्नाऽइव। वि। त्वचं। बिभेद।
अप। ज्योतिषा। तमः। अंतरिक्षात्। उद्नः। शीपालंऽइव। वातः। आजत्। बृ
हस्पतिः। अनुऽमृश्य। वलस्य। अभ्रंऽइव। वातः। आ। चक्रे। आ। गाः। यदा। हेरंब
वलस्य। पीयतः। जसुं। भेत्। बृहस्पतिः। अग्नितपःऽभिः। अर्कैः। दत्ऽभिः २२
। न। जिह्वा। परिऽविष्टं। आदत्। आविः। निऽधीन्। अकृणोत्। उस्रियाणां॥
॥११॥ बृहस्पतिः। अमत। हि। त्यत्। आसां। नाम। स्वरीणां। सदने।

गुहा। यत्। आंडाऽइव। भित्वा। शकुनस्य। गर्भं। उत्। उस्रियाः। पर्वतस्य।
त्मना। आजत्। अश्ना। अपिऽनद्धं। मधु। परि। अपश्यत्। मत्स्यं। न। दीने।
उदनि। क्षियंतं। निः। तत्। जभार। चमसं। न। वृक्षात्। बृहस्पतिः। विऽरवेण।
विऽकृत्य। सः। उषां। अविंदत्। सः। स्वरिति स्वः। सः। अग्निं। सः। अर्केण। वि।
बबाधे। तमांसि। बृहस्पतिः। गोऽवपुषः। वलस्य। निः। मज्जानं। न। पर्वणः।
जभार। हिमाऽइव। पर्णा। मुषिता। वनानि। बृहस्पतिना। अकृपयत्। वलः। गाः।
अननुऽकृत्यं। अपुनरिति। चकार। यात्। सूर्यामासा। मिथः। उत्ऽचरातः।
अभि। श्यावं। न। कृशनेभिः। अश्वं। नक्षत्रेभिः। पितरः। द्यां। अपिंशन्।
रात्र्यां। तमः। अदधुः। ज्योतिः। अहन्। बृहस्पतिः। भिनत्। अद्रिं। विदत्।

पृ॰अ॰२ गाः। इदं। अकर्म। नमः। अभ्रियाय। यः। पूर्वीः। अनु। आऽनोनवीति। बृहस्पतिः।
२७ सः। हि। गोभिः। सः। अश्वैः। सः। वीरेभिः। सः। नृऽभिः। नः। वयः। धात्॥ १८॥ ॥
भद्राः। अग्नेः। वध्रिऽअश्वस्य। संऽदृशः। वामी। प्रऽनीतिः। सुऽरणाः। उपऽइत
यः। यत्। ईं। सुऽमित्राः। विशः। अग्रे। इंधते। घृतेन। आऽहुतः। जरते। दविद्यु
तत्॥ घृतं। अग्नेः। वध्रिऽअश्वस्य। वर्धनं। घृतं। अन्नं। घृतं। ऊं इति। अस्य। मेद
नं। घृतेन। आऽहुतः। उर्विया। वि। पप्रथे। सूर्यःऽइव। रोचते। सर्पिःऽआ हेरंब
सुतिः। यत्। ते। मनुः। यत्। अनीकं। सुऽमित्रः। संऽइधे। अग्ने। तत्। इदं।
नवीयः। सः। रेवत्। शोच। सः। गिरः। जुषस्व। सः। वाजं। दर्षि। सः। इह। श्र २७
वः। धाः॥ यं। त्वा। पूर्वं। ईळितः। वध्रिऽअश्वः। संऽईधे। अग्ने। सः। इदं।

जुषस्व। सः। नः। स्तिऽपाः। उत। भव। तनूऽपाः। दात्रं। रक्षस्व। यत्। इदं। ते। अस्मे इ
ति। भव। द्युम्नी। वाध्रिऽअश्व। उत। पगोपाः। मा। त्वा। तारीत्। अभिऽमातिः। ज
नानां॥ शूरःऽइव। धृष्णुः। च्यवनः। सुऽमित्रः। प्र। नु। वोचं। वाध्रिऽअश्वस्य। नाम।
सं। आज्या। पर्वत्या। वसूनि। दासा। वृत्राणि। आर्या। जिगेथ। जनानां। त्वं। अग्ने।
पृतनाऽयून्। अभि। स्याः॥ १९॥ दीर्घऽतंतुः। बृहत्ऽउक्षा। अयं। अग्निः। सहस्रऽ
स्तरीः। शतऽनीथः। ऋभ्वा। द्युऽमान्। द्युमत्ऽसु। नृऽभिः। मृज्यमानः। सुऽमित्रे
षु। दीदयः। देवयत्ऽसु॥ त्वे इति। धेनुः। सुऽदुघा। जातऽवेदः। असश्चताऽइव। स
मना। सबःऽधुक्॥ त्वं। नृऽभिः। दक्षिणावत्ऽभिः। अग्ने। सुऽमित्रेभिः। इध्यसे। देव
यत्ऽभिः॥ देवाः। चित्। ते। अमृताः। जातऽवेदः। महिमानं। वाध्रिऽअश्व। प्र।

१०अ०२ वोचन्। यत्। संऽपृच्छं। मानुषीः। विशः। आयन्। त्वां। नृऽभिः। अजयः। त्वाऽवृधेभिः।
२५ पिताऽइव। पुत्रं। अबिभः। उपऽस्थे। त्वां। अग्ने। वध्रिऽअश्वः। सपर्यन्। जुषाणः। अ
स्य। संऽइधं। यविष्ठ। उत। पूर्वान्। अवनोः। व्राधतः। चित्। शश्वत्। अग्निः। व
ध्रिऽअश्वस्य। शत्रून्। नृऽभिः। जिगाय। सुतसोमवत्ऽभिः। समनं। चित्। अद
हः। चित्रभानो इति चित्रऽभानो। अव। व्राधंतं। अभिनत्। वृधः। चित्। अयं। अ
ग्निः। वध्रिऽअश्वस्य। वृत्रऽहा। सनकात्। प्रऽइद्धः। नमसा। उपऽवाक्यः। सः।
नः। अजामीन्। उत। वा। विऽजामीन्। अभि। तिष्ठ। शर्धतः। वाध्रिऽअश्व॥ २०॥ हेरंब
।०। जुषस्व। इळः। पदे। प्रति। हर्य। घृताचीं। वर्ष्मन्। पृथिव्याः। सुदिनऽत्वे। अह्नां। २५
ऊर्ध्वः। भव। सुक्रतो इति सुऽक्रतो। देवऽयज्या। आ। देवानां। अग्रऽयावा। इह।

यातु। नराशंसः। विश्वऽरूपेभिः। अश्वैः। ऋतस्य। पथा। नमसा। मियेधः। देवेभ्यः।
देवऽतमः। सुसूदत्। शश्वत्ऽतमं। ईळते। दूत्याय। हविष्मंतः। मनुष्यासः। अ
ग्निं। वर्हिष्ठैः। अश्वैः। सुऽवृता। रथेन। आ। देवान्। वक्षि। नि। सद। इह। होता। वि
। प्रथतां। देवऽजुष्टं। तिरश्चा। दीर्घं। द्राघ्मा। सुरभि। भूतु। अस्मे इति। अहेळता।
मनसा। देव। बर्हिः। इंद्रऽज्येष्ठान्। उशतः। यक्षि। देवान्। दिवः। वा। सानु। स्पृ
शत। वरीयः। पृथिव्या। वा। मात्रया। वि। श्रयध्वं। उशतीः। द्वारः। महिना। मह
त्ऽभिः। देवं। रथं। रथऽयुः। धारयध्वं॥ २१॥ देवी इति। दिवः। दुहितरा। सुशि
ल्पे इति सुऽशिल्पे। उषसानक्ता। सदतां। नि। योनौ। आ। वां। देवासः। उशती
इति। उशंतः। उरौ। सीदंतु। सुभगे इति सुऽभगे। उपऽस्थे। ऊर्ध्वः। ग्रावा। बृहत्।

प॰अ॰२
२६

अग्निः।संऽइद्धः।प्रिया।धामानि।अदितेः।उपऽस्थे।पुरःऽहितौ।ऋत्विजा।य
ज्ञे।अस्मिन्।विदुःऽतरा।द्रविणं।आ।यजेथां।तिस्रः।देवीः।बर्हिः।इदं।वरीयः
।आ।सीदत।चकृम।वः।स्योनं।मनुष्वत्।यज्ञं।सुऽधिता।हवींषि।इळा।देवी
।घृतऽपदी।जुषंत।देव।त्वष्टः।यत्।ह।चारुऽत्वं।आनट्।यत्।अंगिरसां।अभवः
।सचाऽभूः।सः।देवानां।पाथः।उप।प्र।विद्वान्।उशन्।यक्षि।द्रविणःऽदः।
सुऽरत्नः।वनस्पते।रशनया।निऽयूय।देवानां।पाथः।उप।वक्षि।विद्वान्।
स्वदाति।देवः।कृणवत्।हवींषि।अवतां।द्यावापृथिवी इति।हवं।मे।आ। हेरंब
अग्ने।वह।वरुणं।इष्टये।नः।इंद्रं।दिवः।मरुतः।अंतरिक्षात्।सीदंतु। २६
बर्हिः।विश्वे।आ।यजत्राः।०॥२२॥बृहस्पते।प्रथमं।वाचः।अग्रं।यत्।

प्रऽऐरत।नामऽधेयं।दधानाः।यत्।एषां।श्रेष्ठं।यत्।अरिप्रं।आसीत्।प्रेणा
।तत्।एषां।निऽहितं।गुहा।आविः।सक्तुंऽइव।तितउना।पुनंतः।यत्र।धीराः
।मनसा।वाचं।अक्रत।अत्र।सखायः।सख्यानि।जानते।भद्रा।एषां।लक्ष्मीः
।निऽहिता।अधि।वाचि।यज्ञेन।वाचः।पदऽवीयं।आयन्।तां।अनु।अविंदन्।
ऋषिषु।प्रऽविष्टां।तां।आऽभृत्य।वि।अदधुः।पुरुऽत्रा।तां।सप्त।रेभाः।अभि
।सं।नवंते।उत।त्वः।पश्यन्।न।ददर्श।वाचं।उत।त्वः।शृण्वन्।न।शृणोति।
एनां।उतो इति।त्वस्मै।तन्वं।वि।सस्रे।०उत।त्वं।सख्ये।स्थिरऽपीतं।आहुः।
न।एनं।हिन्वंति।अपि।वाजिनेषु।अधेन्वा।चरति।मायया।एषः।वाचं।शु
श्रुऽवान्।अफलां।अपुष्पां॥२३॥यः।तित्याज।सचिऽविदं।सखायं।न।

प॰ अ॰ २ तस्य। वाचि। अपि। भागः। अस्ति। यत्। ईं। शृणोति। अलकं। शृणोति। नहि।
२१ प्रऽवेद। सुऽकृतस्य। पंथां। अक्षण्ऽवंतः। कर्णऽवंतः। सखायः। मनःऽजवेषु।
असमाः। बभूवुः। आदघ्नासः। उपऽकक्षासः। ऊँ इति। वे। ह्रदाःऽइव। स्ना
त्वाः। ऊँ इति। त्वे। ददृश्रे। हृदा। तष्टेषु। मनसः। जवेषु। यत्। ब्राह्मणाः। संऽयजं
ते। सखायः। अत्र। अह। त्वं। वि। जहुः। वेद्याभिः। ओहऽब्रह्माणः। वि। चरं
ति। ऊँ इति। त्वे। इमे। ये। न। अर्वाक्। न। परः। चरंति। न। ब्राह्मणासः। न। सुतेऽ
करासः। ते। एते। वाचं। अभिऽपद्य। पापया। सिरीः। तंत्रं। तन्वते। अप्रऽज हेरंब
ज्ञयः।। सर्वे। नंदंति। यशसा। आऽगतेन। सभाऽसहेन। सख्या। सखायः। २१
किल्बिषऽस्पृत्। पितुऽसनिः। हि। एषां। अरं। हितः। भवति। वाजिनाय।।

ऋचां। त्वः। पोषं। आस्ते। पुपुष्वान्। गायत्रं। त्वः। गायति। शक्वरीषु। ब्रह्मा। त्वः। वद
ति। जातऽविद्यां। यज्ञस्य। मात्रां। वि। मिमीते। ऊँ इति। त्वः।। २५।। ५८।। इत्यष्टमा
ष्टके परे द्वितीयोध्यायः।। हेरंब।। ॐ भद्रं।। देवानां। नु। वयं। जाना। प्र। वोचाम। विप
न्यया। उक्थेषु। शस्यमानेषु। यः। पश्यात्। उत्ऽतरे। युगे। ब्रह्मणः। पतिः। एता।
सं। कर्मारःऽइव। अधमत्। देवानां। पूर्व्ये। युगे। असतः। सत्। अजायत। देवानां।
अनु। युगे। प्रथमे। तत्। आशाः। अजायंत। तत्। उत्तानऽपदः। परि। भुः। जज्ञे। उत्ता
नऽपदः। भुवः। आशाः। अजायंत। अदितेः। दक्षः। अजायत। दक्षात्। ऊँ इति।
अदितिः। परि। अदितिः। हि। अजनिष्ट। दक्ष। या। दुहिता। तव। तां। देवाः। अनु।
अजायंत। भद्राः। अमृतऽबंधवः।। ५।। यत्। देवाः। अदः। सलिले। सुऽसंर

प०अ०२ ब्धाः। अतिष्ठत। अत्र। वः। नृत्यताम्ऽइव। तीव्रः। रेणुः। अप। आयत। यत्। देवाः।
२८ यतयः। यथा। भुवनानि। अपिन्वत। अत्र। समुद्रे। आ। गूळ्हं। आ। सूर्यं। अ
जभर्तन। अष्टौ। पुत्रासः। अदितेः। ये। जाताः। तन्वः। परि। देवान्। उप। प्र। ऐत्।
सप्तऽभिः। परा। मार्तांडं। आस्यत्। सप्तऽभिः। पुत्रैः। अदितिः। उप। प्र। ऐत्।
पूर्व्यं। युगं। प्रऽजायै। मृत्यवे। त्वत्। पुनः। मार्तांडं। आ। अभरत्॥ २॥ जनि
ष्ठाः। उग्रः। सहसे। तुराय। मंद्रः। ओजिष्ठः। बहुलऽअभिमानः। अवर्द्धन्। इं
द्रं। मरुतः। चित्। अत्र। माता। यत्। वीरं। दधनत्। धनिष्ठा। द्रुहः। निऽसत्ता। पृ हेरंब
शनी। चित्। एवैः। पुरु। शंसेन। ववृधुः। ते। इंद्रं। अभिवृताऽइव। ता। महाऽपदे २८
न। ध्वांतात्। प्रऽपित्वात्। उत्। अरंत। गर्भाः। ऋष्वा। ते। पादा। प्र। यत्। जिगा

सि। अवर्द्धन्। वाजाः। उत। ये। चित्। अत्र। त्वं। इंद्र। सालावृकान्। सहस्रं। आ
सन्। दधिषे। अश्विना। आ। ववृत्याः। समना। तूर्णिः। उप। यासि। यज्ञं। आ। ना
सत्या। सख्याय। वक्षि। वसाव्यां। इंद्र। धारयः। सहस्रा। अश्विना। शूर। ददतुः
। मघानि। मंदमानः। ऋतात्। अधि। प्रऽजायै। सखिऽभिः। इंद्रः। इषिरेभिः। अ
र्थं। आ। आभिः। हि। मायाः। उप। दस्युं। आ। अगात्। मिहः। प्र। तम्राः। अवपत्।
तमांसि॥ ३॥ सऽनामाना। चित्। ध्वसयः। नि। अस्मै। अव। अहन्। इंद्रः। उषसः।
यथा। अनः। ऋष्वैः। अगच्छः। सखिऽभिः। निऽकामैः। साकं। प्रतिऽस्था। हृद्या।
जघंथ। त्वं। जघंथ। नमुचिं। मखस्युं। दासं। कृण्वानः। ऋषये। विऽमायं। त्वं। चक
र्थ। मनवे। स्योनान्। पथः। देवऽत्रा। अंजसाऽइव। यानान्। त्वं। एतानि। पप्रिषे। वि।

प० अ० ७ नाम । ईशानः । इंद्र । दधिषे । गभस्तौ । अनु । त्वा । देवाः । शवसा । मदंति । उपरिऽबु
ध्नान् । वनिनः । चकर्थ । चक्रं । यत् । अस्य । अप्ऽसु । आ । निऽसत्तं । उतो इति ।
२९ तत् । अस्मै । मधु । इत् । चच्छद्यात् । पृथिव्यां । अतिऽसितं । यत् । ऊधः । पयः । गो
षु । अदधाः । ओषधीषु । अश्वात् । इयाय । इति । यत् । वदंति । ओजसः । जातं । उत ।
मन्ये । एनं । मन्योः । इयाय । हर्म्येषु । तस्थौ । यतः । प्रऽजज्ञे । इंद्रः । अस्य । वेद । वयः ।
सुऽपर्णाः । उप । सेदुः । इंद्रं । प्रियऽमेधाः । ऋषयः । नाधमानाः । अप । ध्वांतं । ऊर्णु
हि । पूर्द्धि । चक्षुः । मुमुग्धि । अस्मान् । निधयाऽइव । बद्धान् ॥ ४ ॥ वसूनां । वा । हेरंब
चर्कृषे । इयक्षन् । धिया । वा । यज्ञैः । वा । रोदस्योः । अर्वंतः । वा । ये । रयिऽमंतः । सा २९
तौ । वनुं । वा । ये । सुऽश्रुणं । सुऽश्रुतः । धुरिति धुः । हवः । एषां । असुरः । नक्षत ।

द्यां । श्रवस्यता । मनसा । निंसत । क्षां । चक्षाणाः । यत्र । सुविताय । देवाः । द्यौः । न ।
वारेभिः । कृणवंत । स्वैः । इयं । एषां । अमृतानां । गीः । सर्वऽताता । ये । कृपणंत ।
रत्नं । धियं । च । यज्ञं । च । साधंतः । ते । नः । धांतु । वसव्यं । असामि । आ । तत् । ते ।
इंद्र । आयवः । पनंत । अभि । ये । ऊर्वं । गोऽमंतं । तितृत्सान् । सकृत्ऽस्वं । ये । पु
रुऽपुत्रां । महीं । सहस्रऽधारां । बृहतीं । दुधुक्षन् । शचीऽवः । इंद्रं । अवसे । कृण
ध्वं । अनानतं । दमयंतं । पृतन्यून् । ऋभुक्षणं । मघऽवानं । सुऽवृक्तिं । भर्ता । यः ।
वज्रं । नर्यं । पुरुक्षुः । यत् । ववाने । पुरुऽतमं । पुराषाट् । आ । वृत्रऽहा । इंद्रः । ना
मानि । अप्राः । अचेति । प्रऽसहः । पतिः । तुविष्मान् । यत् । ईं । उश्मसि । कर्तवे ।
करत् । तत् ॥ ५ ॥ प्र । सु । वः । आपः । महिमानं । उत्ऽतमं । कारुः । वोचाति ॥

प॰अ॰२ सदने। विवस्वतः। प्र। सप्तऽसप्त। त्रेधा। हि। चक्रमुः। प्र। सृत्वरीणां। अति। सिं
३० धुः। ओजसा। प्र। ते। अरदत्। वरुणः। यातवे। पथः। सिंधोइति। यत्। वाजा
न्। अभि। अद्रवः। त्वं। भूम्याः। अधि। प्रऽवता। यासि। सानुना। यत्। एषां। अ
ग्रं। जगतां। इरज्यसि। दिवि। स्वनः। यतते। भूम्यां। उपरि। अनंतं। शुष्मं। उत्। इ
यर्ति। भानुना। अभ्रात्ऽइव। प्र। स्तनयंति। वृष्टयः। सिंधुः। यत्। एति। वृष
भः। न। रोरुवत्। अभि। त्वा। सिंधोइति। शिशुं। इत्। न। मातरः। वाश्राः। अर्ष
ति। पयसाऽइव। धेनवः। राजाऽइव। युध्वा। नयसि। त्वं। इत्। सिचौ। यत्। आ हेरंब
सां। अग्रं। प्रऽवतां। इनक्षसि। इमं। मे। गंगे। यमुने। सरस्वति। शुतुद्रि। स्तोमं। ३०
सचत। परुष्णि। आ। असिक्न्या। मरुत्ऽवृधे। वितस्तया। आर्जीकीये। शृ

णुहि। आ। सुऽसोमया॥ ५ ॥ तृष्टऽअमया। प्रथमं। यातवे। सऽजूः। सुऽसर्त्वा
। रसया। श्वेत्या। त्या। त्वं। सिंधोइति। कुभया। गोऽमतीं। क्रुमुं। मेहत्न्वा। सऽर
थं। याभिः। ईयसे। ऋजीती। एनी। रुशती। महित्वा। परि। ज्रयांसि। भरते। र 5
जांसि। अदब्धा। सिंधुः। अपसां। अपःऽतमा। ~~परि। ज्रयांसि। भरते~~ अ
श्वा। न। चित्रा। वपुषीऽइव। दर्शता। सुऽअश्वा। सिंधुः। सुऽरथा। सुऽवासाः। हि
रण्ययी। सुऽकृता। वाजिनीऽवती। ऊर्णाऽवती। युवतिः। सीलमाऽवती। उत। अ
धि। वस्ते। सुऽभगा। मधुऽवृधं। सुऽखं। रथं। युयुजे। सिंधुः। अश्विनं। तेन॥
वाजं। सनिषत्। अस्मिन्। आजौ। महान्। हि। अस्य। महिमा। पनस्यते।
अदब्धस्य। स्वऽयशसः। विऽरप्शिनः॥ ७ ॥ आ। नः। ऋंजसे। ऊर्जां। विऽ

प॰अ॰३ उष्टिषु । इंद्रं । मरुतः । रोदसीइति । अनक्तन । उभेइति । यथा । नः । अहनीइति ।
३१ सचाऽभुवा । सदःऽसदः । वरिवस्यातः । उत्ऽभिदा । तत् । ऊँइति । श्रेष्ठं । सव
नं । सुनोतन । अत्यः । न । हस्तऽयतः । अद्रिः । सोतरि । विदत् । हि । अर्यः । अ
भिऽभूति । पौंस्यं । महः । राये । चित् । तरुते । यत् । अर्वतः । तत् । इत् । हि ।
अस्य । सवनं । विवेः । अपः । यथा । पुरा । मनवे । गातुं । अश्रेत् । गोऽअर्णसि ।
त्वाष्ट्रे । अश्वऽनिर्निजि । प्र । ईं । अध्वरेषु । अध्वरान् । अशिश्रयुः । अप । ह
त । रक्षसः । भंगुरऽवतः । स्कभायत । निःऽऋतिं । सेधत । अमतिं । आ । नः । हेरंब
रयिं । सर्वऽवीरं । सुनोतन । देवऽअव्यं । भरत । श्लोकं । अद्रयः । दिवः । चित् । ३१
आ । वः । अमवत्ऽतरेभ्यः । विभ्वना । चित् । आश्वपःऽतरेभ्यः । वायोः ।

चित् । आ । सोमरपःऽतरेभ्यः । अग्नेः । चित् । अर्च । पितुकृत्ऽतरेभ्यः ॥ ४ ॥
भुरंतु । नः । यशसः । सोतु । अंधसः । ग्रावाणः । वाचा । दिविता । दिवित्मता ।
नरः । यत्र । दुहते । काम्यं । मधु । आऽघोषयंतः । अभितः । मिथःऽतुरः ।
सुन्वंति । सोमं । रथिरासः । अद्रयः । निः । अस्य । रसं । गोऽइषः । दुहंति ।
ते । दुहंति । ऊधः । उपऽसेचनाय । कं । नरः । हव्या । न । मर्जयंते । आसऽभिः ।
एते । नरः । सुऽअपसः । अभूतन । ये । इंद्राय । सुनुथ । सोमं । अद्रयः । वामं ।
वामं । वः । दिव्याय । धाम्ने । वसुऽवसु । वः । पार्थिवाय । सुन्वते ॥ ८ ॥ अभ्रऽ
प्रुषः । न । वाचा । प्रुष । वसु । हविष्मंतः । न । यज्ञाः । विऽजानुषः । सुऽमारुतं ।
न । ब्रह्माणं । अर्हसे । गणं । अस्तोषि । एषां । न । शोभसे । श्रिये । मर्यासः ।

प॰अ॰२
३२

अंजीन्। अकृण्वत। सुऽमारुतं। न। पूर्वीः। अति। क्षपः। दिवः। पुत्रासः। ए
ताः। न। येतिरे। आदित्यासः। ते। अक्राः। न। ववृधुः। प्र। ये। दिवः। पृथिव्याः
। न। बर्हणा। त्मना। रिरिच्रे। अभ्रात्। न। सूर्यः। पाजस्वंतः। न। वीराः। पन
स्यवः। रिशादसः। न। मर्याः। अभिऽद्यवः। युष्माकं। बुध्ने। अपां। न। याम
नि। विथुर्यति। न। मही। श्रथर्यति। विश्वऽप्सुः। यज्ञः। अर्वाक्। अयं। सु।
वः। प्रयस्वंतः। न। सत्राचः। आ। गत। यूयं। धूःऽसु। प्रऽयुजः। न। रश्मिऽभिः।
ज्योतिष्मंतः। न। भासा। विऽउष्टिषु। श्येनासः। न। स्वऽयशसः। रिशाद हेरंब
सः। प्रवासः। न। प्रऽसितासः। परिऽप्रुषः॥ १०॥ प्र। यत्। वहध्वे। मरु ३२
तः। पराकात्। यूयं। महः। संऽवरणस्य। वस्वः। विदासः। वसवः। रा
ना

ध्यस्य। आरात्। चित्। द्वेषः। सनुतः। युयोत। यः। उत्ऽऋचि। यज्ञे। अध्वरेऽ
स्थाः। मरुत्ऽभ्यः। न। मानुषः। ददाशत्। रेवत्। सः। वयः। दधते। सुऽवीरं। सः
। देवानां। अपि। गोऽपीथे। अस्तु। ०। आदित्येन। नाम्ना। शंऽभविष्ठाः। ते।
नः। अवंतु। रथऽतूः। मनीषां। महः। च। यामन्। अध्वरे। चकानाः॥ ११॥
विप्रासः। न। मन्मऽभिः। सुऽआध्यः। देवऽअव्यः। न। यज्ञैः। सुऽअप्नसः।
राजानः। न। चित्राः। सुऽसंदृशः। क्षितीनां। न। मर्याः। अरेपसः। अग्निः
न। ये। भ्राजसा। रुक्मऽवक्षसः। वातासः। न। स्वऽयुजः। सद्यःऽऊतयः। प्रऽ
ज्ञातारः। न। ज्येष्ठाः। सुऽनीतयः। सुऽशर्माणः। न। सोमाः। ऋतं। यते। वा
तासः। न। ये। धुनयः। जिगत्नवः। अग्नीनां। न। जिह्वाः। विऽरोकिणः॥

प॰अ॰२ नर्मण्ऽवंतः । न । योधाः । शिमीऽवंतः । पितृणां । न । शंसाः । सुऽरातयः । रथानां ।
३२ न । ये । अराः । सऽनाभयः । जिगीवांसः । न । शूराः । अभिऽद्यवः । वरेऽयवः । न ।
मर्याः । घृतऽप्रुषः । अभिऽस्वर्तारः । अर्कं । न । सुऽस्तुभः । अश्वासः । न । ये ।
ज्येष्ठासः । आशवः । दिधिषवः । न । रथ्यः । सुऽदानवः । आपः । न । निम्नैः । उदऽ
भिः । जिगत्नवः । विश्वऽरूपाः । अंगिरसः । न । सामऽभिः ॥ १२ ॥ ग्रावाणः । न ।
सूरयः । सिंधुऽमातरः । आऽदर्दिरासः । अद्रयः । न । विश्वहा । शिशूलाः ।
न । क्रीळयः । सुऽमातरः । महाऽग्रामः । न । यामन् । उत । त्विषा । उषसां । न । केत हेरंब
वः । अध्वरऽश्रियः । शुभंऽयवः । न । अंजिऽभिः । वि । अश्वितन् । सिंधवः । न । य ३२
यियः । भ्राजत्ऽऋष्टयः । पराऽवतः । न । योजनानि । ममिरे । सुऽभागान् । नः ।

देवाः । कृणुत । सुऽरत्नान् । अस्मान् । स्तोतॄन् । मरुतः । वावृधानाः । ० गात । स
नात् । हि । वः । रत्नऽधेयानि । संति ॥ १३ ॥ अपश्यं । अस्य । महतः । महिऽत्वं । अ
मर्त्यस्य । मर्त्यासु । विक्षु । नाना । हनू इति । विभृते इति विऽभृते । सं । भरेते इति ।
असिन्वती इति । बप्सती इति । भूरि । अत्तः । गुहा । शिरः । निऽहितं । ऋधक् ।
अक्षी इति । असिन्वन् । अत्ति । जिह्वया । वनानि । अत्राणि । अस्मै । पत्ऽभिः ।
सं । भरंति । उत्तानऽहस्ताः । नमसा । अधि । विक्षु । प्र । मातुः । प्रऽतरं । गुह्यं । इ
च्छन् । कुमारः । न । वीरुधः । सर्पत् । उर्वीः । ससं । न । पक्वं । अविदत् । शुचंतं ।
रिरिह्वांसं । रिपः । उपऽस्थे । अंतरिति । वां । ऋतं । रोदसी इति । प्र । ब्रवीमि ।
जायमानः । मातरा । गर्भः । अत्ति । न । अहं । देवस्य । मर्त्यः । चिकेत । अग्निः ।
ति ।

प॰ च॰ ३ अंग । विऽचेताः । सः । प्रऽचेताः । यः । अस्मै । अन्नं । तृषु । आऽदधाति । आ
३८ ज्यैः । घृतैः । जुहोति । पुष्यति । तस्मै । सहस्रं । अक्षऽभिः । वि । चक्षे । अग्ने । वि
श्वतः । प्रत्यङ् । असि । त्वं । किं । देवेषु । त्यजः । एनः । चकर्थ । अग्ने । पृच्छामि ।
नु । त्वां । अविद्वान् । अक्रीळन् । क्रीळन् । हरिः । अत्तवे । अदन् । वि । पर्वऽशः ।
चकर्त । गांऽइव । असिः ॥ विषूचः । अश्वान् । युयुजे । वनेऽजाः । ऋजीतिऽभिः ।
रशनाभिः । गृभीतान् । चक्षदे । मित्रः । वसुऽभिः । सुऽजातः । सं । आनृधे । हेरंब
पर्वऽभिः । ववृधानः ॥ १४ ॥ अग्निः । सप्तिं । वाजंऽभरं । ददाति । अग्निः । वी ३८
रं । श्रुत्यं । कर्मनिःऽस्थां । अग्निः । रोदसी इति । वि । चरत् । संऽअंजन् । अग्निः ।
नारीं । वीरऽकुक्षिं । पुरंऽधिं ॥ अग्नेः । अप्नसः । सं । इत् । अस्तु । भद्रा । अग्निः ।

अग्निः । मही इति । रोदसी इति । आ । विवेश । अग्निः । एकं । चोदयत् । समतऽ
सु । अग्निः । वृत्राणि । दयते । पुरूणि ॥ अग्निः । ह । त्यं । जरतः । कर्णं । आव । अ
ग्निः । अत्ऽभ्यः । निः । अदहत् । जरूथं । अग्निः । अत्रिं । घर्मे । उरुष्यत् । अंतः ।
अग्निः । नृऽमेधं । प्रऽजया । असृजत् । सं ॥ अग्निः । दात् । द्रविणं । वीरऽपेशाः । अ
ग्निः । ऋषिं । यः । सहस्रा । सनोति । अग्निः । दिवि । हव्यं । आ । ततान । अग्नेः । धा
मानि । विऽभृता । पुरुऽत्रा ॥ अग्निं । उक्थैः । ऋषयः । वि । ह्वयंते । अग्निं । नरः । या
मनि । बाधितासः । अग्निं । वयः । अंतरिक्षे । पतंतः । अग्निः । सहस्रा । परि ।
याति । गोनां ॥ अग्निं । विशः । ईळते । मानुषीः । याः । अग्निं । मनुषः । नहुषः ।
वि । जाताः ॥ अग्निः । गांधर्वीं । पथ्यां । ऋतस्य । अग्नेः । गव्यूतिः । घृते । आ ।

पं॰ ऋ॰ २ निऽसत्ता । अग्नये । ब्रह्म । ऋभवः । ततक्षुः । अग्निं । महां । अवोचाम । सुऽवृक्तिं ।
३५ अग्ने । प्र । अव । जरितारं । यविष्ठ ॥०॥१५॥ यः । इमा । विश्वा । भुवनानि । जुह्वत् ।
ऋषिः । होता । नि । असीदत् । पिता । नः । सः । आऽशिषा । द्रविणं । इच्छमानः । प्रथ
मऽछत् । अवरान् । आ । विवेश । किं । स्वित् । आसीत् । अधिऽस्थानं । आऽरंभ
णं । कतमत् । स्वित् । कथा । आसीत् । यतः । भूमिं । जनयन् । विश्वऽकर्मा । वि ।
द्यां । और्णोत् । महिना । विश्वऽचक्षाः । विश्वतःऽचक्षुः । उत । विश्वतःऽमुखः हेरंब
। विश्वतःऽबाहुः । उत । विश्वतःऽपात् । सं । बाहुऽभ्यां । धमति । सं । पतत्रैः । द्या ३५
वाभूमीइति । जनयन् । देवः । एकः ॥०॥ मनीषिणः । मनसा । पृच्छत । इत् । ऊंइ
ति । तत् । यत् । अधिऽअतिष्ठत् । भुवनानि । धारयन् । या । ते । धामानि । परमा

णि । या । अवमा । या । मध्यमा । विश्वऽकर्मन् । उत । इमा । शिक्ष । सखिऽभ्यः । हविषि ।
स्वधाऽवः । स्वयं । यजस्व । तन्वं । वृधानः । विश्वऽकर्मन् । हविषा । ववृधानः । स्वयं । य
जस्व । पृथिवीं । उत । द्यां । मुह्यंतु । अन्ये । अभितः । जनासः । इह । अस्माकं । मघऽवा ।
सूरिः । अस्तु । वाचः । पतिं । विश्वऽकर्माणं । ऊतये । मनःऽजुवं । वाजे । अद्य । हुवेम ॥
सः । नः । विश्वानि । हवनानि । जोषत् । विश्वऽशंभूः । अवसे । साधुऽकर्मा ॥ १६ ॥
चक्षुषः । पिता । मनसा । हि । धीरः । घृतं । एनेइति । अजनत् । नम्नमानेइति । यदा ।
इत् । अंताः । अदृहंत । पूर्वे । आत् । इत् । द्यावापृथिवीइति । अप्रथेतां । विश्वऽक
र्मा । विऽमनाः । आत् । विऽहाया । धाता । विऽधाता । परमा । उत । संऽदृक् । तेषां । इष्टा
नि । सं । इषा । मदंति । यत्र । सप्तऽऋषीन् । परः । एकं । आहुः । यः । नः । पिता । जनिता ।

आ।२

प॰अ॰२ ३८ यः। विऽधाता। धामानि। वेद। भुवनानि। विश्वा। यः। देवानां। नामऽधाः। एकः। एव।
तं। संऽप्रश्नं। भुवना। यंति। अन्या। ते। आ। अयजंत। द्रविणं। सं। अस्मै। ऋषयः। पूर्वे।
जरितारः। न। भूना। असूर्ते। सूर्ते। रजसि। निऽसत्ते। ये। भूतानि। संऽअकृण्वन्।
इमानि। परः। दिवा। परः। एना। पृथिव्या। परः। देवेभिः। असुरैः। यत्। अस्ति। कं।
स्वित्। गर्भं। प्रथमं। दध्रे। आपः। यत्र। देवाः। संऽअपश्यंत। विश्वे। तं। इत्। ०।
संऽअगच्छंत। विश्वे। अजस्य। नाभौ। अधि। एकं। अर्पितं। यस्मिन्। विश्वानि। भुव
नानि। तस्थुः। न। तं। विदाथ। यः। इमा। जजान। अन्यत्। युष्माकं। अंतरं। बभूव। १ हेरंब
नीहारेण। प्रावृताः। जल्प्या। च। असुऽतृपः। उक्थऽशासः। चरंति। १७। यः। ते। ३८
मन्यो इति। अविधत्। वज्र। सायक। सहः। ओजः। पुष्यति। विश्वं। आनुषक्।

सह्याम। दासं। आर्यं। त्वया। युजा। सहःऽकृतेन। सहसा। सहस्वता। मन्युः। इं
द्रः। मन्युः। एव। आस। देवः। मन्युः। होता। वरुणः। जातऽवेदाः। मन्युं। विशः। ईळते। मा
नुषीः। याः। पाहि। नः। मन्यो इति। तपसा। सऽजोषाः। अभि। इहि। मन्यो इति। तव
सः। तवीयान्। तपसा। युजा। वि। जहि। शत्रून्। अमित्रऽहा। वृत्रऽहा। दस्युऽहा।
च। विश्वा। वसूनि। आ। भर। त्वं। नः। त्वं। हि। मन्यो इति। अभिभूतिऽओजाः। स्व
यंऽभूः। भामः। अभिमातिऽसहः। विश्वऽचर्षणिः। सहुरिः। सहावान्। अस्मासु।
ओजः। पृतनासु। धेहि। अभागः। सन्। अप। पराऽइतः। अस्मि। तव। क्रत्वा। त
विषस्य। प्रचेत इति प्रऽचेतः। तं। त्वा। मन्यो इति। अक्रतुः। जिहीळ। अहं। स्वा।
तनूः। बलऽदेयाय। मा। आ। इहि। अयं। ते। अस्मि। उप। मा। आ। इहि। अर्वाङ्।

प॰अ॰३
३७

प्रतीचीनः। सहुरे। विश्वऽधायः। मन्यो इति। वज्रिन्। अभि। मां। आ। ववृत्स्व। हना
वऽदस्यून्। उत। बोधि। आपेः। अभि। प्र। इहि। दक्षिणतः। भव। मे। अध। वृत्राणि।
जंघनाव। भूरि। जुहोमि। ते। धरुणं। मध्वः। अग्रं। उभौ। उपऽअंशु। प्रथमा। पिबा
व॥ ११॥ त्वया। मन्यो इति। सऽरथं। आऽरुजंतः। हर्षमाणासः। धृषिताः। मरु
त्वः। तिग्मऽइषवः। आयुधा। संऽशिशानाः। अभि। प्र। यंतु। नरः। अग्निऽरूपाः।
अग्निःऽइव। मन्यो इति। त्विषितः। सहस्व। सेनाऽनीः। नः। सहुरे। हूतः। एधि।
हत्वाय। शत्रून्। वि। भजस्व। वेदः। ओजः। मिमानः। वि। मृधः। नुदस्व। सहस्व। हेरंब
मन्यो इति। अभिऽमातिं। अस्मे इति। रुजन्। मृणन्। प्रऽमृणन्। प्र। इहि। १९
शत्रून्। उग्रं। ते। पाजः। ननु। आ। रुरुध्रे। वशी। वशं। नयसे। एकऽजा। त्वं। एका।

बहूनां। असि। मन्यो इति। ईळितः। विशंऽविशं। युधये। सं। शिशाधि। अकृ
तऽरुक्। त्वया। युजा। वयं। द्युऽमंतं। घोषं। विऽजयाय। कृण्महे। विजेषऽकृत्।
इंद्रःऽइव। अनवऽब्रवः। अस्माकं। मन्यो इति। अधिऽपाः। भव। इह। प्रियं।
ते। नाम। सहुरे। गृणीमसि। ०। आऽबभूथ। आऽभूत्या। सहऽजाः। वज्र।
सायक। सहः। बिभर्षि। अभिऽभूते। उत्ऽतरं। क्रत्वा। नः। मन्यो इति। सह।
मेदी। एधि। महाऽधनस्य। पुरुऽहूत। संऽसृजि। संऽसृष्टं। धनं। उभयं। संऽआ
कृतं। अस्मभ्यं। दत्तां। वरुणः। च। मन्युः। भियं। दधानाः। हृदयेषु। शत्रवः।
पराऽजितासः। अप। नि। लयंतां॥ १९॥ सत्येन। उत्तभिता। भूमिः। सूर्येण।
उत्तभिता। द्यौः। ऋतेन। आदित्याः। तिष्ठंति। दिवि। सोमः। अधि। श्रितः। सो

प॰अ॰३ ३८ मेन। आदित्याः। बलिनः। सोमेन। पृथिवी। मही। अथो इति। नक्षत्राणां। एषां।
उपऽस्थे। सोमः। आऽहितः। सोमं। मन्यते। पपिऽवान्। यत्। संऽपिंषंति। ओष
धिं। सोमं। यं। ब्रह्माणः। विदुः। न। तस्य। अश्नाति। कः। चन। आच्छत्ऽविधानैः।
गुपितः। बार्हतैः। सोम। रक्षितः। ग्राव्णां। इत्। शृण्वन्। तिष्ठसि। न। ते। अश्ना
ति। पार्थिवः। यत्। त्वा। देव। प्रऽपिबंति। ततः। आ। प्यायसे। पुनरिति। वायुः।
सोमस्य। रक्षिता। समानां। मासः। आऽकृतिः। ५ २०॥ रैभी। आसीत्। अनुऽ
देयी। नाराशंसी। निऽओचनी। सूर्यायाः। भद्रं। इत्। वासः। गाथया। एति। हेरंब ३८
परिऽकृतं। चित्तिः। आः। उपऽबर्हणं। चक्षुः। आः। अभिऽअंजनं। द्यौः। भूमिः।
कोशः। आसीत्। यत्। अयात्। सूर्या। पतिं। स्तोमाः। आसन्। प्रतिऽधयः।

कुरीरं। छंदः। ओपशः। सूर्यायाः। अश्विना। वरा। अग्निः। आसीत्। पुरःऽगवः।
सोमः। वधूऽयुः। अभवत्। अश्विना। आस्तां। उभा। वरा। सूर्यां। यत्। पत्ये।
शंसंतीं। मनसा। सविता। अददात्। मनः। अस्याः। अनः। आसीत्। द्यौः। आ-
सीत्। उत। छदिः। शुक्रौ। अनड्वाहौ। आस्तां। ०। गृहं॥ २१॥ ऋक्ऽसामाभ्यां।
अभिऽहितौ। गावौ। ते। सामनौ। इतः। श्रोत्रं। ते। चक्रे इति। आस्तां। दिवि।
पंथाः। चराचरः। शुची इति। ते। चक्रे इति। यात्याः। विऽआनः। अक्षः। आऽ
हतः। अनः। मनस्मयं। सूर्या। आ। अरोहत्। प्रऽयती। पतिं। सूर्यायाः। व
हतुः। प्र। अगात्। सविता। यं। अवऽअसृजत्। अघासु। हन्यंते। गावः। अ
र्जुन्योः। परि। उह्यते। यत्। अश्विना। पृच्छमानौ। अयातं। त्रिऽचक्रेण। वह

प॰अ॰२ तं । सूर्यायाः । विश्वे । देवाः । अनु । तत् । वां । अजानन् । पुत्रः । पितरौ । अवृणी
३९ त । पूषा । यत् । अयातं । शुभः । पतीइति । वरेऽयं । सूर्यां । उप । क्व । एकं । चक्रं ।
वां । आसीत् । क्व । देष्ट्राय । तस्थथुः ॥ २२ ॥ द्वे इति । ते । चक्रेइति । सूर्ये । ब्रह्माणः ।
ऋतुऽथा । विदुः । अथ । एकं । चक्रं । यत् । गुहा । तत् । अद्धातयः । इत् । विदुः ।
सूर्यायै । देवेभ्यः । मित्राय । वरुणाय । च । ये । भूतस्य । प्रऽचेतसः । इदं । तेभ्यः
। अकरं । नमः । पूर्वऽअपरं । चरतः । मायया । एतौ । शिशूइति । क्रीळन्तौ ।
परि । यातः । अध्वरं । विश्वानि । अन्यः । भुवना । अभिऽचष्टे । ऋतून् । अन्यः हेरंब
विऽदधत् । जायते । पुनरिति । नवःऽनवः । भवति । जायमानः । अह्नां । केतुः । ३९
उषसां । एति । अग्रं । भागं । देवेभ्यः । वि । दधाति । आ । यन् । प्र । चंद्रमाः । ति

रते । दीर्घं । आयुः । सुऽकिंशुकं । शल्मलिं । विश्वऽरूपं । हिरण्यऽवर्णं । सुऽ
वृतं । सुऽचक्रं । आ । रोह । सूर्ये । अमृतस्य । लोकं । स्योनं । पत्ये । वहतुं । कृणुष्व ।
॥ २२ ॥ उत् । ईर्ष्व । अतः । पतिऽवती । हि । एषा । विश्वऽवसुं । नमसा । गीःऽभिः
ईळे । अन्यां । इच्छ । पितृऽसदं । विऽअक्तां । सः । ते । भागः । जनुषा । तस्य । विद्धि । वि
श्वऽवसोइति विश्वऽवसो । नमसा । ईळामहे । त्वा । अन्यां । इच्छ । प्रऽफर्व्यं । सं ॥
जायां । पत्या । सृज । अनृक्षराः । ऋजवः । संतु । पंथाः । येभिः । सखायः । यंति । नः ।
वरेऽयं । सं । अर्यमा । सं । भगः । नः । निनीयात् । सं । जाःपत्यं । सुऽयमं । अस्तु । देवाः ।
प्र । त्वा । मुंचामि । वरुणस्य । पाशात् । येन । त्वा । अबध्नात् । सविता । सुऽशेवः ।
ऋतस्य । योनौ । सुऽकृतस्य । लोके । अरिष्टां । त्वा । सह । पत्या । दधामि । प्र ।

प०अ०२ इतः। मुंचामि। न। अमुतः। सुऽबद्धां। अमुतः। करं। यथा। इयं। इंद्र। मीढ्वः। सुऽ
४० पुत्रा। सुऽभगा। असति॥ २४॥ पूषा। त्वा। इतः। नयतु। हस्तऽगृह्य। अश्विना।
त्वा। प्र। वहतां। रथेन। गृहान्। गच्छ। गृहऽपत्नी। यथा। असः। वशिनी। त्वं॥
विदथं। आ। वदासि। इह। प्रियं। प्रऽजायै। ते। सं। ऋध्यतां। अस्मिन्। गृहे।
गार्हऽपत्याय। जागृहि। एना। पत्या। तन्वं। सं। सृजस्व। अध। जिव्री। इति। विद
थं। आ। वदासि॥ नीलऽलोहितं। भवति। कृत्या। आसक्तिः। वि। अज्यते। ए
धंते। अस्याः। ज्ञातयः। पतिः। बंधेषु। बध्यते। परा। देहि। शामुल्यं। ब्रह्मऽ हेरंब
भ्यः। वि। भज। वसु। कृत्या। एषा। पत्ऽवती। भूत्वी। आ। जाया। विशते। पतिं। ४०
अश्रीरा। तनूः। भवति। रुशती। पापया। अमुया। पतिः। यत्। वध्वः। वाससा।

स्वं। अंगं। अभिऽधित्सते॥ २५॥ ये। वध्वः। चंद्रं। वहतुं। यक्ष्माः। यंति। जनात्।
अनु। पुनः। इति। तान्। यज्ञियाः। देवाः। नयंतु। यतः। आऽगताः॥ मा। विदन्। परिऽ
पंथिनः। ये। आऽसीदंति। दंपती इति दंऽपती। सुऽगेभिः। दुःऽगं। अति। इतां।
अप। द्रांतु। अरातयः॥ सुऽमंगलीः। इयं। वधूः। इमां। संऽएत। पश्यत। सौ
भाग्यं। अस्यै। दत्वाय। अथ। अस्तं। वि। परा। इतन॥ तृष्टं। एतत्। कटुकं।
एतत्। अपाष्ठऽवत्। विषऽवत्। न। एतत्। अत्तवे। सूर्यां। यः। ब्रह्मा। विद्या
त्। सः। इत्। वाधूऽयं। अर्हति॥ आऽशसनं। विऽशसनं। अथो इति। अधिऽ
विकर्तनं। सूर्यायाः। पश्य। रूपाणि। तानि। ब्रह्मा। तु। शुंधति॥ २६॥ गृभ्णा
मि। ते। सौभगऽत्वाय। हस्तं। मया। पत्या। जरत्ऽअष्टिः। यथा। असः। भगः।
अर्यमा। सविता। पुरंऽधिः। मह्यं। त्वा। अदुः। गार्हऽपत्याय। देवाः। तां॥

प॰अ॰३ पूषन्।शिवऽतमां।आ।ईरयस्व।यस्यां।बीजं।मनुष्याः।वपंति।या।नः।ऊरू
इति।उशती।विऽश्रयाति।यस्यां।उशंतः।प्रऽहराम।शेपं।तुभ्यं।अग्रे।परि।
४१ अवहन्।सूर्यां।वहतुना।सह।पुनरिति।पतिऽभ्यः।जायां।दाः।अग्ने।प्रऽज
या।सह।पुनरितिपत्नीं।अग्निः।अदात्।आयुषा।सह।वर्चसा।दीर्घऽआ
युः।अस्याः।यः।पतिः।जीवाति।शरदः।शतं।सोमः।प्रथमः।विविदे।गं
धर्वः।विविदे।उत्ऽतरः।तृतीयः।अग्निः।ते।पतिः।तुरीयः।ते।मनुष्यऽजाः
॥२७॥सोमः।ददत्।गंधर्वाय।गंधर्वः।ददत्।अग्नये।रयिं।च।पुत्रान्। हेरंब
च।अदात्।अग्निः।मह्यं।अथो इति।इमां।इह।एव।स्तं।मा।वि।यौष्टं। ४१
विश्वं।आयुः।वि।अश्नुतं।क्रीळंतौ।पुत्रैः।नप्तृऽभिः।मोदमानौ।स्वे।गृ

हे।आ।नः।प्रऽजां।जनयतु।प्रजाऽपतिः।आऽजरसाय।सं।अनक्तु।अर्यमा।अ
दुःऽमंगलीः।पतिऽलोकं।आ।विश।०।अघोरऽचक्षुः।अपतिऽघ्नी।एधि।
शिवा।पशुऽभ्यः।सुऽमनाः।सुऽवर्चाः।वीरऽसूः।देवऽकामा।स्योना।०।इमां।
त्वं।इंद्र।मीढ्वः।सुऽपुत्रां।सुऽभगां।कृणु।दश।अस्यां।पुत्रान्।आ।धेहि।
पतिं।एकादशं।कृधि।संऽराज्ञी।श्वशुरे।भव।संऽराज्ञी।श्वश्र्वां।भव।
ननांदरि।संऽराज्ञी।भव।संऽराज्ञी।अधि।देवृषु।सं।अंजंतु।विश्वे।देवाः।
सं।आपः।हृदयानि।नौ।सं।मातरिश्वा।सं।धाता।सं।ऊं इति।देष्ट्री।दधातु।नौ
॥२८॥इत्यष्टमाष्टके तृतीयोध्यायः॥ ॥हेरंब॥ ॥ओं३म्॥वि।हि।सोतोः।
असृक्षत।न।इंद्रं।देवं।अमंसत।यत्र।अमदत्।वृषाकपिः।अर्यः।पुष्टेषु।

प॰अ॰४ मत्ऽसखा। विश्वस्मात्। इंद्रः। उत्ऽतरः। परा। हि। इंद्र। धावसि। वृषाकपेः।
॥ ८२ ॥ अति। व्यथिः। नो इति। अह। प्र। विंदसि। अन्यत्र। सोमऽपीतये। ०। किं। अ
यं। त्वां। वृषाकपिः। चकार। हरितः। मृगः। यस्मै। इरस्यसि। इत्। ऊं इति।
नु। अर्यः। वा। पुष्टिऽमत्। वसु। ०। यं। इमं। त्वं। वृषाकपिं। प्रियं। इंद्र। अभिऽ
रक्षसि। श्वा। नु। अस्य। जंभिषत्। अपि। कर्णे। वराहऽयुः। ०। प्रिया। तष्टानि।
मे। कपिः। विऽअक्ता। वि। अदूदुषत्। शिरः। नु। अस्य। राविषं। न। सुऽगं। दुःऽ
कृते। भुवं। ०॥ १ ॥ न। मत्। स्त्री। सुभसत्ऽतरा। न। सुयाशुऽतरा। भुवत्। ॥ हेरंब ॥
न। मत्। प्रतिऽच्यवीयसी। न। सक्थि। उत्ऽयमीयसी। उवे। अंब। सुलाभि ॥ ८२ ॥
के। यथाऽइव। अंग। भविष्यति। भसत्। मे। अंब। सक्थि। मे। शिरः। मे। विऽ

इव। हृष्यति। ०। किं। सुबाहो इति सुऽबाहो। सुऽअंगुरे। पृथुस्तो इति पृथुऽस्तो।
पृथुऽजघने। किं। शूरऽपत्नि। नः। त्वं। अभि। अमीषि। वृषाकपिं। ०। अवीरांऽइ
व। मां। अयं। शरारुः। अभि। मन्यते। उत। अहं। अस्मि। वीरिणी। इंद्रऽपत्नी। म
रुत्ऽसखा। ०। सं। होत्रं। स्म। पुरा। नारी। समनं। वा। अव। गच्छति। वेधाः। ऋत
स्य। वीरिणी। इंद्रऽपत्नी। महीयते। ०॥ २ ॥ इंद्राणीं। आसु। नारिषु। सुऽभगां।
अहं। अश्रवं। नहि। अस्याः। अपरं। चन। जरसा। मरते। पतिः। ०। न। अहं। इंद्रा
णि। ररण। सख्युः। वृषाकपेः। ऋते। यस्य। इदं। अप्यं। हविः। प्रियं। देवेषु। ग
च्छति। ०। वृषाकपायि। रेवति। सुऽपुत्रे। आत्। ऊं इति। सुऽस्नुषे। घसत्। ते। इं
द्रः। उक्षणः। प्रियं। काचित्ऽकरं। हविः। ०। उक्ष्णः। हि। मे। पंचऽदश। साकं। प

प०अ०४ चंति। विंशतिं। अत्र। अहं। अद्मि। पीवः। इत्। उभा। कुक्षी इति। पृणंति। मे। ०। वृषभः।
॥४३॥ न। तिग्मऽशृंगः। अंतः। यूथेषु। रोरुवत्। मंथः। ते। इंद्र। शं। हृदे। यं। ते। सुनोति। भा
वयुः॥०॥३॥ न। सः। ईशे। यस्य। रंबते। अंतरा। सक्थ्या। कपृत्। सः। इत्। ईशे।
यस्य। रोमशं। निऽसेदुषः। विऽजृंभते। ०। अयं। इंद्र। वृषाकपिः। परस्वंतं। हतं।
विदत्। असिं। सूनां। नवं। चरुं। आत्। एधस्य। अनः। आऽचितं। ०। अयं। एमि। विऽ
चाकशत्। विऽचिन्वन्। दासं। आर्यं। पिबामि। पाकऽसुत्वनः। अभि। धीरं। अचा
कशं। ०। धन्व। च। यत्। कृंतत्रं। च। कति। स्वित्। ता। वि। योजना। नेदीयसः। वृषा हेरंव४
कपे। अस्तं। आ। इहि। गृहान्। उप। ०। पुनः। आ। इहि। वृषाकपे। सुविता। कल्पया ॥४३॥
वहै। यः। एषः। स्वप्नऽनंशनः। अस्तं। एषि। पथा। पुनः। ०। यत्। उदंचः। वृषाकपे।

गृहं। इंद्र। अजगंतन। क्व। स्यः। पुल्वघः। मृगः। कं। अगन्। जनऽयोपनः। ०। प
र्शुः। ह। नाम। मानवी। साकं। ससूव। विंशतिं। भद्रं। भल। त्यस्यै। अभूत्।
यस्याः। उदरं। आमयत्। ०॥४॥ रक्षःऽहनं। वाजिनं। आ। जिघर्मि। मित्रं।
प्रथिष्ठं। उप। यामि। शर्म। शिशानः। अग्निः। क्रतुऽभिः। संऽइद्धः। ०। अयःऽ
दंष्ट्रः। अर्चिषा। यातुऽधानान्। उप। स्पृश। जातऽवेदः। संऽइद्धः। आ। जिह्व
या। मूरऽदेवान्। रभस्व। क्रव्यऽअदः। वृक्त्वी। अपि। धत्स्व। आसन्। उभा।
उभयाविन्। उप। धेहि। दंष्ट्रा। हिंस्रः। शिशानः। अवरं। परं। च। उत। अंतरि
क्षे। परि। याहि। राजन्। जंभैः। सं। धेहि। अभि। यातुऽधानान्। यज्ञैः। इषूः।
संऽनममानः। अग्ने। वाचा। शल्यान्। अशनिऽभिः। दिहानः। ताभिः। विध्य।

प०अ०४ हृदये । यातुऽधानानां । प्रतीचः । बाहूना । प्रति । भंग्धि । एषां । अग्ने । त्वचं । यातुऽधा
नस्य । भिंधि । हिंस्रा । अशनिः । हरसा । हंतु । एनं । प्र । पर्वाणि । जातऽवेदः । शृ
॥ ४४ ॥ णीहि । क्रव्यऽअत् । क्रविष्णुः । वि । चिनोतु । वृक्णं ॥ ५ ॥ यत्र । इदानीं । पश्यसि ।
जातऽवेदः । तिष्ठंतं । अग्ने । उत । वा । चरंतं । यत् । वा । अंतरिक्षे । पथिऽभिः । पतं
तं । तं । अस्ता । विध्य । शर्वा । शिशानः । उत । आऽलब्धं । स्पृणुहि । जातऽवेदः ।
आऽलेभानात् । ऋष्टिऽभिः । यातुऽधानात् । अग्ने । पूर्वः । नि । जहि । शोशुचानः ।
आमऽअदः । क्ष्विंकाः । तं । अदंतु । एनीः ॥ इह । प्र । ब्रूहि । यतमः । सः । अग्ने । ॥ हेरंब ४४
यः । यातुऽधानः । यः । इदं । कृणोति । तं । आ । रभस्व । संऽइधा । यविष्ठ । नृऽच ॥ ४४ ॥
क्षसः । चक्षुषे । रंधय । एनं । तीक्ष्णेन । अग्ने । चक्षुषा । रक्ष । यज्ञं । प्रांचं । वसुऽ

भ्यः । प्र । नय । प्रचेत इति प्रऽचेतः । हिंस्रं । रक्षांसि । अभि । शोशुचानं । मा । त्वा । द
भन् । यातुऽधानाः । नृऽचक्षः । नृऽचक्षाः । रक्षः । परि । पश्य । विक्षु । तस्य । त्रीणि ।
प्रति । शृणीहि । अग्रा । तस्य । अग्ने । पृष्टीः । हरसा । शृणीहि । त्रेधा । मूलं । या
तुऽधानस्य । वृश्च ॥ ६ ॥ त्रिः । यातुऽधानः । प्रऽसितिं । ते । एतु । ऋतं । यः । अग्ने ।
अनृतेन । हंति । तं । अर्चिषा । स्फूर्जयन् । जातऽवेदः । संऽअक्षं । एनं । गृणते । नि ।
वृंग्धि । तत् । अग्ने । चक्षुः । प्रति । धेहि । रेभे । शफऽआरुजं । येन । पश्यसि । यातु
धानं । अथर्वऽवत् । ज्योतिषा । दैव्येन । सत्यं । धूर्वंतं । अचितं । नि । ओष । यत् । अ
ग्ने । अद्य । मिथुना । शपातः । यत् । वाचः । तृष्टं । जनयंत । रेभाः । मन्योः । मनसः ।
शरव्या । जायते । या । तया । विध्य । हृदये । यातुऽधानान् । परा । शृणीहि । तपसा ।

प०अ०७ यातुऽधानान् । परा । अग्ने । रक्षः । हरसा । शृणीहि । परा । अर्चिषा । मूरऽदेवान् ।
४५ शृणीहि । परा । असुऽतृपः । अभि । शोशुचानः ॥ परा । अद्य । देवाः । वृजिनं । शृणं-
तु । प्रत्यक् । एनं । शपथाः । यंतु । तृष्टाः ॥ वाचाऽस्तेनं । शरवः । ऋछंतु । मर्मन् । वि-
श्वस्य । एतु । प्रऽसितिं । यातुऽधानः ॥ ७ ॥ यः । पौरुषेयेण । क्रविषा । संऽअंक्ते ।
यः । अश्व्येन । पशुना । यातुऽधानः । यः । अघ्न्यायाः । भरति । क्षीरं । अग्ने । तेषां ।
शीर्षाणि । हरसा । अपि । वृश्च ॥ संवत्सरीणं । पयः । उस्रियायाः । तस्य । मा । अ-
शीत् । यातुऽधानः । नृऽचक्षः ॥ पीयूषं । अग्ने । यतमः । तितृप्सात् । तं । प्रत्यंचं । हेरंब४
अर्चिषा । विध्य । मर्मन् ॥ विषं । गवां । यातुऽधानाः । पिबंतु । आ । वृश्च्यंतां । अ- ४९
दितये । दुःऽएवाः ॥ परा । एनान् । देवः । सविता । ददातु । परा । भागं । ओषधीनां ।

जयंतां ॥ सनात् । अग्ने । मृणसि । यातुऽधानान् । न । त्वा । रक्षांसि । पृतनासु । जि-
ग्युः ॥ अनु । दह । सहऽमूरान् । क्रव्यऽअदः । मा । ते । हेत्याः । मुक्षत । दैव्यायाः ॥ त्वं ।
नः । अग्ने । अधरात् । उदक्तात् । त्वं । पश्चात् । उत । रक्ष । पुरस्तात् ॥ प्रति । ते । ते ।
अजरासः । तपिष्ठाः । अघऽशंसं । शोशुचतः । दहंतु ॥ ८ ॥ पश्चात् । पुरस्ता-
त् । अधरात् । उदक्तात् । कविः । काव्येन । परि । पाहि । राजन् ॥ सखे । सखायं । अ-
जरः । जरिम्णे । अग्ने । मर्तान् । अमर्त्यः । त्वं । नः ॥ परि । त्वा । अग्ने । पुरं । वयं । वि-
प्रं । सहस्य । धीमहि ॥ धृषत्ऽवर्णं । दिवेऽदिवे । हंतारं । भंगुरऽवतां ॥ विषेण । भं-
गुरऽवतः । प्रति । स्म । रक्षसः । दह । अग्ने । तिग्मेन । शोचिषा । तपुःऽअग्राभिः
। ऋष्टिऽभिः ॥ प्रति । अग्ने । मिथुना । दह । यातुऽधाना । किमीदिना ॥ सं । त्वा ।
शिशामि । जागृहि । अदब्धं । विप्र । मन्मऽभिः ॥ प्रति । अग्ने । हरसा । हरः । शृ-

प०अ०४ णीहि। विश्वतः। प्रति। यातुऽधानस्य। रक्षसः। बलं। वि। रुज। वीर्यं॥ ९॥ हृ
४६ विः। पान्तं। अजरं। स्वःऽविदि। दिविऽस्पृशि। आऽहुतं। जुष्टं। अग्नौ। तस्य। भर्मणे।
भुवनाय। देवाः। धर्मणे। कं। स्वधया। पप्रथंत। गीर्णं। भुवनं। तमसा। अपऽगू
ळ्हं। आविः। स्वः। अभवत्। जाते। अग्नौ। तस्य। देवाः। पृथिवी। द्यौः। उत। आपः। ऽ
अरणयन्। ओषधीः। सख्ये। अस्य। देवेभिः। नु। इषितः। यज्ञियेभिः। अग्निं।
स्तोषाणि। अजरं। बृहंतं। यः। भानुना। पृथिवीं। द्यां। उत। आऽततान। रोदसीइ हुमं॥
ति। अंतरिक्षं। यः। होता। आसीत्। प्रथमः। देवऽजुष्टः। यं। संऽआंजन्। आज्ये हेरंब४
न। वृणानाः। सः। पतत्रि। इत्वरं। स्थाः। जगत्। यत्। श्वात्रं। अग्निः। अकृणोत्। ४६
जातऽवेदाः। यत्। जातऽवेदः। भुवनस्य। मूर्द्धन्। अतिष्ठः। अग्ने। सह। रोच
नेन। तं। त्वा। अहेम। मतिऽभिः। गीःऽभिः। उक्थैः। सः। यज्ञियः। अभवः। रो

दसिऽप्राः॥ १०॥ मूर्धा। भुवः। भवति। नक्तं। अग्निः। ततः। सूर्यः। जायते। प्रातः।
उत्ऽयन्। मायां। ऊं इति। तु। यज्ञियानां। एतां। अपः। यत्। तूर्णिः। चरति। प्रऽजा
नन्। दृशेन्यः। यः। महिना। संऽइद्धः। अरोचत। दिविऽयोनिः। विभाऽवा। तस्मि
न्। अग्नौ। सूक्तऽवाकेन। देवाः। हविः। विश्वे। आ। अजुहवुः। तनूऽपाः। सूक्तऽ
वाकं। प्रथमं। आत्। इत्। अग्निं। आत्। इत्। हविः। अजनयंत। देवाः। सः। ए
षां। यज्ञः। अभवत्। तनूऽपाः। तं। द्यौः। वेद। तं। पृथिवी। तं। आपः। तं। आपः।
यं। देवासः। अजनयंत। अग्निं। यस्मिन्। आ। अजुहवुः। भुवनानि। विश्वा। सः।
अर्चिषा। ०। ऋजुऽयमानः। अतपत्। महिऽत्वा। स्तोमेन। हि। दिवि। देवासः।
अग्निं। अजीजनन्। शक्तिऽभिः। रोदसिऽप्रां। तं। ऊं इति। अकृण्वन्। त्रेधा। भुवे।
कं। सः। ओषधीः। पचति। विश्वऽरूपाः॥ ११॥ यदा। इत्। एनं। अदधुः। य

न

॥ प०अ०४ ॥ यज्ञियासः । दिवि । देवाः । सूर्यं । आदितेयं । यदा । चरिष्णू इति । मिथुनौ । अभूतां । आ
त् । इत् । प्र । अपश्यन् । भुवनानि । विश्वा ॥ विश्वस्मै । अग्निं । भुवनाय । देवाः । वै
॥ ४७ ॥ श्वानरं । केतुं । अह्नां । अकृण्वन् । आ । यः । ततान । उषसः । विऽभातीः । अपो इ
ति । ऊर्णोति । तमः । अर्चिषा । यन् ॥ वैश्वानरं । कवयः । यज्ञियासः । अग्निं । देवाः
। अजनयन् । अजुर्यं । नक्षत्रं । प्रत्नं । अमिनत् । चरिष्णु । यक्षस्य । अधिऽअ
क्षं । तविषं । बृहंतं ॥ वैश्वानरं । विश्वहा । दीदिऽवांसं । मंत्रैः । अग्निं । कविं । अ
च्छ । वदामः । यः । महिम्ना । परिऽबभूव । उर्वी इति । उत । अवस्तात् । उत । देवः । पु
रस्तात् ॥ द्वे इति । स्रुती इति । अशृणवं । पितॄणां । अहं । देवानां । उत । मर्त्यानां । ता ॥ हेरंबभ ॥
भ्यां । इदं । विश्वं । एजत् । सं । एति । यत् । अंतरा । पितरं । मातरं । च ॥ १२ ॥ द्वे ॥ ४७ ॥
इति । समीची इति सं‍ऽईची । बिभृतः । चरंतं । शीर्षतः । जातं । मनसा । विऽमृष्टं ।

सः । प्रत्यङ् । विश्वा । भुवनानि । तस्थौ । अप्रऽयुच्छन् । तरणिः । भ्राजमानः ॥ यत्र । वदेते इति
। अवरः । परः । च । यज्ञऽन्योः । कतरः । नौ । वि । वेद । आ । शेकुः । इत् । सधऽमादं । सखा
यः । नक्षंत । यज्ञं । कः । इदं । वि । वोचत् ॥ कति । अग्नयः । कति । सूर्यासः । कति । उष
सः । कति । ऊं इति । स्वित् । आपः । न । उपऽस्पिजं । वः । पितरः । वदामि । पृच्छामि । वः
। कवयः । विद्मने । कं ॥ यावत्ऽमात्रं । उषसः । न । प्रतीकं । सुऽपर्ण्यः । वसते । मात
रिश्वः । तावत् । दधाति । उप । यज्ञं । आऽयन् । ब्राह्मणः । होतुः । अवरः । निऽसीदन् ॥
॥ १३ ॥ इंद्रं । स्तव । नृऽतमं । यस्य । मह्ना । विऽबबाधे । रोचना । वि । ज्मः । अंतान् ।
आ । यः । पप्रौ । चर्षणिऽधृत् । वरःऽभिः । प्र । सिंधुऽभ्यः । रिरिचानः । महिऽत्वा ॥
सः । सूर्यः । परि । उरु । वरांसि । आ । इंद्रः । ववृत्यात् । रथ्याऽइव । चक्रा ॥ अति
ष्ठंतं । अपस्यं । न । सर्गं । कृष्णा । तमांसि । त्विष्या । जघान ॥ समानं । अस्मै । अप

१० अ० ४ नपऽवृत् । अर्च । क्ष्मया । दिवः । असमं । ब्रह्म । नव्यं । वि । यः । पृष्ठाऽइव । जनिमानि ।
॥ ४८ ॥ अर्यः । इंद्रः । चिकाय । न । सखायं । ईषि । इंद्राय । गिरः । अनिशितऽसर्गाः । अपः ।
प्र । ईरयं । सगरस्य । बुध्नात् । यः । अक्षेणऽइव । चक्रिया । शचीभिः । विष्वक् । तस्तं
भ । पृथिवीं । उत । द्यां । आपांतऽमन्युः । तृपलऽप्रभर्मा । धुनिः । शिमीऽवान् । शरुऽ
मान् । ऋजीषी । सोमः । विश्वानि । अतसा । वनानि । न । अर्वाक् । इंद्रं । प्रतिऽमाना
नि । देभुः ॥ १४ ॥ न । यस्य । द्यावापृथिवी इति । न । धन्व । न । अंतरिक्षं । न । अद्रयः ।
सोमः । अक्षारिति । यत् । अस्य । मन्युः । अधिऽनीयमानः । शृणाति । वीळु । रु ॥ हेरंबश्च
जति । स्थिराणि । जघान । वृत्रं । स्वऽधितिः । वनाऽइव । रुरोज । पुरः । अरदत् । न । ॥ ४८ ॥
सिंधून् । बिभेद । गिरिं । नवं । इत् । न । कुंभं । आ । गाः । इंद्रः । अकृणुत । स्वयुक्ऽ

भिः । त्वं । ह । त्यत् । ऋणऽयाः । इंद्र । धीरः । असिः । न । पर्व । वृजिना । शृणासि । प्र ।
ये । मित्रस्य । वरुणस्य । धाम । युजं । न । जनाः । मिनंति । मित्रं । प्र । ये । मित्रं । प्र । अर्य
मणं । दुःऽएवाः । प्र । संऽगिरः । प्र । वरुणं । मिनंति । नि । अमित्रेषु । वधं । इंद्र । तुम्रं । वृ
षन् । वृषाणं । अरुषं । शिशीहि । इंद्रः । दिवः । इंद्रः । ईशे । पृथिव्याः । इंद्रः । अपां । इंद्रः
। इत् । पर्वतानां । इंद्रः । वृधां । इंद्रः । इत् । मेधिराणां । इंद्रः । क्षेमे । योगे । हव्यः । इंद्रः ॥
॥ १५ ॥ प्र । अक्तुऽभ्यः । इंद्रः । प्र । वृधः । अहःऽभ्यः । प्र । अंतरिक्षात् । प्र । समुद्रस्य । धा
सेः । प्र । वातस्य । प्रथसः । प्र । ज्मः । अंतात् । प्र । सिंधुऽभ्यः । रिरिचे । प्र । क्षितिऽभ्यः । प्र । शो
शुचत्याः । उषसः । न । केतुः । असिन्वा । ते । वर्ततां । इंद्र । हेतिः । अश्माऽइव । विध्य । दि
वः । आ । सृजानः । तपिष्ठेन । हेषसा । द्रोघऽमित्रान् । अनु । अह । मासाः । अनु । इत् । व

१.अ.४ नानि। अनु। ओषधीः। अनु। पर्वतासः। अनु। इंद्रं। रोदसीइति। वावशानेइति। अनु।
४९ आपः। अजिहत। जायमानं। कर्हि। स्वित्। सा। ते। इंद्र। चेत्या। असत्। अघस्य। यत्। भि
नदः। रक्षः। आऽईषत्। मित्रऽक्रुवः। यत्। शासने। न। गावः। पृथिव्याः। आऽपृक्। अ
मुया। शयंते। शत्रुऽयंतः। अभि। ये। नः। ततस्रे। महि। व्राधंतः। ओगणासः। इंद्र। अं
धेन। अमित्राः। तमसा। सचंतां। सुऽज्योतिषः। अक्तवः। तान्। अभि। स्युरितिस्युः।
पुरूणि। हि। त्वा। सवना। जनानां। ब्रह्माणि। मंदन्। गृणतां। ऋषीणां। इमां। आऽ
घोषन्। अवसा। सऽहूतिं। तिरः। विश्वान्। अर्चतः। याहि। अर्वाङ्। एव। ते। वयं। हेरंबप्र
इंद्र। भुंजतीनां। विद्याम। सुऽमतीनां। नवानां।०। विश्वामित्राः।०।। १८ ।। सहस्रऽ ४९
शीर्षा। पुरुषः। सहस्रऽअक्षः। सहस्रऽपात्। सः। भूमिं। विश्वतः। वृत्वा। अति। अति

ष्ठत्। दशऽअंगुलं। पुरुषः। एव। इदं। सर्वं। यत्। भूतं। यत्। च। भव्यं। उत।
अमृतऽत्वस्य। ईशानः। यत्। अन्नेन। अतिऽरोहति। एतावान्। अस्य। महि
मा। अतः। ज्यायान्। च। पुरुषः। पादः। अस्य। विश्वा। भूतानि। त्रिऽपात्। अ
स्य। अमृतं। दिवि। त्रिऽपात्। ऊर्ध्वः। उत्। ऐत्। पुरुषः। पादः। अस्य। इह। अ
भवत्। पुनरिति। ततः। विष्वङ्। वि। अक्रामत्। साशनानशनेइति। अभि
। तस्मात्। विऽराट्। अजायत। विऽराजः। अधि। पुरुषः। सः। जातः। अति।
अरिच्यत। पश्चात्। भूमिं। अथोइति। पुरः।। १७।। यत्। पुरुषेण। हविषा।
देवाः। यज्ञं। अतन्वत। वसंतः। अस्य। आसीत्। आज्यं। ग्रीष्मः। इध्मः। श
रत्। हविः। तं। यज्ञं। बर्हिषि। प्र। औक्षन्। पुरुषं। जातं। अग्रतः। तेन। देवाः।

प०अ०४ अयजंत। साध्याः। ऋषयः। च। ये। तस्मात्। यज्ञात्। सर्वऽहुतः। संऽभृतं।
५० एषत्ऽआज्यं। पशून्। तान्। चक्रे। वायव्यान्। आरण्यान्। ग्राम्याः। च।
ये।०। ऋचः। सामानि। जज्ञिरे। छंदांसि। जज्ञिरे। तस्मात्। यजुः। तस्मात्। अ
जायत। तस्मात्। अश्वाः। अजायंत। ये। के। च। उभयादतः। गावः। ह। जज्ञि
रे। तस्मात्। तस्मात्। जाताः। अजावयः॥ १८॥ यत्। पुरुषं। वि। अदधुः।
कतिधा। वि। अकल्पयन्। मुखं। किं। अस्य। कौ। बाहू इति। कौ। ऊरू इ हेरंब४
ति। पादौ। उच्येते इति। ब्राह्मणः। अस्य। मुखं। आसीत्। बाहू इति। रा
जन्यः। कृतः। ऊरू इति। तत्। अस्य। यत्। वैश्यः। पत्ऽभ्यां। शूद्रः। अजा ५०
यत। चंद्रमाः। मनसः। जातः। चक्षोः। सूर्यः। अजायत। मुखात्। इंद्रः।

च। अग्निः। च। प्राणात्। वायुः। अजायत। नाभ्याः। आसीत्। अंतरिक्षं। शीर्ष्णः।
द्यौः। सं। अवर्त्तत। पत्ऽभ्यां। भूमिः। दिशः। श्रोत्रात्। तथा। लोकान्। अकल्पय
न्। सप्त। अस्य। आसन्। परिऽधयः। त्रिः। सप्त। संऽइधः। कृताः। देवाः। यत्।
यज्ञं। तन्वानाः। अबध्नन्। पुरुषं। पशुं। यज्ञेन। यज्ञं। अयजंत। देवाः। तानि। ध
र्माणि। प्रथमानि। आसन्। ते। ह। नाकं। महिमानः। सचंत। यत्र। पूर्वे। साध्याः।
संति। देवाः॥ १९॥ सं। जागृवत्ऽभिः। जरमाणः। इध्यते। दमे। दमूनाः। इष
यन्। इळः। पदे। विश्वस्य। होता। हविषः। वरेण्यः। विऽभुः। विभाऽवा। सुऽस
खा। सखिऽयते। सः। दर्शतऽश्रीः। अतिथिः। गृहेऽगृहे। वनेऽवने। शिश्रिये।
तक्ववीःऽइव। जनंऽजनं। न। अति। मन्यते। विशः। अ। क्षेति। विश्यः। विशंऽ
जन्यः।

प०अ०४ विशां। सुऽदक्षः। दक्षैः। क्रतुना। असि। सुऽक्रतुः। अग्ने। कविः। काव्येन। असि। वि
५१ श्वऽवित्। वसुः। वसूनां। क्षयसि। त्वं। एकः। इत्। द्यावा। च। यानि। पृथिवी इति।
च। पुष्यतः। प्रऽजानन्। अग्ने। तव। योनिं। ऋत्वियं। इळायाः। पदे। घृतऽवंतं।
आ। असदः। आ। ते। चिकित्रे। उषसांऽइव। एतयः। अरेपसः। सूर्यस्यऽइव। र
श्मयः। तव। श्रियः। वर्ष्यस्यऽइव। विऽद्युतः। चित्राः। चिकित्रे। उषसां। न। केत
वः। यत्। ओषधीः। अभिऽसृष्टः। वनानि। च। परि। स्वयं। चिनुषे। अन्नं। आ
स्ये॥ २०॥ तं। ओषधीः। दधिरे। गर्भं। ऋत्वियं। तं। आपः। अग्निं। जनयंत। मा हेरंबः
तरः। तं। इत्। समानं। वनिनः। च। वीरुधः। अंतःऽवतीः। च। सुवते। च। विश्व ५१
हा। वातऽउपधूतः। इषितः। वशान्। अनु। तृषु। यत्। अन्ना। वेविषत्। विऽति

ष्ठसे। आ। ते। यतंते। रथ्यः। यथा। पृथक्। शर्द्धांसि। अग्ने। अजराणि। धक्षतः।
मेधाऽकारं। विदथस्य। प्रऽसाधनं। अग्निं। होतारं। परिऽभूतमं। मतिं। तं। इत्।
अर्भे। हविषि। आ। समानं। इत्। तं। इत्। महे। वृणते। न। अन्यं। त्वत्। त्वां। इत्।
अत्र। वृणते। त्वाऽयवः। होतारं। अग्ने। विदथेषु। वेधसः। यत्। देवऽयंतः। दधति।
प्रयांसि। ते। हविष्मंतः। मनवः। वृक्तऽबर्हिषः॥०॥ २१॥ मर्त्यः। संऽइधा। दाशत्।
उत। वा। हविःऽकृति। तस्य। होता। भवसि। यासि। दूत्यं। उप। ब्रूषे। यजसि। अध्व
रिऽयसि। इमाः। अस्मै। मतयः। वाचः। अस्मत्। आ। ऋचः। गिरः। सुऽस्तुतयः।
सं। अग्मत। वसुऽयवः। वसवे। जातऽवेदसे। वृद्धासु। चित्। वर्धनः। यासु। चाक
नत्। इमां। प्रत्नाय। सुऽस्तुतिं। नवीयसीं। वोचेयं। अस्मै। उशते। शृणोतु। नः।

भूयाः। अंतरा। हृदि। अस्य। निऽस्पृशे॥०॥ यस्मिन्। आ। अश्वासः। ऋषभासः। उक्षणः
।वशाः। मेषाः। अवऽसृष्टासः। आऽहुताः। कीलालऽपे। सोमऽपृष्ठाय। वेधसे। हृ
दा। मतिं। जनये। चारुं। अग्नये। अहावि। अग्ने। हविः। आस्ये। ते। स्रुचिऽइव। घृ
तं। चम्विऽइव। सोमः। वाजऽसनिं। रयिं। अस्मे इति। सुऽवीरं। प्रऽशस्तं। धेहि। य
शसं। बृहंतं॥ २२॥ यज्ञस्य। वः। रथ्यं। विश्पतिं। विशां। होतारं। अक्तोः। अति
थिं। विभाऽवसुं। शोचन्। शुष्कासु। हरिणीषु। जर्भुरत्। वृषा। केतुः। यजतः। द्यां।
अशायत। इमं। अंजःऽपां। उभये। अकृण्वत। धर्माणं। अग्निं। विदथस्य। सा
धनं। अक्तुं। न। यह्वं। उषसः। पुरःऽहितं। तनूऽनपातं। अरुषस्य। निंसते। हेरंब ॥५२॥
बट्। अस्य। नीथा। वि। पणेः। च। मन्महे। वयाः। अस्य। प्रऽहुताः। आसुः।
अत्तवे। यदा। घोरासः। अमृतऽत्वं। आशत। आत्। इत्। जनस्य। दै

व्यस्य। चर्किरन्। ऋतस्य। हि। प्रऽसितिः। द्यौः। उरु। व्यचः। नमः। मही। अरमतिः। प
नीयसी। इंद्रः। मित्रः। वरुणः। सं। चिकित्रिरे। अथो इति। भगः। सविता। पूतऽदक्ष
सः। प्र। रुद्रेण। ययिना। यंति। सिंधवः। तिरः। महीं। अरमतिं। दधन्विरे। येभिः। परिऽ
ज्मा। परिऽयन्। उरु। ज्रयः। वि। रोरुवत्। जठरे। विश्वं। उक्षते॥ २३॥ क्राणाः। रुद्राः
।मरुतः। विश्वऽकृष्टयः। दिवः। श्येनासः। असुरस्य। नीळयः। तेभिः। चष्टे। वरुणः
।मित्रः। अर्यमा। इंद्रः। देवेभिः। इंद्रः। देवेभिः। अर्वशेभिः। अर्वशः। इंद्रे। भुजं। शश
मानासः। आशत। सूरः। दृशीके। वृषणः। च। पौंस्ये। प्र। ये। नु। अस्य। अर्हणा। ततक्षि
रे। युजं। वज्रं। नृऽसदनेषु। कारवः। सूरः। चित्। आ। हरितः। अस्य। रीरमत्। इंद्रा
त्। आ। कः। चित्। भयते। तवीयसः। भीमस्य। वृष्णः। जठरात्। अभिऽश्वसः। दि

वेऽदिवे। सऽकृत्ऽभिः। स्तनन्। अबाधितः। स्तोमं। वः। अद्य। रुद्राय। शिक्वसे। क्षयत्ऽ
वीराय। नमसा। दिदिष्टन। येभिः। शिवः। स्वऽवान्। एवयावऽभिः। दिवः। सिस
क्ति। स्वऽयशाः। निकामऽभिः। ते। हि। प्रऽजायाः। अभरंत। विश्रवः। बृहस्पतिः।
वृषभः। सोमऽआभयः। ० ॥ वि। धारयंत। देवाः। दक्षैः। भगः। वः। सं। चिकित्रिरे ॥
॥२४॥ ० ॥ भूरिऽरेतसा। नराशंसः। चतुःऽअंगः। यमः। अदितिः। देवः। त्वष्टा। द्र
विणःऽदाः। ऋभुक्षणः। आ। रोदसी इति। मरुतः। विष्णुः। अहिः। उत। स्यः। नः।
उशिजां। उर्विया। कविः। अहिः। शृणोतु। बुध्न्यः। हवीमनि। सूर्यामासा। विऽच
रंता। दिविऽक्षिता। धिया। शमीनहुषी इति। अस्य। बोधतं। आ। नः। पूषा। चरथं।
विश्वऽदेव्यः। अपां। नपात्। अवतु। वायुः। इष्टये। आत्मानं। वस्यः। अभि। वातं।

अर्चत। तत्। अश्विना। सुऽहवा। यामनि। श्रुतं। विश्वां। आसां। अपत्यानां। अ
धिऽक्षितिं। गीःऽभिः। उँ इति। स्वऽयशसं। गृणीमसि। ग्नाभिः। विश्वाभिः। अदि
तिं। अनर्वणं। अक्तोः। युवानं। नृऽमनाः। अध। पतिं। रेभत्। अत्र। जनुषा। पूर्वः
। अंगिराः। ग्रावाणः। ऊर्ध्वाः। अभि। चक्षते। अध्वरं। येभिः। विऽहायाः। अभव
त्। विऽचक्षणः। पाथः। सुऽमेकं। स्वऽधितिः। वनन्ऽवति॥ २५ ॥ महि। द्या
वापृथिवी इति। भूतं। उर्वी इति। नारी इति। यह्वी इति। रोदसी इति। सदं। नः
। तेभिः। नः। पातं। सह्यसः। एभिः। नः। पातं। शूषणि। यज्ञेऽयज्ञे। सः। मर्त्यः। देवा
न्। सपर्यति। यः। सुम्ने। दीर्घश्रुत्ऽतमः। आऽविवासाति। एनान्। विश्वेषां।
इरज्यवः। देवानां। वाः। महः। विश्वे। हि। विश्वऽमहसः। विश्वे। यज्ञेषु। यज्ञियाः।

प॰ अ॰ ४ ते। घ। राजानः। अमृतस्य। मंद्राः। अर्यमा। मित्रः। वरुणः। परिऽज्मा। कत्। रुद्रः।
५६ नृणां। स्तुतः। मरुतः। पूषणः। भगः। उत। नः। नक्तं। अपां। वृषण्वसू इति वृष
ण्ऽवसू। सूर्यामासा। सदनाय। सऽधन्या। सचा। यत्। सादि। एषां। अहिः।
बुध्नेषु। बुध्न्यः॥ २६॥ उत। नः। दिवा। अश्विना। शुभः। पती इति। धामऽभिः। मि
तं। त्रावरुणा। उरुष्यां। अति। धन्वऽइव। दुःऽइता। उत। नः। रुद्रा। चित्। मृळतां।
अश्विना। विश्वे। देवासः। रथःऽपतिः। भगः। ऋभुः। वाजः। ऋभुक्षणः। परिऽ
ज्मा। विश्वऽवेदसः। ऋभुः। ऋभुक्षाः। ऋभुः। विधतः। मदः। आ। ते। हरी इ हेरंब
ति। जूजुवानस्य। वाजिना। दुस्तरं। यस्य। साम। चित्। ऋधक्। यज्ञः। न। मा ५४
नुषः। कृधि। नः। अद्रयः। देव। सवितरिति। सः। च। स्तुषे। मघोनां। सहो इति।

नः। इंद्रः। वह्निऽभिः। नि। एषां। चर्षणीनां। चक्रं। रश्मिं। न। योयुवे। आ। एषु।
द्यावापृथिवी इति। धातं। महत्। अस्मे इति। वीरेषु। विश्वऽचर्षणि। श्रवः। पृ
क्षं। वाजस्य। सातये। पृक्षं। राया। उत। तुर्वणे॥ २७॥ एतं। शंसं। इंद्र। अस्मऽ
युः। त्वं। कूऽचित्। संतं। सहसाऽवन्। अभिष्टये। सदा। पाहि। अभिष्टये। मेद
तां। वेदता। वसो इति। एतं। मे। स्तोमं। तना। न। सूर्ये। द्युतत्ऽयामानं। वावृधं
त। नृणां। संऽवननं। न। अश्व्यं। त्वष्टाऽइव। अनपऽच्युतं। ववर्त्त। येषां। राया।
युक्ता। एषां। हिरण्ययी। नेमऽधिता। न। पौंस्या। वृथाऽइव। विष्टऽअंता। प्रात
त्। दुःऽशीमे। पृथवाने। वेने। प्र। रामे। वोचं। असुर। मघवत्ऽसु। ये। युक्त्वा
य। पंच। शता। अस्मऽयु। पथा। विऽश्रावि। एषां। अधि। इत्। नु। अत्र। सप्तति।

प॰ अ॰ ८ च । सप्त । च । सद्यः । दिदिष्ट । तान्वः । सद्यः । दिदिष्ट । पार्थ्यः । सद्यः । दिदिष्ट । माय

॥ ५५ ॥ वः ॥ २८ ॥ प्र । एते । वदंतु । प्र । वयं । वदाम । ग्रावऽभ्यः । वाचं । वदत । वदत्ऽभ्यः ।

यत् । अद्रयः । पर्वताः । साकं । आशवः । श्लोकं । घोषं । भरथ । इंद्राय । सोमि

नः । एते । वदंति । शतऽवत् । सहस्रऽवत् । अभि । क्रंदंति । हरितेभिः । आसऽभिः ।

विष्ट्वी । ग्रावाणः । सुऽकृतः । सुऽकृत्यया । होतुः । चित् । पूर्वे । हविःऽअद्यं । आश

त । एते । वदंति । अविदन् । अना । मधु । नि । ऊंखयंते । अधि । पक्वे । आमिषि ।

ण वृक्षस्य । शाखां । अरुणस्य । बप्सतः । ते । सुऽभर्वाः । वृषभाः । प्र । ईं । अराविषुः । ॥ हेरंब ॥

बृहत् । वदंति । मदिरेण । मंदिना । इंद्रं । क्रोशंतः । अविदन् । अना । मधु । संऽर ॥ ५५ ॥

भ्य । धीराः । स्वसृऽभिः । अनर्तिषुः । आऽघोषयंतः । पृथिवीं । उपब्दिऽभिः ।

सुऽपर्णाः । वाचं । अक्रत । उप । द्यवि । आऽखरे । कृष्णाः । इषिराः । अनर्तिषुः । न्यक् ।

नि । यंति । उपरस्य । निःऽकृतं । पुरु । रेतः । दधिरे । सूर्यऽश्वितः ॥ २९ ॥ उग्राःऽइ

व । प्रऽवहंतः । संऽआयमुः । साकं । युक्ताः । वृषणः । बिभ्रतः । धुरः । यत् । श्वसं

तः । जग्रसानाः । अराविषुः । शृण्वे । एषां । प्रोथथः । अर्वतांऽइव । दशावनिऽ

भ्यः । दशऽकक्ष्येभ्यः । दशऽयोक्त्रेभ्यः । दशऽयोजनेभ्यः । दशाभीशुऽभ्यः ।

अर्चत । अजरेभ्यः । दश । धुरः । दश । युक्ताः । वहत्ऽभ्यः । ते । अद्रयः । दशऽ

यंत्रासः । आशवः । तेषां । आऽधानं । परि । एति । हर्यतं । ते । ऊं इति । सुतस्य । सो

म्यस्य । अंधसः । अंशोः । पीयूषं । प्रथमस्य । भेजिरे । ते । सोमऽअदः । ह

री इति । इंद्रस्य । निंसते । अंशुं । दुहंतः । अधि । आसते । गवि । तेभिः । दु

प॰अ॰४ दुग्धं। पपिऽवान्। सोम्यं। मधु। इंद्रः। वर्धते। प्रथते। वृषऽयते। वृषा। वः। अं
५६ शुः। न। किल। रिषाथन। इळाऽवंतः। सदं। इत्। स्थन। आशिताः। रेवत्याऽइव।
महसा। चारवः। स्थन। यस्य। ग्रावाणः। अजुषध्वं। अध्वरं॥ १०॥ तृदिलाः।
अतृदिलासः। अद्रयः। अश्रमणाः। अशृथिताः। अमृत्यवः। अनातुराः। अ
जराः। स्थ। अमविष्णवः। सुऽपीवसः। अतृषिताः। अतृष्णजः। ध्रुवाः। एव।
वः। पितरः। युगेऽयुगे। क्षेमऽकामासः। सदसः। न। युंजते। अजुर्यासः। ह
रिऽसाचः। हरिद्रवः। आ। द्यां। रवेण। पृथिवीं। अशुश्रवुः। तत्। इत्। वदंति। ॥हेरंबः॥
अद्रयः। विऽमोचने। यामन्। अंजःऽपाःऽइव। घ। इत्। उपब्दिऽभिः। वपंतः। बी ॥५६॥
जंऽइव। धान्यऽकृतः। पृंचंति। सोमं। न। मिनंति। बप्सतः। सुते। अध्वरे। अ

धि। वाचं। अक्रत। आ। क्रीळयः। न। मातरं। तुदंतः। वि। सु। मुंच। सुसुऽवुषः।
मनीषां। वि। वर्त्तंतां। अद्रयः। चायमानाः॥ ३१॥ ॥ इत्यष्टमाष्टके चतु
र्थोऽध्यायः॥ ॥ हेरंब॥ ॐम्॥ हये। जाये। मनसा। तिष्ठ। घोरे। वचांसि। मिश्रा।
कृणवावहै। नु। न। नौ। मंत्राः। अनुदितासः। एते। मयः। करन्। परऽतरे। च
न। अहन्। किं। एता। वाचा। कृणव। तव। अहं। प्र। अक्रमिषं। उषसां। अ
ग्रियाऽइव। पुरूरवः। पुनः। अस्तं। परा। इहि। दुःऽआपना। वातःऽइव।
अहं। अस्मि। इषुः। न। श्रिये। इषुऽधेः। असना। गोऽसाः। शतऽसाः।
न। रंहिः। अवीरे। क्रतौ। वि। दविद्युतत्। न। उरा। न। मायुं। चितयंत।
धुनयः। सा। वसु। दधती। श्वशुराय। वयः। उषः। यदि। वष्टि। अंतिऽगृ

प॰अ॰५ हात्। अस्तं। ननक्षे। यस्मिन्। चाकन्। दिवा। नक्तं। श्नथिता। वैतसेन। त्रिः।
स्म। मा। अह्नः। श्नथयः। वैतसेन। उत। स्म। मे। अव्यत्यै। पृणासि। पुरूरवः।
॥५७॥ अनु। ते। केतं। आयं। राजा। मे। वीर। तन्वः। तत्। आसीः॥ १॥ या। सुऽजूर्णिः।
श्रेणिः। सुम्नऽआपिः। ह्रदेऽचक्षुः। न। ग्रंथिनी। चरण्युः। ताः। अंजयः। अरु
णयः। न। सस्रुः। श्रिये। गावः। न। धेनवः। अनवंत। सं। अस्मिन्। जायमा
ने। आसत। ग्नाः। उत। ईं। अवर्द्धन्। नद्यः। स्वऽगूर्त्ताः। महे। यत्। त्वा। पुरू
रवः। रणाय। अवर्द्धयन्। दस्युऽहत्याय। देवाः। सचा। यत्। आसु। जहती ॥हेरंब॥
षु। अत्कं। अमानुषीषु। मानुषः। निऽसेवे। अप। स्म। मत्। तरसंती। न। भु ॥५७॥
ज्युः। ताः। अत्रसन्। रथऽस्पृशः। न। अश्वाः। यत्। आसु। मर्त्तः। अम्रता

सु। निऽस्पृक्। सं। क्षोणीभिः। क्रतुऽभिः। न। पृङ्क्ते। ताः। आतयः। न। तन्वः। शुं
भत। स्वाः। अश्वासः। न। क्रीळयः। दंदशानाः। विऽद्युत्। न। या। पतंती। दवि
द्योत्। भरंती। मे। अप्या। काम्यानि। जनिष्टो। इति। अपः। नर्यः। सुऽजातः।
प्र। उर्वशी। तिरत। दीर्घं। आयुः॥ २॥ जज्ञिषे। इत्था। गोऽपीथ्याय। हि। दधा
थ। तत्। पुरूरवः। मे। ओजः। अशासं। त्वा। विदुषी। सस्मिन्। अहन्। न। मे।
आ। अशृणोः। किं। अभुक्। वदासि। कदा। सूनुः। पितरं। जातः। इच्छात्।
चक्रन्। न। अश्रु। वर्त्तयत्। विऽजानन्। कः। दंपती इति दंऽपती। सऽमन
सा। वि। यूयोत्। अध। यत्। अग्निः। श्वशुरेषु। दीदयत्। प्रति। ब्रवाणि।

प॰अ॰५ वर्तयति। अश्रु। चक्रन्। न। क्रंदत्। आ॒ऽध्ये। शिवायै। प्र। तत्। ते। हिनव।
यत्। ते। अस्मे इति। परा। इहि। अस्तं। नहि। मूर। मा। आपः। सुऽदेवः। अ
५८ द्य। प्रऽपतेत्। अनावृत्। पराऽवतं। परमां। गंतवै। उं इति। अध। शयीत।
निःऽऋतेः। उपऽस्थे। अध। एनं। वृकाः। रभसासः। अद्युः। पुरूरवः। मा।
मृथाः। मा। प्र। पप्तः। मा। त्वा। वृकासः। अशिवासः। उं इति। क्षन्। न। वै।
स्त्रैणानि। सख्यानि। संति। सालावृकाणां। हृदयानि। एता॥ ५॥ यत्।
विऽरूपा। अचरं। मर्त्येषु। अवसं। रात्रीः। शरदः। चतस्रः। घृतस्य। स्तो। ॥हेरंब॰
कं। सकृत्। अह्नः। आश्नां। तात्। एव। इदं। तातृपाणा। चरामि। अंतरिक्षऽ ॥५८
प्रां। रजसः। विऽमानीं। उप। शिक्षामि। उर्वशीं। वसिष्ठः। उप। त्वा। रातिः।

सुऽकृतस्य। तिष्ठात्। नि। वर्तस्व। हृदयं। तप्यते। मे। इति। त्वा। देवाः। इमे। आ
हुः। ऐळ। यथा। ईं। एतत्। भवसि। मृत्युऽबंधुः। प्रऽजा। ते। देवान्। हविषा। य
जाति। स्वःऽगे। उं इति। त्वं। अपि। मादयासे॥ ८॥ प्र। ते। महे। विदथे। शंसि
षं। हरी इति। प्र। ते। वन्वे। वनुषः। हर्यतं। मदं। घृतं। न। यः। हरिऽभिः। चारु। से
चते। आ। त्वा। विशंतु। हरिऽवर्पसं। गिरः। हरिं। हि। योनिं। अभि। ये। संऽअ
स्वरन्। हिन्वंतः। हरी इति। दिव्यं। यथा। सदः। आ। यं। पृणंति। हरिऽभिः। न।
धेनवः। इंद्राय। शूषं। हरिऽवंतं। अर्चत। सः। अस्य। वज्रः। हरितः। यः। आय
सः। हरिः। निऽकामः। हरिः। आ। गभस्त्योः। द्युम्नी। सुऽशिप्रः। हरिमन्युऽसा
यकः। इंद्रे। नि। रूपा। हरिता। मिमिक्षिरे। दिवि। न। केतुः। अधि। धायि। ह

प॰अ

५९

र्यतः। विव्यचत्। वज्रः। हरितः। न। रंह्या। तुदत्। अहिं। हरिऽशिप्रः। यः। आ

यसः। सहस्रऽशोकाः। अभवत्। हरिंऽभरः। त्वंऽत्वं। अहर्यथाः। उपऽस्तुतः।

पूर्वेभिः। इंद्र। हरिऽकेश। यज्वऽभिः। त्वं। हर्यसि। तव। विश्वं। उक्थ्यं। अ

सामि। राधः। हरिऽजात। हर्यतं॥ ५॥ ता। वज्रिणं। मंदिनं। स्तोम्यं। मदे।

इंद्रं। रथे। वहतः। हर्यता। हरी इति। पुरूणि। अस्मै। सवनानि। हर्यते।

इंद्राय। सोमाः। हरयः। दधन्विरे। अरं। कामाय। हरयः। दधन्विरे। हेरंब

स्थिराय। हिन्वन्। हरयः। हरी इति। तुरा। अर्वत्ऽभिः। यः। हरिऽभिः। ५९

जोषं। ईयते। सः। अस्य। कामं। हरिऽवंतं। आनशे। हरिऽश्मशारुः। हरि

ऽकेशः। आयसः। तुरःऽपेये। यः। हरिऽपाः। अवर्धत। ०। वाजिनीऽवसुः।

अति। विश्वा। दुःऽइता। पारिषत्। हरी इति। स्रुवाऽइव। यस्य। हरिणी इति। विऽ

पेततुः। शिप्रे इति। वाजाय। हरिणी इति। दविध्वतः। प्र। यत्। कृते। चमसे। मर्मृ

जत्। हरी इति। पीत्वा। मदस्य। हर्यतस्य। अंधसः। उत। स्म। सद्म। हर्यतस्य।

पस्त्योः। अत्यः। न। वाजं। हरिऽवान्। अचिक्रदत्। मही। चित्। हि। धिषणा।

अहर्यत्। ओजसा। बृहत्। वयः। दधिषे। हर्यतः। चित्। आ॥ ९॥ आ। रोद

सी इति। हर्यमाणः। महिऽत्वा। नव्यंऽनव्यं। हर्यसि। मन्म। नु। प्रियं। प्र। पस्त्यं।

असुर। हर्यतं। गोः। आविः। कृधि। हरये। सूर्याय। आ। त्वा। हर्यतं। प्रऽयु

जः। जनानां। रथे। वहंतु। हरिऽशिप्रं। इंद्र। पिब। यथा। प्रतिऽभृतस्य। मध्वः।

हर्यन्। यज्ञं। सधऽमादे। दशऽओणिं। अपाः। पूर्वेषां। हरिऽवः। सुतानां। अ

प०अ०५ थो इति। इदं। सवनं। केवलं। ते। ममद्धि। सोमं। मधुऽमंतं। इंद्र। सत्रा। वृषन्।
६० जठरे। आ। वृषस्व॥ १३॥ याः। ओषधीः। पूर्वाः। जाताः। देवेभ्यः। त्रिऽयुगं। पुरा।
मनै। नु। बभ्रूणां। अहं। शतं। धामानि। सप्त। च। शतं। वः। अंब। धामानि। सह
स्रं। उत। वः। रुहः। अध। शतऽक्रत्वः। यूयं। इमं। मे। अगदं। कृत। ओषधीः। प्र
ति। मोदध्वं। पुष्पऽवतीः। प्रऽसूवरीः। अश्वाःऽइव। सऽजित्वरीः। वीरुधः।
पारयिष्णवः। ओषधीः। इति। मातरः। तत्। वः। देवीः। उप। ब्रुवे। सनेयं। अ
श्वं। गां। वासः। आत्मानं। तव। पुरुष। अश्वऽत्थे। वः। निऽसदनं। पर्णे। वः। व हेरंब०
सतिः। कृता। गोऽभाजः। इत्। किल। असथ। यत्। सनवथ। पुरुषं॥ ५॥ ६०
यत्र। ओषधीः। संऽअग्मत। राजानः। समितौऽइव। विप्रः। सः। उच्यते। भि

षक्। रक्षःऽहा। अमीवऽचातनः। अश्वऽवतीं। सोमऽवतीं। ऊर्जयंतीं। उत्ऽओ
जसं। आ। अवित्सि। सर्वाः। ओषधीः। अस्मै। अरिष्टऽतातये। उत्। शुष्माः। ओष
धीनां। गावः। गोस्थात्ऽइव। ईरते। धनं। सनिष्यंतीनां। आत्मानं। तव। पुरुष। इ
ष्कृतिः। नाम। वः। माता। अथो इति। यूयं। स्थ। निःऽकृतीः। सीराः। पतत्रिणीः।
स्थन। यत्। आमयति। निः। कृथ। अति। विश्वाः। परिऽस्थाः। स्तेनःऽइव। व्र
जं। अक्रमुः। ओषधीः। प्र। अचुच्यवुः। यत्। किं। च। तन्वः। रपः॥ १०॥ यत्।
इमाः। वाजयन्। अहं। ओषधीः। हस्ते। आऽदधे। आत्मा। यक्ष्मस्य। नश्य
ति। पुरा। जीवऽगृभः। यथा। यस्य। ओषधीः। प्रऽसर्पथ। अंगंऽअंगं। प
रुःऽपरुः। ततः। यक्ष्मं। वि। बाधध्वे। उग्रः। मध्यमशीःऽइव। साकं। य

म॰अ॰५ यक्ष्म। प्र। पत। चाषेण। किकिदीविना। साकं। वातस्य। ध्राज्या। साकं। नश्य। निऽ
६१ हाकया। अन्या। वः। अन्या। अवतु। अन्या। अन्यस्याः। उप। अवत। ताः। सर्वाः।
संऽविदानाः। इदं। मे। प्र। अवत। वचः। याः। फलिनीः। याः। अफलाः। अपु
ष्पाः। याः। च। पुष्पिणीः। बृहस्पतिऽप्रसूताः। ताः। नः। मुंचंतु। अंहसः॥ ॥
१०॥ मुंचंतु। मा। शपथ्यात्। अथो इति। वरुण्यात्। उत। अथो इति। यमस्य। प
ड्बीशात्। सर्वस्मात्। देवऽकिल्बिषात्। अवऽपतंतीः। अवदन्। दिवः। ओषधयः।
परि। यं। जीवं। अश्नवामहै। न। सः। रिष्याति। पुरुषः। याः। ओषधीः। सोमऽराज्ञीः।
बह्वीः। शतऽविचक्षणाः। तासां। त्वं। उत्ऽतमा। असि। अरं। कामाय। शं। हृदे। हेरंबभ
१०। विऽस्थिताः। पृथिवीं। अनु। बृहस्पतिऽप्रसूताः। अस्यै। सं। दत्त। वीर्यं। मा। ६१

वः। रिषत्। खनिता। यस्मै। च। अहं। खनामि। वः। द्विऽपत्। चतुःऽपत्। अस्माकं। स
र्वं। अस्तु। अनातुरं। याः। च। इदं। उपऽशृण्वंति। याः। च। दूरं। पराऽगताः। सर्वाः। संऽ
गत्य। वीरुधः। ०। ओषधयः। सं। वदंते। सोमेन। सह। राज्ञा। यस्मै। कृणोति। ब्राह्म
णः। तं। राजन्। पारयामसि। त्वं। उत्ऽतमा। असि। ओषधे। तव। वृक्षाः। उपऽस्ता
यः। उपस्तिः। अस्तु। सः। अस्माकं। यः। अस्मान्। अभिऽदासति॥ ११॥ बृहस्प
ते। प्रति। मे। देवतां। इहि। मित्रः। वा। यत्। वरुणः। वा। असि। पूषा। आदित्यैः।
वा। यत्। वसुऽभिः। मरुत्वान्। सः। पर्जन्यं। शंऽतनवे। वृषाय। आ। देवः। हूतः। अ
ङ्गिरः। चिकित्वान्। त्वत्। देवऽआपे। अभि। मां। अगच्छत्। प्रतीचीनः। प्रति। मां
। आ। देवेत्स्व। दधामि। ते। द्युऽमतीं। वाचं। आसन्। अस्मे इति। धेहि। द्युऽमतीं।
वाचं। आसन्। बृहस्पते। अनमीवां। इषिरां। यया। वृष्टिं। शंऽतनवे। वनाव।

प॰अ॰५ दिवः। द्रप्सः। मधुऽमान्। आ। विवेश॥ आ। नः। द्रप्साः। मधुऽमंतः। विशंतु। इंद्र। दे
६२ हि। अधिऽरथं। सहस्रं। नि। सीद। होत्रं। ऋतुऽथा। यजस्व। देवान्। देवऽआपे। ह
विषा। सपर्य॥ आर्ष्टिषेणः। होत्रं। ऋषिः। निऽसीदन्। देवऽआपिः। देवऽसुमतिं।
चिकित्वान्। सः। उत्ऽतरस्मात्। अधरं। समुद्रं। अपः। दिव्याः। असृजत्। वर्ष्याः।
अभि॥ अस्मिन्। समुद्रे। अधि। उत्ऽतरस्मिन्। आपः। देवेभिः। निऽवृताः। अति
ष्ठन्॥ ताः। अद्रवन्। आर्ष्टिषेणेन। सृष्टाः। देवऽआपिना। प्रऽइषिताः। मृक्षिणी
षु॥ १२॥ यत्। देवऽआपिः। शंतनवे। पुरःऽहितः। होत्राय। वृतः। कृपयन्। अ हेरंब
दीधेत्। देवऽश्रुतं। वृष्टिऽवनिं। रराणः। बृहस्पतिः। वाचं। अस्मै। अयच्छत्॥ यं। ६२
त्वा। देवऽआपिः। शुशुचानः। अग्ने। आर्ष्टिषेणः। मनुष्यः। संऽईधे। विश्वेभिः।

देवैः। अनुऽमद्यमानः। प्र। पर्जन्यं। ईरय। वृष्टिऽमंतं॥ त्वां। पूर्वे। ऋषयः। गीःऽभिः।
आयन्। त्वां। अध्वरेषु। पुरुऽहूत। विश्वे॥ सहस्राणि। अधिऽरथानि। अस्मे
इति। आ। नः। यज्ञं। रोहित्ऽअश्व। उप। याहि॥ एतानि। अग्ने। नवतिः। नव।
त्वेइति। आऽहुतानि। अधिऽरथा। सहस्रा॥ तेभिः। वर्धस्व। तन्वः। शूर।
पूर्वीः। दिवः। नः। वृष्टिं। इषितः। रिरीहि॥ एतानि। अग्ने। नवतिं। सहस्रा।
सं। प्र। यच्छ। वृष्णे। इंद्राय। भागं॥ विद्वान्। पथः। ऋतुऽशः। देवऽयानान्। अ
पि। औलानं। दिवि। देवेषु। धेहि॥ अग्ने। बाधस्व। वि। मृधः। वि। दुःऽगहा।
अप। अमीवां। अप। रक्षांसि। सेध॥ अस्मात्। समुद्रात्। बृहतः। दिवः। नः।
अपां। भूमानं। उप। नः। सृज। इह॥ १३॥ कं। नः। चित्रं। इषण्यसि। चिकित्वा
न्। पृथुऽग्मानं। वाश्रं। वावृधध्यै। कत्। तस्य। दातु। शवसः। विऽउष्टौ। तक्षत्।

प॰अ॰५
६३

वज्रं। वृत्रऽतुरं। अपिन्वत्॥ सः। हि। द्युता। विऽद्युता। वेति। साम। पृथुं। योनिं। अ
सुरऽत्वा। आ। ससाद॥ सः। सऽनीळेभिः। प्रऽसहानः। अस्य। भ्रातुः। न। ऋ
ते। सप्तथस्य। मायाः॥ सः। वाजं। याता। अपदुःऽपदा। यन्। स्वःऽसाता। परि। सद
त्। सनिष्यन्। अनर्वा। यत्। शतऽदुरस्य। वेदः। घ्नन्। शिश्नऽदेवान्। अभि। व
र्पसा। भूत्॥ सः। यह्व्यः। अवनीः। गोषु। अर्वा। आ। जुहोति। प्रऽधन्यासु।
सस्रिः॥ अपादः। यत्र। युज्यासः। अरथाः। द्रोणिऽअश्वासः। ईरते। घृतं। वा
रिति वाः॥ सः। रुद्रेभिः। अशस्तऽवारः। ऋभ्वा। हित्वी। गयं। आरेऽअवद्यः।
आ। अगात्॥ वम्रस्य। मन्ये। मिथुना। विवव्री इति विऽवव्री। अन्नं। अभिऽ ६३॥
इत्य। अरोदयत्। मुषायन्॥ सः। इत्। दासं। तुविऽरवं। पतिः। दन्। षट्ऽअ
क्षं। त्रिऽशीर्षाणं। दमन्यत्॥ अस्य। त्रितः। नु। ओजसा। वृधानः। विपा। वरा

हं। अयःऽअग्रया। हन्निति हन्॥ १४॥ सः। द्रुह्वणे। मनुषः। ऊर्ध्वसानः। आ।
साविषत्। अर्शसानाय। शरुं॥ सः। नृऽतमः। नहुषः। अस्मत्। सुऽजातः।
पुरः। अभिनत्। अर्हन्। दस्युऽहत्ये॥ सः। अभ्रियः। न। यवसे। उदन्यन्। क्ष
याय। गातुं। विदत्। नः। अस्मे इति॥ उप। यत्। सीदत्। इंदुं। शरीरैः। श्येनः।
अयःऽअपाष्टिः। हंति। दस्यून्॥ सः। व्राधतः। शवसानेभिः। अस्य। कुत्सा
य। शुष्णं। कृपणे। परा। अदात्॥ अयं। कविं। अनयत्। शस्यमानं। अत्कं।
यः। अस्य। सनिता। उत। नृणां॥ अयं। दशस्यन्। नर्येभिः। अस्य। दस्मः।
देवेभिः। वरुणः। न। मायी॥ अयं। कनीनः। ऋतुऽपाः। अवेदि। अमिमीत।
अररुं। यः। चतुःऽपात्॥ अस्य। स्तोमेभिः। औशिजः। ऋजिश्वा। व्रजं। दरय

प०अ०५ ता। वृषभेण। पिप्रोः॥ सुत्वा। यत्। यजतः। दीदयत्। गीः। पुरः। इयानः। अभि।
६४ वर्पसा। भूत्॥ एव। महः। असुर। वक्षथाय। वम्रकः। पड्ऽभिः। उप। सर्पत्।
इंद्रं॥ सः। इयानः। करति। स्वस्तिं। अस्मै।०॥ १५॥ इंद्र। दृह्य। मघऽवन्। त्वाऽ
वत्। इत्। भुजे। इह। स्तुतः। सुतऽपाः। बोधि। नः। वृधे॥ देवेभिः। नः। सवि
ता। प्र। अवतु। श्रुतं। आ। सर्वऽतातिं। अदितिं। वृणीमहे॥ भराय। सु। भर
त। भागं। ऋत्वियं। प्र। वायवे। शुचिऽपे। क्रंदत्ऽइष्टये॥ गौरस्य। यः। पय
सः। पीतिं। आनशे।०। आ। नः। देवः। सविता। साविषत्। वयः। ऋजुऽयते। ६४
यजमानाय। सुन्वते। यथा। देवान्। प्रतिऽभूषेम। पाकऽवत्।०। इंद्रः। अ
स्मे इति। सुऽमनाः। अस्तु। विश्वहा। राजा। सोमः। सुवितस्य। अधि। एतु।

नः॥ यथाऽयथा। मित्रऽधितानि। संऽदधुः॥०। इंद्रः। उक्थेन। शवसा। परुः। दधे।
बृहस्पते। प्रऽतरीता। असि। आयुषः। यज्ञः। मनुः। प्रऽमतिः। नः। पिता। हि। कं।०
इंद्रस्य। नु। सुऽकृतं। दैव्यं। सहः। अग्निः। गृहे। जरिता। मेधिरः। कविः॥ यज्ञः। च।
भूत्। विदथे। चारुः। अंतमः।०॥ १६॥ न। वः। गुहा। चकृम। भूरि। दुःऽकृतं। न।
आविःऽत्यं। वसवः। देवऽहेळनं॥ माकिः। नः। देवाः। अनृतस्य। वर्पसः।०। अ
प। अमीवां। सविता। साविषत्। न्यक्। वरीयः। इत्। अप। सेधंतु। अद्रयः।०।
ऊर्ध्वः। ग्रावा। वसवः। अस्तु। सोतरि। विश्वा। द्वेषांसि। सनुतः। युयोत॥ सः।
नः। देवः। सविता। पायुः। ईड्यः।०। ऊर्जं। गावः। यवसे। पीवः। अत्तन। ऋत
स्य। याः। सदने। कोशे। अंग्ध्वे। तनूः। एव। तन्वः। अस्तु। भेषजं।०। ऋतुऽप्रावा।

प॰ अ॰ ५ जरिता। शश्वतां। अर्वः। इंद्र। इत्था। भद्रा। प्रऽमतिः। सुतऽवतां॥ पूर्णं। ऊधः। दिव्यं।
६५ यस्य। सिक्तये॥ ०। चित्रः। ते। भानुः। क्रतुऽप्राः। अभिष्टिः। संति। स्पृधः। जरणिऽ ना
प्राः। अधृष्टाः॥ रजिष्ठया। रज्या। पश्वः। आ। गोः। तूतूर्षति। परि। अग्रं। दुव
स्युः॥ १७॥ उत्। बुध्यध्वं। सऽमनसः। सखायः। सं। अग्निं। इंध्वं। बहवः। सऽ
नीळाः॥ ०। इंद्रंऽवतः। अवसे। नि। ह्वये। वः॥ मंद्रा। कृणुध्वं। धियः। आ। तनु
ध्वं। नावं। अरित्रऽपरणीं। कृणुध्वं॥ इष्कृणुध्वं। आयुधा। अरं। कृणुध्वं। हेरंब॰
प्रांचं। यज्ञं। प्र। नयत। सखायः॥ युनक्त। सीरा। वि। युगा। तनुध्वं। कृते। यो ६५
नौ। वपत। इह। बीजं॥ गिरा। च। श्रुष्टिः। सऽभराः। असत्। नः। नेदीयः। इत्।
सृण्यः। पक्वं। आ। इयात्॥ सीरा। युंजंति। कवयः। युगा। वि। तन्वते। पृथक्॥

धीराः। देवेषु। सुम्नऽया॥ निः। आहावान्। कृणोतन। सं। वरत्राः। दधातन॥ सिं
चामहै। अवतं। उद्रिणं। वयं। सुऽसेकं। अनुपऽक्षितं॥ इष्कृतऽआहावं। अवतं।
सुऽवरत्रं। सुऽसेचनं। उद्रिणं। सिंचे। अक्षितं॥ १८॥ प्रीणीत। अश्वान्। हितं। जया
थ। स्वस्तिऽवाहं। रथं। इत्। कृणुध्वं॥ द्रोणऽआहावं। अवतं। अश्मऽचक्रं। अं
सत्रऽकोशं। सिंचत। नृऽपानं॥ व्रजं। कृणुध्वं। सः। हि। वः। नृऽपानः। वर्म। सी
व्यध्वं। बहुला। पृथूनि॥ पुरः। कृणुध्वं। आयसीः। अधृष्टाः। मा। वः। सुस्रो
त्। चमसः। दृंहत। तं॥ आ। वः। धियं। यज्ञियां। वर्ते। ऊतये। देवाः। देवीं। य
जतां। यज्ञियां। इह॥ ०। आ। तु। सिंच। हरिं। ईं। द्रोः। उपऽस्थे। वाशीभिः। तक्ष
त। अश्मन्ऽमयीभिः॥ परि। स्वजध्वं। दश। कक्ष्याभिः। उभे इति। धुरौ। प्रति।

प० अ० ५ वाहिं। युनक्त॥ उभे इति। धुरौ। वह्निः। आऽपिब्दमानः। अंतः। योनाऽइव। चरति। द्विःऽजानिः॥
।वनस्पतिं। वने। आ। अस्थापयध्वं। नि। सु। दधिध्वं। अखनंतः। उत्सं॥ कपृत्। नरः। क
६६ पृथं। उत्। दधातन। चोदयत। खुदत। वाजऽसातये॥ निष्टिऽग्र्यः। पुत्रं। आ। च्यवय।
ऊतये। इंद्रं। सऽबाधः। इह। सोमऽपीतये॥ १९॥ प्र। ते। रथं। मिथुऽकृतं। इंद्रः। अ
वतु। धृष्णुऽया॥ अस्मिन्। आजौ। पुरुऽहूत। श्रवाय्ये। धनऽभक्षेषु। नः। अव॥ उत।
स्म। वातः। वहति। वासः। अस्याः। अधिऽरथं। यत्। अजयत्। सहस्रं॥ रथीः। अ
भूत्। मुद्गलानी। गोऽइष्टौ। भरे। कृतं। वि। अचेत्। इंद्रऽसेना॥ अंतः। यच्छ। जि
घांसतः। वज्रं। इंद्र। अभिऽदासतः॥ दासस्य। वा। मघऽवन्। आर्यस्य। वा। सनु ६६
तः। यवय। वधं॥ उद्नः। ह्रदं। अपिबत्। जर्हृषाणः। कूटं। स्म। तृंहत्। अभिऽमा
तिं। एति। प्र। मुष्कऽभारः। श्रवः। इच्छमानः। अजिरं। बाहू इति। अभरत्। सिसा

सन्। नि। अक्रदयन्। उपऽयंतः। एनं। अमेहयन्। वृषभं। मध्ये। आजेः। तेन। सूभर्वं।
शतऽवत्। सहस्रं। गवां। मुद्गलः। प्रऽधने। जिगाय॥ ककर्दवे। वृषभः। युक्तः। आसी
त्। अवावचीत्। सारथिः। अस्य। केशी। दुधेः। युक्तस्य। द्रवतः। सह। अनसा। ऋच्छं
ति। स्म। निःऽपदः। मुद्गलानीं॥ २०॥ उत। प्रऽधिं। उत्। अहन्। अस्य। विद्वान्। उप। अ
युनक्। वंसगं। अत्र। शिक्षन्। इंद्रः। उत्। आवत्। पतिं। अघ्न्यानां। अरंहत। पद्याभिः
। ककुत्ऽमान्॥ शुनं। अष्ट्राऽवी। अचरत्। कपर्दी। वरत्रायां। दारु। आऽनह्यमानः॥
नृम्णानि। कृण्वन्। बहवे। जनाय। गाः। पस्पशानः। तविषीः। अधत्त। इमं। तं। पश्य।
वृषभस्य। युंजं। काष्ठायाः। मध्ये। द्रुऽघनं। शयानं। येन। जिगाय। शतऽवत्। सहस्रं।
गवां। मुद्गलः। पृतनाऽज्येषु। आरे। अघा। कः। नु। इत्था। ददर्श। यं। युंजंति। तं। उं

प॰अ॰५ इति। आ। स्त्रापयंति। न। अस्मै। तृणं। न। उदकं। आ। भरंति। उत्ऽनरः। धुरः। वहंति। प्रऽदे
दिशत्। परिहृक्ताऽइव। पातिऽविद्धं। आनद्धं। पीप्याना। कूचक्रेणऽइव। सिंचन्। एषऽ
६७ एष्या। चित्। रथ्या। जयेम। सुऽमंगलं। सिनऽवत्। स्रस्तु। मातं। त्वं। विश्वस्य। जगतः।
चक्षुः। इंद्र। असि। चक्षुषः। वृषा। यत्। आजिं। वृषणा। सिसाससि। चोदयन्। वध्रिणा।
युजा॥ २१॥ आशुः। शिशानः। वृषभः। न। भीमः। घनाघनः। क्षोभणः। चर्षणीनां।
संऽक्रंदनः। अनिऽमिषः। एकऽवीरः। शतं। सेनाः। अजयत्। साकं। इंद्रः। संऽक्रंदने हरंब
न। अनिऽमिषेण। जिष्णुना। युत्ऽकारेण। दुःऽच्यवनेन। धृष्णुना। तत्। इंद्रेण। ६७
जयत। तत्। सहध्वं। युधः। नरः। इषुऽहस्तेन। वृष्णा। सः। इषुऽहस्तैः। सः। निषं
गिऽभिः। वशी। संऽस्रष्टा। सः। युधः। इंद्रः। गणेन। संसृष्टऽजित्। सोमऽपाः।

बाहुऽशर्धी। उग्रऽधन्वा। प्रतिऽहिताभिः। अस्ता। बृहस्पते। परि। दीय। रथेन। र
क्षःऽहा। अमित्रान्। अपऽबाधमानः। प्रऽभंजन्। सेनाः। प्रऽमृणः। युधा। जय
न्। अस्माकं। एधि। अविता। रथानां। बलऽविज्ञायः। स्थविरः। प्रऽवीरः। सह
स्वान्। वाजी। सहमानः। उग्रः। अभिऽवीरः। अभिऽसत्वा। सहःऽजाः।
जैत्रं। इंद्र। रथं। आ। तिष्ठ। गोऽवित्। गोत्रऽभिदं। गोऽविदं। वज्रऽबाहुं।
जयंतं। अज्म। प्रऽमृणंतं। ओजसा। इमं। सऽजाताः। अनु। वीरयध्वं।
इंद्रं। सखायः। अनु। सं। रभध्वं॥ २२॥ अभि। गोत्राणि। सहसा। गा
हमानः। अदयः। वीरः। शतऽमन्युः। इंद्रः। दुःऽच्यवनः। पृतनाषाट्। अ
युध्यः। अस्माकं। सेनाः। अवतु। प्र। युत्ऽसु। इंद्रः। आसां। नेता। बृह

प॰अ॰५ स्पतिः। दक्षिणा। यज्ञः। पुरः। एतु। सोमः। देवऽसेनानां। अभिऽभंजतीनां। ज
६८ यंतीनां। मरुतः। यंतु। अग्रं। इंद्रस्य। वृष्णः। वरुणस्य। राज्ञः। आदित्यानां। म
रुतां। शर्द्धः। उग्रं। महाऽमनसां। भुवनऽच्यवानां। घोषः। देवानां। जयतां।
उत्। अस्थात्। उत्। हर्षय। मघऽवन्। आयुधानि। उत्। सत्वनां। मामका
नां। मनांसि। उत्। वृत्रऽहन्। वाजिनां। वाजिनानि। उत्। रथानां। जयतां। यं
तु। घोषाः। अस्माकं। इंद्रः। संऽऋतेषु। ध्वजेषु। अस्माकं। याः। इषवः। ताः।
जयंतु। अस्माकं। वीराः। उत्ऽतरे। भवंतु। अस्मान्। ऊं इति। देवाः। अवत। देख
हवेषु। अमीषां। चित्तं। प्रतिऽलोभयंती। गृहाण। अंगानि। अप्वे। परा। इहि। ६८
अभि। प्र। इहि। निः। दह। हृत्ऽसु। शोकैः। ०। प्र। इत। जयत। नरः। इंद्रः। वः।

शर्म। यच्छतु। उग्राः। वः। संतु। बाहवः। अनाधृष्याः। यथा। असथ॥ २३॥ असावि।
सोमः। पुरुऽहूत। तुभ्यं। हरिऽभ्यां। यज्ञं। उप। याहि। तूयं। तुभ्यं। गिरः। विप्रऽवी
राः। इयानाः। धंदन्विरे। इंद्र। पिब। सुतस्य। अप्ऽसु। धूतस्य। हरिऽवः। पिब।
इह। नृऽभिः। सुतस्य। जठरं। पृणस्व। मिमिक्षुः। यं। अद्रयः। इंद्र। तुभ्यं। तु
तेभिः। वर्द्धस्व। मदं। उक्थऽवाहः। प्र। उग्रा। पीतिं। वृष्णे। इयर्मि। सत्यां। प्रऽ
ये। सुतस्य। हरिऽअश्व। तुभ्यं। इंद्र। धेनाभिः। इह। मादयस्व। धीभिः। वि
श्वाभिः। शच्या। गृणानः। ऊती। शचीऽवः। तव। वीर्येण। वयः। दधानाः। उशिजः। ऋ
तऽज्ञाः। प्रजाऽवत्। इंद्र। मनुषः। दुरोणे। तस्थुः। गृणंतः। सधऽमाद्यासः। पत्नी
निऽभिः। ते। हरिऽअश्व। सुऽस्तोताः। सुऽसुम्नस्य। पुरुऽरुचः। जनासः। मंहिष्ठा।

प॰अ॰५ ऊतिं । धिय॑ऽइतिरे । दधानाः । स्तोतारः । इंद्र । तव । सूनृताभिः ॥ २४ ॥ उप । ब्रह्माणि । ह
६१ रिऽवः । हरिऽभ्यां । सोमस्य । याहि । पीतये । सुतस्य । इंद्र । त्वा । यज्ञः । क्षममाणं
। आनट् । दाश्वान् । असि । अध्वरस्य । प्रऽकेतः । सहस्रऽवाजं । अभिमातिऽस
हं । सुतेऽरणं । मघऽवानं । सुऽवृक्तिं । उप । भूषंति । गिरः । अप्रतिऽइतं । इंद्रं । नम
स्याः । जरितुः । पनंत । सप्त । आपः । देवीः । सुऽरणाः । अमृक्ताः । याभिः । सिंधुं ।
अतरः । इंद्र । पूःऽभित् । नवतिं । स्रोत्याः । नव । च । स्रवंतीः । देवेभ्यः । गातुं । मनु
षे । च । विंदः । अपः । महीः । अभिऽशस्तेः । अमुंचः । अजागः । आसु । अधि । ६१
देवः । एकः । इंद्र । याः । त्वं । वृत्रऽतूर्ये । चकर्थ । ताभिः । विश्वऽआयुः । तन्वं । पु
पुष्याः । वीरेण्यः । क्रतुः । इंद्रः । सुऽशस्तिः । उत । अपि । धेना । पुरुऽहूतं । ईट्टे । आ

र्दयत् । वृत्रं । अकृणोत् । ऊं इति । लोकं । ससहे । शक्रः । पृतनाः । अभिष्टिः ॥ २५ ॥
कदा । वसो इति । स्तोत्रं । हर्यते । आ । अव । श्मशा । रुधत् । वारिति वाः । दीर्घं । सु
तं । वाताप्याय । हरी इति । यस्य । सुऽयुजा । विऽव्रता । वेः । अर्वंता । अनु । शेपा ।
उभा । रजी इति । न । केशिना । पतिः । दन् । अप । योः । इंद्रः । पापजे । आ । मर्त्तः ।
न । शश्रमाणः । बिभीऽवान् । शुभे । यत् । युयुजे । तविषीऽवान् । सचा । आयोः ।
इंद्रः । चर्केषे । आ । उपानसः । सपर्यन् । नदयोः । विऽव्रतयोः । शूरः । इंद्रः ।
अधि । यः । तस्थौ । केशऽवंता । व्यचस्वंता । न । पुष्टै । वनोति । शिप्राभ्यां । शि
प्रिणीऽवान् ॥ २६ ॥ प्र । अस्तौत् । ऋष्वऽओजाः । ऋष्वेभिः । ततक्ष । शूरः ।
शवसा । ऋभुः । न । क्रतुऽभिः । मातरिश्वा । वज्रं । यः । चक्रे । सुऽहनाय । द

पं॰ अ॰ ५ स्यवे। हिरीमशः। हिरीमान्। अरुतऽहनुः। अद्रुतं। न। रजः। अवं। नः। वृजिना। शि
७० शीहि। ऋचा। वनेम। अनर्वः। न। अव्रतेना। यज्ञः। ऋधक्। जोषति। त्विइति। ऊर्ध्वा।
यन्निति। त्रेतिनी। भूत्। यज्ञस्य। धूः। २ सु। सद्मन्। सऽजूः। नावं। स्वऽयशसं। स
चा। आयोः। श्रियेति। रश्मिः। उपऽसेचनी। भूत्। श्रिये। दर्विः। अरेपाः। यया।
स्वे। पात्रे। सिंचसे। उत्। शतं। वा। यत्। असुर्य। प्रति। त्वा। सुऽमित्रः। इत्था। अ
स्तौत्। दुःऽमित्रः। इत्था। अस्तौत्। आवः। यत्। दस्युऽहत्ये। कुत्सऽपुत्रं। प्र। ० हेरंब
कुत्सऽवत्सं॥ २७॥ इत्यष्टमाष्टके पंचमोऽध्यायः॥ ॥ॐ ३ म्॥ ॥ उभो। ७०
ऊंइति। नूनं। तत्। इत्। अर्थयेथे इति। वि। तन्वा येइति। धियः। वस्त्रा। अपसःऽ
इव। सध्रीचीना। यातवे। प्र। ईं। अजीगरिति। सुदिनाऽइव। पृक्षः। आ। तंसयेथे

इति। उशाराऽइव। फर्वरेषु। श्रयेथेइति। आयोगाऽइव। श्वात्र्या। शासुः। आ। दूतःऽदूताऽ
इव। हि। स्थः। यशसा। जनेषु। मा। अप। स्थातं। महिषाऽइव। अवऽपानात्। साकंऽयुजा।
शकुनस्यऽइव। पक्षा। पश्वाऽइव। चित्रा। यजुः। आ। गमिष्टं। अग्निःऽइव। देवऽयोः।
दीदिऽवांसा। परिज्मानाऽइव। यजथः। पुरुऽत्रा। उभा। पीइति। वः। अस्मेइति। अस्मे
राऽइव। पुत्रा। उग्राऽइव। ऋचा। नृपतीइवेति नृपतीऽइव। तुर्यै। इर्योऽइव। पुष्ट्यै।
किरणाऽइव। भुज्यै। श्रुष्टीवानाऽइव। हवं। आ। गमिष्टं। वंसगाऽइव। पूषर्या।
शिंबाता। मित्राऽइव। ऋता। शतरा। शातपंता। वाजाऽइव। उच्चा। वयसा। घर्म्येऽ
स्था। मेषाऽइव। इषा। सपर्या। पुरीषा॥ १॥ सृण्याऽइव। जर्भरीइति। तुर्फरीतू
इति। नैतोशाऽइव। तुर्फरीइति। पर्फरीका। उदन्यजाऽइव। जेमना। मदेरूइति।
ता। मे। जराय्वु। अजरं। मरायु। पत्त्राऽइव। चर्चरं। जारं। मरायु। क्षद्मऽइव। अर्थे

प०अ०६ षु। तर्त्तरीथः। उग्रा। ऋभू इति। न। आपत्। खरमऽज्रा। खरऽज्रुः। वायुः। न। पर्फर
७१ त्। क्षयत्। रयीणां। घर्माऽइव। मधु। जठरे। सनेरू इति। भगेऽअविता। तुर्फरी इ
ति। फारि। वा। अरं। पतराऽइव। चचरा। चंद्रऽनिर्निक्। मनःऽऋंगा। मनन्या। न। ज
ग्मी इति। बृहंताऽइव। गंभरेषु। प्रतिऽस्थां। पादाऽइव। गाधं। तरते। विदाथः। क
र्णाऽइव। शासुः। अनु। हि। स्मराथः। अंशाऽइव। नः। भजतं। चित्रं। अप्नः। आरं
गराऽइव। मधु। आ। ईरयेथे इति। सारघाऽइव। गवि। नीचीनऽबारे। कीना
राऽइव। स्वेदं। आऽसिस्विदाना। क्षामऽइव। ऊर्जा। सुयवसऽअदा। सचेथे इति।
ऋध्याम। स्तोमं। सनुयाम। वाजं। आ। नः। मंत्रं। सऽरथा। इह। उप। यातं। यशः।
न। पक्वं। मधु। गोषु। अंतः। आ। भूतऽअंशः। अश्विनोः। कामं। अप्राः॥ २॥ हेरंब
आविः। अभूत्। महि। माघोनं। एषां। विश्वं। जीवं। तमसः। निः। अमोचि। ७१

महि। ज्योतिः। पितृऽभिः। दत्तं। आ। अगात्। उरुः। पंथाः। दक्षिणायाः। अदर्शि। उच्चा।
दिवि। दक्षिणाऽवंतः। अस्थुः। ये। अश्वऽदाः। सह। ते। सूर्येण। हिरण्यऽदाः। अमृ
तऽत्वं। भजंते। वासःऽदाः। सोम। प्र। तिरंते। आयुः। देवी। पूर्तिः। दक्षिणा। देवऽ
यज्या। न। कवऽअरिभ्यः। नहि। ते। पृणंति। अथ। नरः। प्रयतऽदक्षिणासः। अवद्यऽ
भिया। बहवः। पृणंति। शतऽधारं। वायुं। अर्कं। स्वःऽविदं। नृऽचक्षसः। ते। अभि।
चक्षते। हविः। ये। पृणंति। प्र। च। यच्छंति। संऽगमे। ते। दक्षिणां। दुहते। सप्तऽमा
तरं। दक्षिणाऽवान्। प्रथमः। हूतः। एति। दक्षिणाऽवान्। ग्रामऽनीः। अग्रे। एति।
तं। एव। मन्ये। नृऽपतिं। जनानां। यः। प्रथमः। दक्षिणां। आऽविवाय॥ ३॥ तं।
एव। ऋषिं। तं। ऊं इति। ब्रह्माणं। आहुः। यज्ञऽन्यं। सामऽगां। उक्थऽशासं। सः।

प० अ० ६ शुक्रस्य। तन्वः। वेद। तिस्रः। यः। प्रथमः। दक्षिणया। रराध। दक्षिणा। अश्वं। दक्षिणा। गां। द
७२ दाति। दक्षिणा। चंद्रं। उत। यत्। हिरण्यं। दक्षिणा। अन्नं। वनुते। यः। नः। आत्मा। दक्षि
णां। वर्म। कृणुते। विऽजानन्। न। भोजाः। मम्रुः। न। निऽअर्थं। ईयुः। न। रिष्यंति। न। व्य
थंते। ह। भोजाः। इदं। यत्। विश्वं। भुवनं। स्वः। इति। स्वः। च। एतत्। सर्वं। दक्षिणा। ए
भ्यः। ददाति। भोजाः। जिग्युः। सुरभिं। योनिं। अग्रे। भोजाः। जिग्युः। वध्वं। या। सुऽ
वासाः। भोजाः। जिग्युः। अंतःऽपेयं। सुरायाः। भोजाः। जिग्युः। ये। अहूताः। हंव
प्रऽयंति। भोजाय। अश्वं। सं। मृजंति। आशुं। भोजाय। आस्ते। कन्या। शुंभ ७२
माना। भोजस्य। इदं। पुष्करिणीऽइव। वेश्म। परिऽकृतं। देवमानाऽइव। चि
त्रं। भोजं। अश्वाः। सुष्टुऽवाहः। वहंति। सुऽवृत्। रथः। वर्त्तते। दक्षिणायाः।

भोजं। देवासः। अवत। भरेषु। भोजः। शत्रून्। संऽअनीकेषु। जेता॥ ९॥ किं। इच्छंती। सरमा।
प्र। इदं। आनट्। दूरे। हि। अध्वा। जगुरिः। पराचैः। का। अस्मेऽहितिः। का। परिऽत
क्म्या। आसीत्। कथं। रसायाः। अतरः। पयांसि। इंद्रस्य। दूतीः। इषिता। चरामि।
महः। इच्छंती। पणयः। निऽधीन्। वः। अतिऽस्कदः। भियसा। तत्। नः। आव
त्। तथा। रसायाः। अतरं। पयांसि। कीदृङ्। इंद्रः। सरमे। का। दृशीका। यस्य। इदं। दूतीः
। असरः। पराकात्। आ। च। गच्छात्। मित्रं। एना। दधाम। अथ। गवां। गोऽपतिः। नः।
भवाति। ०। दभ्यं। दभत्। सः। ०। असरं। पराकात्। न। तं। गूहंति। स्रवतः। गभीराः।
हताः। इंद्रेण। पणयः। शयध्वे। इमाः। गावः। सरमे। याः। ऐच्छः। परि। दिवः। अंतान्।
सुऽभगे। पतंती। कः। ते। एनाः। अव। सृजात्। अयुध्वी। उत। अस्माकं। आयुधा। संति।

प॰ अ॰ ६ तिग्मा ॥ ५ ॥ असेन्या । वः । पणयः । वचांसि । अनिषव्याः । तन्वः । संतु । पापीः । अधृष्टः ।
७२ वः । एतवे । अस्तु । पंथाः । बृहस्पतिः । वः । उभया । न । मृळात् । अयं । निऽधिः । सरमे ।
अद्रिऽबुध्नः । गोभिः । अश्वेभिः । वसुऽभिः । निऽऋष्टः । रक्षंति । तं । पणयः । ये । सुऽ
गोपाः । रेकु । पदं । अलकं । आ । जगंथ । आ । इह । गमन् । ऋषयः । सोमऽशिताः ।
अयास्यः । अंगिरसः । नवऽग्वाः । ते । एतं । ऊर्वं । वि । भजंत । गोनां । अथ । एतत् ।
वचः । पणयः । वमन् । इत् । एव । च । त्वं । सरमे । आऽजगंथ । प्रऽबाधिता । सहसा ।
दैव्येन । स्वसारं । त्वा । कृणवै । मा । पुनः । गाः । अप । ते । गवां । सुऽभगे । भजाम । ७३
न । अहं । वेद । भ्रातृऽत्वं । नो इति । स्वसृऽत्वं । इंद्रः । विदुः । अंगिरसः । च । घोराः ।
गोऽकामाः । मे । अच्छदयन् । यत् । आयं । अप । अतः । इत । पणयः । वरीयः । वरीयः ।

य

दूरं । इत । पणयः । वरीयः । उत् । गावः । यंतु । मिनतीः । ऋतेन । बृहस्पतिः । याः । अवि
दत् । निऽगूळ्हाः । सोमः । ग्रावाणः । ऋषयः । च । विप्राः ॥ ६ ॥ ते । अवदन् । प्र
थमाः । ब्रह्मऽकिल्बिषे । अकूपारः । सलिलः । मातरिश्वा । वीळुऽहराः । तपः ।
उग्रः । मयःऽभूः । आपः । देवीः । प्रथमऽजाः । ऋतेन । सोमः । राजा । प्रथमः । ब्रह्मऽ
जायां । पुनः । इति । प्र । अयच्छत् । अहृणीयमानः । अनुऽअर्तिता । वरुणः । मि
त्रः । आसीत् । अग्निः । होता । हस्तऽगृह्य । आ । निनाय । हस्तेन । एव । ग्राह्यः । आऽधिः ।
अस्याः । ब्रह्मऽजाया । इयं । इति । च । इत् । अवोचन् । न । दूताय । प्रऽह्ये । तस्थे । ए
षा । तथा । राष्ट्रं । गुपितं । क्षत्रियस्य । देवाः । एतस्यां । अवदंत । पूर्वे । सप्तऽऋष
यः । तपसे । ये । निऽसेदुः । भीमा । जाया । ब्राह्मणस्य । उपऽनीता । दुःऽधां । दधाति ।

प॰अ॰ ६ परमे । विऽओमन् । ब्रह्मऽचारी । चरति । वेविषत् । विषः । सः । देवानां । भवति । ए
१४ कं । अंगं । तेन । जायां । अनु । अविंदत् । बृहस्पतिः । सोमेन । नीतां । जुह्वं । न । देवाः ।
पुनः । वै । देवाः । अददुः । पुनः । मनुष्याः । उत । राजानः । सत्यं । कृण्वानाः । ब्रह्मऽ
जायां । पुनः । ददुः । पुनःऽदाय । ब्रह्मऽजायां । कृत्वी । देवैः । निःऽकिल्बिषं । ऊ
र्जं । पृथिव्याः । भक्त्वाय । उरुऽगायं । उप । आसते ॥ ७ ॥ सम्ऽइद्धः । अद्य । म
नुषः । दुरोणे । देवः । देवान् । यजसि । जातऽवेदः । आ । च । वह । मित्रऽमहः । चिकि
त्वान् । त्वं । दूतः । कविः । असि । [illegible] । प्रऽचेताः । तनूऽनपात् । पथः । ऋतस्य । श्री
यानान् । मध्वा । सम्ऽअंजन् । स्वदय । सुऽजिह्व । मन्मानि । धीभिः । उत । यज्ञं । १४
ऋंधन् । देवऽत्रा । च । कृणुहि । अध्वरं । नः । आऽजुह्वानः । ईड्यः । वंद्यः । च । आ ।
याहि । अग्ने । वसुऽभिः । सऽजोषाः । त्वं । देवानां । असि । यह्व । होता । सः । एनान् ।

यक्षि । इषितः । यजीयान् । प्राचीनं । बर्हिः । प्रऽदिशा । पृथिव्याः । वस्तोः । अस्याः । वृज्य
ते । अग्रे । अह्नां । ० । देवेभ्यः । अदितये । स्योनं । व्यचस्वतीः । उर्विया । वि । श्रयंतां । पतिऽ
भ्यः । न । जनयः । शुंभमानाः । देवीः । द्वारः । बृहतीः । विश्वंऽइन्वाः । देवेभ्यः । भवत । सुप्रऽ
अयनाः ॥ ८ ॥ आ । सुस्वयंतीइति । यजतेइति । उपाकेइति । ० । दिव्येइति । योषणेइ
ति । बृहतीइति । सुरुक्मेइतिसुऽरुक्मे । अधि । श्रियं । शुक्रऽपिशं । दधानेइति । ० । सुऽ
वाचा । मिमाना । यज्ञं । मनुषः । यजध्यै । प्रऽचोदयंता । विदथेषु । कारूइति । प्राचीनं । ज्यो
तिः । प्रऽदिशा । दिशंता । आ । नः । यज्ञं । भारती । तूयं । एतु । इळा । मनुष्वत् । इह । चेतयंती ।
तिस्रः । देवीः । बर्हिः । आ । इदं । स्योनं । सरस्वती । सुऽअपसः । सदंतु । यः । इमेइति । द्या
वापृथिवीइति । जनित्रीइति । रूपैः । अपिंशत् । भुवनानि । विश्वा । तं । अद्य । होतः । इ
षितः । यजीयान् । देवं । त्वष्टारं । इह । यक्षि । विद्वान् । उपऽअवऽसृज । त्मन्या । सम्ऽअं
जन् । देवानां । पाथः । ऋतुऽथा । हवींषि । वनस्पतिः । शमिता । देवः । अग्निः । स्वदंतु ।

प॰अ॰६
७५

हव्यं । मधुना । घृतेन । सद्यः । जातः । वि । अमीमित । यज्ञं । अग्निः । देवानां । अभवत् । पुरःऽगाः
अस्य । होतुः । प्रऽदिशि । ऋतस्य । वाचि । स्वाहाऽकृतं । हविः । अदंतु । देवाः ॥ ९ ॥ मनीषि
णः । प्र । भरध्वं । मनीषां । यथाऽयथा । मतयः । संति । नृणां । इंद्रं । सत्यैः । आ । ईरयाम ।
कृतेभिः । सः । हि । वीरः । गिर्वणस्युः । विदानः । ऋतस्य । हि । सदसः । धीभिः । अद्योत् ।
सं । गार्ष्टेयः । वृषभः । गोभिः । आनट् । उत् । अतिष्ठत् । तविषेण । रवेण । महांति । चित् ।
सं । विव्याच । रजांसि । इंद्रः । किल । श्रुत्यै । अस्य । वेद । सः । हि । जिष्णुः । पथिऽकृत् । सूर्याय ।
आत् । मेनां । कृण्वन् । अच्युतः । भुवत् । गोः । पतिः । दिवः । सनऽजाः । अप्रतिऽइतः ॥ इंद्रो
मह्ना । महतः । अर्णवस्य । व्रता । अमिनात् । अंगिरःऽभिः । गृणानः । पुरूणि । चित् । नि । तता हेरंबश॥
न । रजांसि । दाधार । यः । धरुणं । सत्यऽताता ॥ इंद्रः । दिवः । प्रतिऽमानं । विश्वा । वेदाः । स ॥ ७५॥
वना । हंति । शुष्णं । महीं । चित् । द्यां । आ । अतनोत् । सूर्येण । चास्कंभ । चित् । स्कंभनेन ।
स्कभीयान् ॥ १० ॥ वज्रेण । हि । वृत्रऽहा । वृत्रं । अस्तः । अदेवस्य । शूशुवानस्य । मायाः ।

पृथिव्याः ।

वि । धृष्णो इति । अत्र । धृषता । जघंथ । अथ । अभवः । मघऽवन् । बाहुऽओजाः ॥ सचंत । य
त् । उषसः । सूर्येण । चित्रां । अस्य । केतवः । रां । अविंदन् । आ । यत् । नक्षत्रं । ददृशे । दिवः ।
न । पुनः । यतः । नकिः । अद्धा । नु । वेद । दूरं । किल । प्रथमाः । जग्मुः । आसां । इंद्रस्य । याः । प्रऽ
सवे । सस्रुः । आपः ॥ क्व । स्वित् । अग्रं । क्व । बुध्नः । आसां । आपः । मध्यं । क्व । वः । नूनं । अंतः ।
सृजः । सिंधून् । अहिना । जग्रसानान् । आत् । इत् । एताः । प्र । विविज्रे । जवेन । मुमुक्षमा
णाः । उत । याः । मुमुच्रे । अध । इत् । एताः । न । रमंते । निऽतिक्ताः ॥ सध्रीचीः । सिंधुं । उशतीःऽइ
जारः । व । आयन् । सनात् । आरिलः । पूःऽभित् । आसां । अस्तं । आ । ते । पार्थिवा । वसूनि । अ
स्मै इति । जग्मुः । सूनृताः । इंद्र । पूर्वीः ॥ ११ ॥ इंद्र । पिब । प्रतिऽकामं । सुतस्य । प्रातःऽसा
वः । तव । हि । पूर्वऽपीतिः । हर्षस्व । हंतवे । शूर । शत्रून् । उक्थेभिः । ते । वीर्या । प्र । ब्रवा
म ॥ यः । ते । रथः । मनसः । जवीयान् । आ । इंद्र । तेन । सोमऽपेयाय । याहि । तूयं । आ । ते ।

प॰ अ॰ ६ हरयः। प्र। द्रवंतु। येभिः। यासि। वृषऽभिः। मंदमानः। हरिऽवन्। वर्चसा। सूर्यस्य। श्रेष्ठैः।
१६ रूपैः। तन्वं। स्पर्शयस्व। अस्माभिः। इंद्र। सखिऽभिः। हुवानः। सध्रीचीनः। मादय
स्व। निऽसद्य। यस्य। त्यत्। ते। महिमानं। मदेषु। इमेइति। रोदसीइति। न। अविवित्क्तां। २मुहीइति।
तत्। ओकः। आ। हरिऽभिः। इंद्र। युक्तैः। प्रियेभिः। याहि। प्रियं। अन्नं। अच्छ। यस्य। श
श्वत्। पपिऽवान्। इंद्र। शत्रून्। अननुऽकृत्या। रण्या। चकर्थ। सः। ते। पुरंऽधिं। तविषीं।
इयर्ति। सः। ते। मदाय। सुतः। इंद्र। सोमः॥ १२ ॥ इदं। ते। पात्रं। सनऽवित्तं। इंद्र। पिब।
सोमं। एना। शतक्रतोइतिशतऽक्रतो। पूर्णः। आऽहावः। मदिरस्य। मध्वः। यं। विश्वे।
इत्। अभिऽहर्यंति। देवाः। वि। हि। त्वां। इंद्र। पुरुधा। जनासः। हितऽप्रयसः। वृषभ। हेरंब॰
ह्वयंते। अस्माकं। ते। मधुमत्ऽतमानि। इमा। भुवन्। सवना। तेषु। हर्य। प्र। ते। इंद्र। १६
पूर्व्याणि। प्र। नूनं। वीर्या। वोचं। प्रथमा। कृतानि। सतीनऽमन्युः। अश्रथयः। अद्रिं। सुऽवे
थ

दनां। अरूणोः। ब्रह्मणे। गां। नि। सु। सीद। गणऽपते। गणेषु। त्वां। आहुः। विप्रऽतमं। कवी
नां। न। ऋते। त्वत्। क्रियते। किं। चन। आरे। महां। अर्कं। मघऽवन्। चित्रं। अर्च। अभिऽ
ख्य। नः। मघऽवन्। नाधमानान्। सखे। बोधि। वसुऽपते। सखीनां। रणं। कृधि।
रणऽकृत्। सत्यऽशुष्म। अभक्ते। चित्। आ। भज। राये। अस्मान्॥ १३ ॥ तं। अ
स्य। द्यावापृथिवीइति। सऽचेतसा। विश्वेभिः। देवैः। अनु। शुष्मं। आवतां। यत्।
एत्। कृण्वानः। महिमानं। इंद्रियं। पीत्वी। सोमस्य। क्रतुऽमान्। अवर्द्धत। तं। अ
स्य। विष्णुः। महिमानं। ओजसा। अंशुं। दधन्वान्। मधुनः। वि। रप्शते। देवेभिः। इं
द्रः। मघऽवा। सयावऽभिः। वृत्रं। जघन्वान्। अभवत्। वरेण्यः। वृत्रेण। यत्।
अहिना। बिभ्रत्। आयुधा। संऽअस्थिथाः। युधये। शंसं। आऽविदे। विश्वे। ते।
अत्र। मरुतः। सह। त्मना। अवर्द्धन्। उग्र। महिमानं। इंद्रियं। जज्ञानः। एव। वि।

 अबाधत। स्वःऽभः। प्र। अपश्यत्। वीरः। अभि। पौंस्यं। रणं। अवृश्चत्। अद्रिं। अव।
 सऽस्यदः। स्रजत्। अस्तभ्नात्। नाकं। सुऽअपस्यया। पृथुं। आत्। इंद्रः। सत्रा। तवि
षीः। अपत्यत्। वरीयः। द्यावापृथिवी इति। अबाधत। अव। अभरत्। धृषितः। वज्रं। आयसं। शेवं। मित्राय। वरुणाय। दाशुषे॥ १४॥ इंद्रस्य। अत्र। तविषीभ्यः।
विऽरप्शिनः। ऋघायतः। अरंहयंत। मन्यवे। वृत्रं। यत्। पतः। उग्रः। वि। अवृश्चत्।
ओजसा। अपः। बिभ्रतं। तमसा। परिऽवृतं। या। वीर्याणि। प्रथमानि। कर्त्वा। म
मा हिऽत्वेभिः। यतनो। संऽईयतुः। ध्वांतं। तमः। अव। दध्वसे। हते। इंद्रः। मह्ना। पू
र्वऽहूतौ। अपत्यत। विश्वे। देवासः। अध। वृष्ण्यानि। ते। अवर्धयन्। सोमऽवत्या।
वचस्यया। रुद्धं। वृत्रं। अहिं। इंद्रस्य। हन्मना। अग्निः। न। जंभैः। तृषु। अन्नं। आवय
त्। भूरि। दक्षेभिः। वचनेभिः। ऋक्वऽभिः। सख्येभिः। सख्यानि। प्र। वोचत।

इंद्रः। धुनिं। च। चुमुरिं। च। दंभयन्। श्रद्धाऽमनस्या। शृणुते। दभीतये। त्वं। पुरूणि।
आ। भर। सुऽअश्व्या। येभिः। मंसे। निऽवचनानि। शंसन्। सुऽगेभिः। विश्वा। दुःऽ
इता। तरेम। विदोइति। सु। नः। उर्विया। गाधं। अद्य॥ १५॥ घर्मा। संऽअंता। त्रिऽ
वृतं। वि। आपतुः। तयोः। जुष्टिं। मातरिश्वा। जगाम। दिवः। पयः [illegible]। दिधिषा
णाः। अवेषन्। विदुः। देवाः। सहऽसामानं। अर्कं। तिस्रः। देष्ट्राय। निःऽऋतीः।
उप। आसते। दीर्घऽश्रुतः। वि। हि। जानंति। वह्नयः। तासां। नि। चिक्युः। कवयः।
निऽदानं। परेषु। याः। गुह्येषु। व्रतेषु। चतुःऽकपर्दा। युवतिः। सुऽपेशाः। घृतऽ
प्रतीका। वयुनानि। वस्ते। तस्यां। सुऽपर्णा। वृषणा। नि। सेदतुः। यत्र। देवाः। दधि
रे। भागऽधेयं। एकः। सुऽपर्णः। सः। समुद्रं। आ। विवेश। सः। इदं। विश्वं। भुवनं।
वि। चष्टे। तं। पाकेन। मनसा। अपश्यं। अंतितः। तं। माता। रेळ्हि। सः। ऊं इति। रे

प॰अ॰६ ७८ ळ्हि। मातरं। सुऽपर्णं। विप्राः। कवयः। वचःऽभिः। एकं। संतं। बहुधा। कल्पयंति।
छंदांसि। च। दधतः। अध्वरेषु। ग्रहान्। सोमस्य। मिमते। द्वादश॥ १६॥ षट्ऽ
त्रिंशान्। च। चतुरः। कल्पयंतः। छंदांसि। च। दधतः। आऽद्वादशं। यज्ञं। विऽमाय। क
वयः। मनीषा। ऋक्ऽसामाभ्यां। प्र। रथं। वर्त्तयंति। चतुःऽदश। अन्ये। महिमानः। अ
स्य। तं। धीराः। वाचा। प्र। नयंति। सप्त। आप्नानं। तीर्थं। कः। इह। प्र। वोचत्। येन। पथा।
प्रऽपिबंते। सुतस्य। सहस्रधा। पंचऽदशानि। उक्था। यावत्। द्यावापृथिवी इति।
तावत्। इत्। तत्। सहस्रधा। महिमानः। सहस्रं। यावत्। ब्रह्म। विऽस्थितं। तावती।
वाक्। कः। छंदसां। योगं। आ। वेद। धीरः। कः। धिष्ण्यां। प्रति। वाचं। पपाद। कं। ऋ हेरंब ७८
त्विजां। अष्टमं। शूरं। आहुः। हरी इति। इंद्रस्य। नि। चिकाय। कः। स्वित्। भूम्याः।
अंतं। परि। एके। चरंति। रथस्य। धूःऽसु। युक्तासः। अस्थुः। श्रमस्य। दायं। वि।

भजंति। एभ्यः। यदा। यमः। भवति। हर्म्ये। हितः॥ १७॥ चित्रः। इत्। शिशोः। तरुणस्य।
वक्षथः। न। यः। मातरौ। अपिऽएति। धातवे। अनूधाः। यदि। जीजनत्। अध। च। नु।
ववक्ष। सद्यः। महि। दूत्यं। चरन्। अग्निः। ह। नाम। धायि। दन्। अपःऽतमः। सं।
यः। वना। युवते। भस्मना। दता। अभिऽप्रमुरा। जुह्वा। सुऽअध्वरः। इनः। न। प्रोथमानः। य
वसे। वृषा। तं। वः। विं। न। द्रुऽसदं। देवं। अंधसः। इंदुं। प्रोथंतं। प्रऽवपंतं। अर्णवं। आसा।
वह्निं। न। शोचिषा। विऽरप्शिनं। महिऽव्रतं। न। सरजंतं। अध्वनः। वि। यस्य। ते। ज्र
यसानस्य। अजर। धक्षोः। न। वाताः। परि। संति। अच्युताः। आ। रण्वासः। युयुध
यः। न। सत्वनं। त्रितं। नशंत। प्र। शिषंतः। इष्टये। सः। इत्। अग्निः। कण्वऽतमः। क
ण्वऽसखा। अग्निः। पातु। गृणतः। अग्निः। सूरीन्। अग्निः। ददातु। तेषां। अवः।
नः॥ १८॥ वाजिन्ऽतमाय। सह्यसे। सुऽपित्र्य। तृषु। च्यवानः। अनु। जातऽवेदसे।

अनुऽदे। चित्। यः। धृषता। वरं। सते। महिनऽतमाय। धन्वना। इत्। अविष्यते। एव।
अग्निः। मर्तैः। सह। सूरिऽभिः। वसुः। स्तवे। सहसः। सूनरः। नृऽभिः। मित्रासः। न।
ये। सुऽधिताः। ऋतऽयवः। द्यावः। न। द्युम्नैः। अभि। संति। मानुषान्। ऊर्जः। नपात्।
सहसाऽवन्। इति। त्वा। उपऽस्तुतस्य। वंदते। वृषा। वाक्। ०इति। त्वा। अग्ने। वृष्टिऽ
हव्यस्य। पुत्राः। उपऽस्तुतासः। ऋषयः। अवोचन्। तान्। च। पाहि। गृणतः। च।
सूरीन्। वषट्। वषट्। इति। ऊर्ध्वासः। अनक्षन्। नमः। नमः। ०॥ १९॥ पिब। सो
मं। महते। इंद्रियाय। पिब। वृत्राय। हंतवे। शविष्ठ। पिब। राये। शवसे। हूयमानः।
पिब। मध्वः। तृपत्। इंद्र। आ। वृषस्व। अस्य। पिब। क्षुऽमतः। प्रऽस्थितस्य। इं
द्र। सोमस्य। वरं। आ। सुतस्य। स्वस्तिऽदाः। मनसा। मादयस्व। अर्वाचीनः। रेवते।
सौभगाय। ममत्तु। त्वा। दिव्यः। सोमः। इंद्र। ममत्तु। यः। सूयते। पार्थिवेषु। ममत्तु।

येन। वरिवः। चकर्थ। ममत्तु। येन। निऽरिणासि। शत्रून्। आ। द्विऽबर्हाः। अमिनः। यातु। इंद्रः।
वृषा। हरिऽभ्यां। परिऽसिक्तं। अंधः। गवि। आ। सुतस्य। प्रऽभृतस्य। मध्वः। सत्रा। खे
दां। अरुशऽहा। आ। वृषस्व। नि। तिग्मानि। भ्राशयन्। भ्राश्यानि। ०उग्राय। ते। सहः।
बलं। ददामि। प्रतिऽइत्य। शत्रून्। विऽगदेषु। वृश्च॥ २०॥ वि। अर्यः। इंद्र। तनुहि। श्र
वांसि। ओजः। स्थिराऽइव। धन्वनः। अभिऽमातीः। अस्मद्र्यक्। ववृधानः। सहःऽभिः।
अनिऽभृष्टः। तन्वं। ववृधस्व। इदं। हविः। मघऽवन्। तुभ्यं। रातं। प्रति। संऽराट्। अहृ
णानः। गृभाय। तुभ्यं। सुतः। मघऽवन्। तुभ्यं। पक्वः। अद्धि। इंद्र। पिब। च। प्रऽस्थित
स्य। अद्धि। इत्। इंद्र। प्रऽस्थिता। इमा। हवींषि। चनः। दधिष्व। पचता। उत। सोमं। प्रयस्वं
तः। प्रति। हर्यामसि। त्वा। सत्याः। संतु। यजमानस्य। कामाः। प्र। इंद्राग्निऽभ्यां। सुऽवच
स्यां। इयर्मि। सिंधौऽइव। प्र। ईरयं। नावं। अर्कैः। अयाःऽइव। परि। चरंति। देवाः। ये।

प॰अ॰८ अस्मभ्यं।धनऽदाः।उत।ऽभिदः।च॥ २१ ॥न।वै।उँइति।देवाः।क्षुधं।इत्।वधं।ददुः।उत।
॥८०॥ आशितं। उप।गच्छंति।मृत्यवः।उतोइति।रयिः।पृणतः।न।उप।दस्यति।उत।
अपृणन्।मर्डितारं।न।विंदते।यः।आध्राय।चकमानाय।पित्वः।अंनऽवान्।
संन्।रफिताय।उपऽजग्मुषे।स्थिरं।मनः।कृणुते।सेवते।पुरा।उतोइति।चित्।
सः।मर्डितारं।न।विंदते।सः।इत्।भोजः।यः।गृहवे।ददाति।अंनऽकामाय।
चरते।कृशाय।अरं।अस्मै।भवति।यामऽहूतौ।उत।अपरीषु।कृणुते।सखा
यं।न।सः।सखा।यः।न।ददाति।सख्ये।सचाऽभुवे।सचमानाय।पित्वः।अप। हेरंब४
अस्मात्।प्र।इयात्।न।तत्।ओकः।अस्ति।पृणंतं।अन्यं।अरणं।चित्।इछं
त्।पृणीयात्।इत्।नाधमानाय।तव्यान्।द्राघीयांसं।अनु।पश्येत।पंथां। ॥८०॥
ओइति।हि।वर्तंते।रथ्याऽइव।चक्रा।अन्यंऽअन्यं।उप।तिष्ठंत।रायः॥ २२ ॥

मोघं।अंनं।विंदते।अप्रऽचेताः।सत्यं।ब्रवीमि।वधः।इत्।सः।तस्य।न।अर्यमणं।पुष्य
ति।नोइति।सखायं।केवलऽअघः।भवति।केवलऽआदी।कृषन्।इत्।फालः।आ
शितं।कृणोति।यन्।अध्वानं।अप।वृंक्ते।चरित्रैः।वदन्।ब्रह्मा।अवदतः।वनीया
न्।पृणन्।आपिः।अपृणंतं।अभि।स्यात्।एकऽपात्।भूयः।द्विऽपदः।द्विऽपदः।वि।
चक्रमे।द्विऽपात्।त्रिऽपादं।अभि।एति।पश्चात्।चतुःऽपात्।एति।द्विऽपदां।
अभिऽस्वरे।संऽपश्यन्।पङ्क्तीः।उपऽतिष्ठमानः।समौ।चित्।हस्तौ।न।समं।विविष्टः।
संऽमातरा।चित्।न।समं।दुहातेइति।यमयोः।चित्।न।समा।वीर्याणि।ज्ञाती।इ
ति।चित्।संतौ।न।समं।पृणीतः॥ २३ ॥अग्ने।हंसि।नि।अत्रिणं।दीद्यत्।मर्त्ये
षु।आ।स्वे।क्षये।शुचिऽव्रत॥उत।निषसि।सुऽआहुतः।घृतानि।प्रति।मोदसे।य
त्।वा।स्रुचः।संऽअस्थिरन्।सः।आऽहुतः।वि।रोचते।अग्निः।ईळेन्यः।गिरा।स्रुचा।

प०अ०६ प्रतीकं।अज्यते।घृतेन।अग्निः।सं।अज्यते।मधुऽप्रतीकः।आऽहुतः।रोचमानः।विभाऽ
८१ वसुः।नरमाणः।सं।इध्यसे।देवेभ्यः।हव्यऽवाहन।तं।त्वा।हवंत।मर्त्याः॥ २४॥
तं।मर्त्ताः।अमर्त्यं।घृतेन।अग्निं।सपर्यत।अदाभ्यं।गृहऽपतिं।अदाभ्येन।शो
चिषा।अग्ने।रक्षः।त्वं।दह।गोपाः।ऋतस्य।दीदिहि।सः।त्वं।अग्ने।प्रतीकेन।प्रति।
ओष।यातुऽधान्यः।उरुऽक्षयेषु।दीद्यत्।तं।त्वा।गीः।रभिः।उरुऽक्षयाः।हव्यऽवाह
सां।ईधिरे।यजिष्ठं।मानुषे।जने॥ २५॥इति।वै।इति।मे।मनः।गां।अश्वं।सनुयां।
इति।कुवित्।सोमस्य।अपां।इति।प्र।वाताः।इव।दोधतः।उत्।मा।पीताः।अयंस
त।०।रथं।अश्वाःऽइव।आशवः।०।उप।मा।मतिः।अस्थित।वाश्रा।पुत्रंऽइव।प्रियं हेरंब० ८१
।०।अहं।तष्टाऽइव।वंधुरं।परि।अचामि।हृदा।मतिं।०।नहि।मे।अक्षिऽपत्।चन।
अच्छांत्सुः।पंच।कृष्टयः।०॥ २६॥नहि।मे।रोदसीइति।उभेइति।अन्यं।पक्षं।

चन।प्रति।०।अभि।द्यां।महिना।भुवं।अभि।इमां।पृथिवीं।महीं।०।हंत।अहं।
पृथिवीं।इमां।नि।दधानि।इह।वा।इह।वा।०।ओषं।इत्।पृथिवीं।अहं।जंघना
नि।०।दिवि।मे।अन्यः।पक्षः।अधः।अन्यं।अचीकृषं।०।अहं।अस्मि।महाऽ
महः।अभिऽनभ्यं।उत्ऽईषितः।०।गृहः।यामि।अरंऽकृतः।देवेभ्यः।हव्यऽ
वाहनः।०॥ २७॥ ॥इत्यष्टमाष्टके पष्ठोध्यायः॥ ॥हरिः ॐ ॥ तत्।इ
त्।आस।भुवनेषु।ज्येष्ठं।यतः।जज्ञे।उग्रः।त्वेषऽनृम्णः।सद्यः।जज्ञानः।नि।
रिणाति।शत्रून्।अनु।यं।विश्वे।मदंति।ऊमाः।ववृधानः।शवसा।भूरिऽओ
जाः।शत्रुः।दासाय।भियसं।दधाति।अविऽअनत्।च।विऽअनत्।च।सस्नि।
सं।ते।नवंत।प्रऽभृता।मदेषु।त्वेइति।अपि।क्रतुं।हजंति।विश्वे।द्विः।य
त्।एते।त्रिः।भवंति।ऊमाः।स्वादोः।स्वादीयः।स्वादुना।सृज।सं।अदः।सु।

मधु। मधुना। अभि। योधीः। इति। चित्। हि। त्वा। धना। जयंतं। मदे॑ऽमदे। अनुऽम
दंति। विप्राः। ओजीयः। धृष्णो इति। स्थिरं। आ। तनुष्व। मा। त्वा। दभन्। यातुऽधा
नाः। दुःऽएवाः। त्वया। वयं। शाशद्महे। रणेषु। प्रऽपश्यंतः। युधेन्यानि। भूरि। चो
दयामि। ते। आयुधा। वचःऽभिः। सं। ते। शिशामि। ब्रह्मणा। वयांसि॥ १॥॥
स्तुषेय्यं। पुरुऽवर्पसं। ऋभ्वं। इनऽतमं। आप्त्यं। आप्त्यानां। आ। दर्षति। शवसा।
सप्त। दानून्। प्र। साक्षते। प्रतिऽमानानि। भूरि। नि। तत्। दधिषे। अवरं। परं।
च। यस्मिन्। आविथ। अवसा। दुरोणे। आ। मातरा। स्थापयसे। जिगत्नू इति।
अतः। इनोषि। कर्वरा। पुरूणि। इमा। ब्रह्म। बृहत्ऽदिवः। विवक्ति। इंद्राय। शू हेरंबः
षं। अग्रियः। स्वःऽसाः। महः। गोत्रस्य। क्षयति। स्वऽराजः। ०। एव। महान्। ८२
बृहत्ऽदिवः। अथर्वा। अवोचत्। स्वां। तन्वं। इंद्रं। एव। स्वसारः। मातरिभ्वरीः।

अरिप्राः। हिन्वंति। च। शवसा। वर्धयंति। च॥ २॥ हिरण्यऽगर्भः। सं। अवर्तत। अ
ग्रे। भूतस्य। जातः। पतिः। एकः। आसीत्। सः। दाधार। पृथिवीं। द्यां। इमां। उत। क
स्मै। देवाय। हविषा। विधेम। यः। आत्मऽदाः। बलऽदाः। यस्य। विश्वे। उपऽआसते।
प्रऽशिषं। यस्य। देवाः। यस्य। छाया। अमृतं। यस्य। मृत्युः। ०। यः। प्राणतः। निऽ
मिषतः। महित्वा। एकः। इत्। राजा। जगतः। बभूव। यः। ईशे। द्विऽपदः। चतुःऽप भस्य।
दः। ०। यस्य। इमे। हिमऽवंतः। महिऽत्वा। यस्य। समुद्रं। रसया। सह। आहुः।
यस्य। इमाः। प्रऽदिशः। यस्य। बाहू इति। ०। येन। द्यौः। उग्रा। पृथिवी। च। दृ
ळ्हा। येन। स्वरिति स्वः। स्तभितं। येन। नाकः। यः। अंतरिक्षे। रजसः। विऽ
मानः। ०॥ ३॥ यं। क्रंदसी इति। अवसा। तस्तभाने इति। अभि। ऐक्षेतां। मन
सा। रेजमाने इति। यत्र। अधि। सूरः। उतऽइतः। विऽभाति। ०। आपः। ह। यत्।

प०अ०१ बृहतीः। विश्वं। आयन्। गर्भं। दधानाः। जनयंतीः। अग्निं। ततः। देवानां। सं।
८३ अवर्त्तत। असुः। एकः। ०। यः। चित्। आपः। महिना। परिऽअपश्यत्। दक्षं।
दधानाः। जनयंतीः। यज्ञं। यः। देवेषु। अधि। देवः। एकः। आसीत्। ०। मा। नः।
हिंसीत्। जनिता। यः। पृथिव्याः। यः। वा। दिवं। सत्यऽधर्मा। जजान। यः। च।
अपः। चंद्राः। बृहतीः। जजान। ०। प्रजापते न त्वदेतान्यन्यो विश्वा जातानि
परिता बभूव॥ यत्कामास्ते जुहुमस्तन्नो अस्तु वयं स्याम पतयो रयीणां।
॥ ४ ॥ वसुं। न। चित्रऽमहसं। गृणीषे। वामं। शेवं। अतिथिं। अद्विषेण्यं।
सः। रासते। शुरुधः। विश्वऽधायसः। अग्निः। होता। गृहऽपतिः। सुऽवीर्यं। हेरंबः
जुषाणः। अग्ने। प्रति। हर्य। मे। वचः। विश्वानि। विद्वान्। वयुनानि। सुक्र ८३
तो इति सुऽक्रतो। घृतऽनिर्णिक्। ब्रह्मणे। गातुं। आ। ईरय। तव। देवाः।

अजनयन्। अनु। व्रतं। सप्त। धामानि। परिऽयन्। अमर्त्यः। दाशत्। दाशुषे। सुऽ
कृते। ममहस्व। सुऽवीरेण। रयिणा। अग्ने। सुऽआभुवा। यः। ते। आनट्। संऽइ
धां। तं। जुषस्व। ०। हविष्मंतः। ईळते। सप्त। वाजिनं। शृण्वंतं। अग्निं। घृतऽपृ
ष्ठं। उक्षणं। पृणंतं। देवं। पृणते। सुऽवीर्यं। त्वं। दूतः। प्रथमः। वरेण्यः। सः। हूयमा
नः। अमृताय। मत्स्व। त्वां। मर्जयन्। मरुतः। दाशुषः। गृहे। त्वां। स्तोमेभिः। भृ
गवः। वि। रुरुचुः॥ ५॥ इषं। दुहन्। सुऽदुघां। विश्वऽधायसं। यज्ञऽप्रिये।
यजमानाय। सुक्रतो इति सुऽक्रतो। अग्ने। घृतऽस्नुः। त्रिः। ऋतानि। दीद्यत्।
वर्त्तिः। यज्ञं। परिऽयन्। सुक्रतुऽयसे। त्वां। दूतं। अस्याः। उषसः। विऽउष्टि
षु। दूतं। कृण्वानाः। अयजंत। मानुषाः। त्वां। देवाः। महयाय्याय। वावृधुः। आ
ज्यं। अग्ने। निऽमृजंतः। अध्वरे। नि। त्वा। वसिष्ठाः। अह्वंत। वाजिनं। गृणंतः।

अग्ने। विदथेषु। विधसः ।०। धारय ।०॥ ६ ॥ अयं। वेनः। चोदयत्। पृश्निऽगर्भाः।
ज्योतिःऽजरायुः। रजसः। विऽमाने। इमं। अपां। संऽगमे। सूर्यस्य। शिशुं। न। वि
प्राः। मतिऽभिः। रिहंति। समुद्रात्। ऊर्मिं। उत्। इयर्ति। वेनः। नभःऽजाः। पृष्ठं।
हर्यतस्य। दर्शि। ऋतस्य। सानौ। अधि। विष्टपि। भ्राट्। समानं। योनिं। अभि।
अनूषत। व्राः। समानं। पूर्वीः। अभि। वावशानाः। तिष्ठन्। वत्सस्य। मातरः। सऽ
नीळाः ।०। चक्रमाणाः। रिहंति। मध्वः। अमृतस्य। वाणीः। जानंतः। रूपं। अ
कृपंत। विप्राः। मृगस्य। घोषं। महिषस्य। हि। ग्मन्। ऋतेन। यंतः। अधि। सिं
धुं। अस्थुः। विदत्। गंधर्वः। अमृतानि। नाम। अप्सराः। जारं। उपऽसिष्मिया
णा। योषा। बिभर्ति। परमे। विऽओमन्। चरत्। प्रियस्य। योनिषु। प्रियः। सन्।
सीदत्। पक्षे। हिरण्यये। सः। वेनः ॥ ७ ॥ नाके। सुऽपर्णं। उप। यत्। पतंतं। हृदा।

वेनंतः। अभि। अचक्षत। त्वा। हिरण्यऽपक्षं। वरुणस्य। दूतं। यमस्य। योनौ। शकु
नं। भुरण्युं ।०। प्रत्यङ्। चित्रा। बिभ्रत्। अस्य। आयुधानि ।०। नाम। जनत। प्रि
याणि। द्रप्सः। समुद्रं। अभि। यत्। जिगाति। पश्यन्। गृध्रस्य। चक्षसा। विऽ
धर्मन् ।०। चकानः। तृतीये। चक्रे। रजसि। प्रियाणि ॥ ८ ॥ इमं। नः। अग्ने।
उप। यज्ञं। आ। इहि। पंचऽयामं। त्रिऽवृतं। सप्तऽतंतुं। असः। हव्यऽवाट्।
उत। नः। पुरःऽगाः। ज्योक्। एव। दीर्घं। तमः। आ। अशयिष्ठाः। अदेवात्। दे
वः। प्रऽचता। गुहा। यन्। प्रऽपश्यमानः। अमृतऽत्वं। एमि। शिवं। यत्। सं
तं। अशिवः। जहामि। स्वात्। सख्यात्। अरणीं। नाभिं। एमि। पश्यन्।
अन्यस्याः। अतिथिं। वयायाः। ऋतस्य। धाम। वि। मिमे। पुरूणि। शं
सामि। पित्रे। असुराय। शेवं। अयज्ञियात्। यज्ञियं। भागं। एमि। बह्वीः।

प०अ०७ समाः। अकरं। अंतः। अस्मिन्। इंद्रं। वृणानः। पितरं। जहामि। अग्निः। सो
८५ मः। वरुणः। ते। च्यवंते। परिऽआवर्त्। राष्ट्रं। तत्। अवामि। आऽयन्। निःऽर
मायाः। उं इति। त्ये। असुराः। अभूवन्। त्वं। च। मा। वरुण। कामयासे। ऋ
तेन। राजन्। अनृतं। विऽविंचन्। मम। राष्ट्रस्य। आधिऽपत्यं। आ। इहि॥ ५॥
इदं। स्वः। इदं। इत्। आस। वामं। अयं। प्रऽकाशः। उरु। अंतरिक्षं। हनाव।
वृत्रं। निःऽएहि। सोम। हविः। त्वा। संतं। हविषा। यजाम। कविः। कविऽत्वा।
दिवि। रूपं। आ। असजत्। अप्रऽभूती। वरुणः। निः। अपः। सृजत्। क्षेमं। हेरंब
ना कृण्वानाः। जनयः। न। सिंधवः। ताः। अस्य। वर्णं। शुचयः। भरिभ्रति। ताः। ८५
अस्याः ज्येष्ठं। इंद्रियं। सचंते। ताः। ईं। आ। क्षेति। स्वधया। मदंतीः। ताः॥

ईं। विशः। न। राजानं। वृणानाः। बीभत्सुवः। अप। वृत्रात्। अतिष्ठन्। बीभ
त्सूनां। सऽयुजं। हंसं। आहुः। अपां। दिव्यानां। सख्ये। चरंतं। अनुऽस्तुभं। अ
नु। चर्चूर्यमाणं। इंद्रं। नि। चिक्युः। कवयः। मनीषा॥ १०॥ अहं। रुद्रेभिः। व
सुऽभिः। चरामि। अहं। आदित्यैः। उत। विश्वऽदेवैः। अहं। मित्रावरुणा। उभा।
बिभर्मि। अहं। इंद्राग्नी इति। अहं। अश्विना। उभा। अहं। सोमं। आहनसं।
बिभर्मि। अहं। त्वष्टारं। उत। पूषणं। भगं। अहं। दधामि। द्रविणं। हविष्मते॥
सुप्रऽअव्ये। यजमानाय। सुन्वते। अहं। राष्ट्री। संऽगमनी। वसूनां। चिकितु
षी। प्रथमा। यज्ञियानां। तां। मा। देवाः। वि। अदधुः। पुरुऽत्रा। भूरिऽस्थात्रां।
भूरि। आऽवेशयंतीं। मया। सः। अन्नं। अत्ति। यः। विऽपश्यति। यः। प्राणिति।
यः। ईं। शृणोति। उक्तं। अमंतवः। मां। ते। उप। क्षियंति। श्रुधि। श्रुत। श्रद्धिऽ

प०अ०७ वंति। वदामि। अहं। एव। स्वयं। इदं। वदामि। जुष्टं। देवेभिः। उत। मानुषेभिः। यं।
कामये। तंऽतं। उग्रं। कृणोमि। तं। ब्रह्माणं। तं। ऋषिं। तं। सुऽमेधां॥ ११॥ अहं।
८६ रुद्राय। धनुः। आ। तनोमि। ब्रह्मऽद्विषे। शरवे। हंतवै। ऊंइति। अहं। जनाय। सऽ
मदं। कृणोमि। अहं। द्यावापृथिवीइति। आ। वि। वेश। अहं। सुवे। पितरं। अस्य।
मूर्द्धन्। मम। योनिः। अपऽसु। अंतरिति। समुद्रे। ततः। वि। तिष्ठे। भुवना। अनु।
विश्वा। उत। अमूं। द्यां। वर्ष्मणा। उप। स्पृशामि। अहं। एव। वातःऽइव। प्र। वामि।
आऽरभमाणा। भुवनानि। विश्वा।०। एतावती। महिना। सं। बभूव॥ १२॥ नं। हेरंब॥
तं। अंहः। न। दुःऽइतं। देवासः। अष्ट। मर्त्यं। सऽजोषसः। यं। अर्यमा। मित्रः। नयं ८६
ति। वरुणः। अति। द्विषः। तत्। हि। वयं। वृणीमहे।०। येन। निः। अंहसः। यूयं।

पाथ। नेथ। च। मर्त्यं। अति। द्विषः। ते। नूनं। नः। अयं। ऊतये।०। नयिष्ठाः। ऊंइति। नः।
नेषणि। पर्षिष्ठाः। ऊंइति। नः। पर्षणि। अति। द्विषः। यूयं। विश्वं। परि। पाथ।०॥
युष्माकं। शर्मणि। प्रिये। स्याम। सुऽप्रनीतयः। अति। द्विषः। आदित्यासः। अति।
स्रिधः।०। उग्रं। मरुत्ऽभिः। रुद्रं। हुवेम। इंद्रं। अग्निं। स्वस्तये। अति। द्विषः।
नेतारः। ऊंइति। सु। नः। तिरः।०। अति। विश्वानि। दुःऽइता। राजानः। चर्षणी
नां। अति। द्विषः। शुनं। अस्मभ्यं। ऊतये।०। शर्म। यच्छंतु। सऽप्रथः। आदित्या
सः। यत्। ईमहे। अति। द्विषः।०॥ १३॥ रात्री। वि। अख्यत्। आऽयती। पुरुऽ
त्रा। देवी। अक्षऽभिः। विश्वाः। अधि। श्रियः। अधित। आ। उरु। अप्राः। अम
र्त्या। निऽवतः। देवी। उत्ऽवतः। ज्योतिषा। बाधते। तमः। निः। ऊंइति। स्वसा

प०अ०७ रं। अस्कृत। उषसं। देवी। आऽयती। अप। इत्। ऊं इति। हासते। तमः। सा। नः। अद्य।
८१ यस्याः। वयं। नि। ते। यामन्। अविक्ष्महि। वृक्षे। न। वसतिं। वयः। नि। ग्रामासः। अवि
क्षत। नि। पत्ऽवंतः। नि। पक्षिणः। नि। श्येनासः। चित्। अर्थिनः। यवय। वृक्यं। वृकं।
यवय। स्तेनं। ऊर्म्ये। अथ। नः। सुऽतरा। भव। उप। मा। पेपिशत्। तमः। कृष्णं। विऽ
अक्तं। अस्थित। उषः। ऋणाऽइव। यातय। उप। ते। गाःऽइव। आ। अकरं। वृणी
ष्व। दुहितः। दिवः। रात्रि। स्तोमं। न। जिग्युषे॥ १४॥ मम। अग्ने। वर्चः। विऽहवे
षु। अस्तु। वयं। त्वा। इंधानाः। तन्वं। पुषेम। मह्यं। नमंतां। प्रऽदिशः। चतस्रः। हरंबरु-
त्वया। अधिऽअक्षेण। पृतनाः। जयेम॥ मम। देवाः। विऽहवे। संतु। सर्वे। इंद्रऽ
वंतः। मरुतः। विष्णुः। अग्निः। मम। अंतरिक्षं। उरुऽलोकं। अस्तु। मह्यं। वातः। ८१

पवतां। कामे। अस्मिन्। मयि। देवाः। द्रविणं। आ। यजंतां। मयि। आऽशीः। अस्तु। म
यि। देवऽहूतिः। दैव्याः। होतारः। वनुषंत। पूर्वे। अरिष्टाः। स्याम। तन्वा। सुऽवीराः।
मह्यं। यजंतु। मम। यानि। हव्या। आऽकूतिः। सत्या। मनसः। मे। अस्तु। एनः। मा।
नि। गां। कतमत्। चन। अहं। विश्वे। देवासः। अधि। वोचत। नः। देवीः। षट्। उ
र्वीः। उरु। नः। कृणोत। विश्वे। देवासः। इह। वीरयध्वं। मा। हास्महि। प्रऽजया। मा।
तनूभिः। मा। रधाम। द्विषते। सोम। राजन्॥ १५॥ अग्ने। मन्युं। प्रतिऽनुद
न्। परेषां। अदब्धः। गोपाः। परि। पाहि। नः। त्वं। प्रत्यंचः। यंतु। निऽगुतः। पुन
रिति। ते। अमा। एषां। प्रऽबुधां। चित्तं। वि। निऽनशत्॥ धाता। धातॄणां। भुवनस्य।
यः। पतिः। देवं। त्रातारं। अभिमातिऽसहं। इमं। यज्ञं। अश्विना। उभा। बृहस्प

प० अ० ७ तिः। दिवाः। पांतु। यजमानं। निऽअर्थात्। उरुऽव्यचाः। नः। महिषः। शर्म। यंसत्।
८८ अस्मिन्। हवे। पुरुऽहूतः। पुरुऽक्षुः। सः। नः। प्रऽजायै। हरिऽअश्व। मृळय। इंद्र
। मा। नः। रिरिषः। मा। परा। दाः। या। नः। सऽपत्नाः। अर्पाति। भवंतु। इंद्राग्निऽ
भ्यां। अव। बाधामहे। तान्। वसवः। रुद्राः। आदित्याः। उपरिऽस्पृशं। मा। उग्रं।
चेत्तारं। अधिऽराजं। अक्रन्॥ १६ ॥ न। असत्। आसीत्। नोइति। सत्। आ
सीत्। तदानीं। न। आसीत्। रजः। नोइति। विऽओम। परः। यत्। किं। आ। अ
वरीवरिति। कुह। कस्य। शर्मन्। अंभः। किं। आसीत्। गहनं। गभीरं। न। मृ हेरंबष
त्युः। आसीत्। अमृतं। न। तर्हि। न। रात्र्याः। अह्नः। आसीत्। प्रऽकेतः। आनी ८८
त्। अवातं। स्वधया। तत्। एकं। तस्मात्। ह। अन्यत्। न। परः। किं। चन। आ

स। तमः। आसीत्। तमसा। गूळ्हं। अग्रे। अप्रऽकेतं। सलिलं। सर्वं। आः। इदं। तु
च्छ्येन। आभु। अपिऽहितं। यत्। आसीत्। तपसः। तत्। महिना। अजायत। एकं।
कामः। तत्। अग्रे। सं। अवर्तत। अधि। मनसः। रेतः। प्रथमं। यत्। आसीत्। स
तः। बंधुं। असति। निः। अविंदन्। हृदि। प्रतिऽइष्य। कवयः। मनीषा। तिरश्ची॥
नः। विऽततः। रश्मिः। एषां। अधः। स्वित्। आसी३त्। उपरि। स्वित्। आसी३
त्। रेतःऽधाः। आसन्। महिमानः। आसन्। स्वधा। अवस्तात्। प्रऽयतिः।
परस्तात्। ॰। कुतः। आऽजाता। कुतः। इयं। विऽसृष्टिः। अर्वाक्। देवाः। अ
स्य। विऽसर्जनेन। अथ। कः। वेद। यतः। आऽबभूव। इयं। विऽसृष्टिः। यतः॥
आऽबभूव। यदि। वा। दधे। यदि। वा। न। यः। अस्य। अधिऽअक्षः। परमे। विऽ

प०अ०५ ओमन्।सः।अंग।वेद।नविद॥ १७ ॥यः।यज्ञः।विश्वतः।तंतुऽभिः।ततः।ए
८९ कऽशतं।देवऽकर्मेभिः।आऽयतः।इमे।वयंति।पितरः।ये।आऽययुः।प्र।वय।
अप।वय।इति।आसते।तते।पुमान्।एनं।तनुते।उत्।कृणत्ति।पुमान्।वि।
तत्ने।अधि।नाके।अस्मिन्।इमे।मयूखाः।उप।सेदुः।ऊं इति।सदः।सामा
नि।चक्रुः।तसराणि।ओतवे।का।आसीत्।प्रऽमा।प्रतिऽमा।किं।निऽदा
नं।आज्यं।किं।आसीत्।परिऽधिः।कः।आसीत्।छंदः।किं।आसीत्।प्रउ
गं।किं।उक्थं।यत्।देवाः।देवं।अयजंत।विश्वे।अग्नेः।गायत्री।अभवत्। हेरंबः
सऽयुग्वा।उष्णिहया।सविता।सं।बभूव।अनुऽस्तुभा।सोमः।उक्थैः।म ८९
हस्वान्।बृहस्पतेः।बृहती।वाचं।आवत्।विऽराट्।मित्रावरुणयोः।अ

भिऽश्रीः।इंद्रस्य।त्रिऽस्तुप्।इह।भागः।अह्नः।विश्वान्।देवान्।जगती।
आ।विवेश।तेन।चाकॢप्रे।ऋषयः।मनुष्याः।चाकॢप्रे।तेन।ऋषयः।मनुष्याः
।यज्ञे।जाते।पितरः।नः।पुराणे।पश्यन्।मन्ये।मनसा।चक्षसा।तान्।ये।
इमं।यज्ञं।अयजंत।पूर्वे।सहऽस्तोमाः।सहऽछंदसः।आऽवृतः।सहऽ
प्रमाः।ऋषयः।सप्त।दैव्याः।पूर्वेषां।पंथां।अनुऽदृश्य।धीराः।अनुऽ
आलेभिरे।रथ्यः।न।रश्मीन्॥ १८ ॥अप।प्राचः।इंद्र।विश्वान्।अमि
त्रान्।अप।अपाचः।अभिऽभूते।नुदस्व।अप।उदीचः।अप।शूर।अ
धराचः।उरौ।यथा।तव।शर्मन्।मदेम।कुवित्।अंग।यवऽमंतः।य
वं।चित्।यथा।दांति।अनुऽपूर्वं।विऽयूय।इहऽइह।कृणुहि।एषां।भो
जनानि।ये।बर्हिषः।नमःऽवृक्तिं।न।जग्मुः।नहि।स्थूरि।ऋतुऽथा।यातं।

प०अ०७ अस्ति। न। उत। श्रवः। विश्वऽविदे। संऽगमेषु॥ ०॥ युवं। सुरामं। अश्विना। नमुचौ।
९१ आसुरे। सचा। विऽपिपाना। शुभः। पती इति। इंद्रं। कर्मऽसु। आवतं। पुत्रंऽइव।
पितरौ। अश्विनौ। उभा। इंद्र। आवथुः। काव्यैः। दंसनाभिः। यत्। सुरामं। वि।
अपिबः। शचीभिः। सरस्वती। त्वा। मघऽवन्। अभिष्णक्॥ ०॥ १९॥ ईजानं।
इत्। द्यौः। गूर्त्तऽवसुः। ईजानं। भूमिः। अभि। प्रऽभूषणि। ईजानं। देवौ। अश्वि
नौ। अभि। सुम्नैः। अवर्द्धतां। ता। वां। मित्रावरुणा। धारयत्क्षिती इति धारयत्ऽ
क्षिती। सुऽसुम्ना। इषितत्वता। यजामसि। युवोः। क्राणाय। सख्यैः। अभि। हरंवक्ष
स्याम। रक्षसः। अध। चित्। नु। यत्। दिधिषामहे। वां। अभि। प्रियं। रेक्णः। ९०
पत्यमानाः। ददान्। वा। यत्। पुष्यति। रेक्णः। सं। ऊं इति। आरन्। नकिः। अ
स्य। मघानि। असौ। अन्यः। असुर। सूयत। द्यौः। ०। मूर्द्धा। रथस्य। चाकन्।

न। एतावता। एनसा। अंतकऽध्रुक्। अस्मिन्। सु। एतत्। शकऽपूते। एनः। हिते। मि
त्रे। निऽगतान्। हंति। वीरान्। अवोः। वा। यत्। धात्। तनूषु। अवः। प्रियासु। यज्ञि
यासु। अर्वा। युवोः। हि। माता। अदितिः। विऽचेतसा। द्यौः। न। भूमिः। पयसा। पुपू
तनि। अव। प्रिया। दिदिष्टन। सूरः। निनिक्त। रश्मिऽभिः। युवं। हि। अप्नःऽराजौ।
असीदतं। तिष्ठत्। रथं। न। धूःऽसदं। वनऽसदं। ता। नः। कणूकऽयंतीः। नृऽमे
धः। तत्रे। अंहसः। सुऽमेधः। तत्रे। अंहसः॥ २०॥ प्रोइति। सु। अस्मै। पुरःऽरथं।
इंद्राय। शूषं। अर्चत। अभीके। चित्। ऊं इति। लोकऽकृत्। संऽगे। समत्ऽसु। वृ
त्रऽहा। अस्माकं। बोधि। चोदिता। नभंतां। अन्यकेषां। ज्याकाः। अधि। धन्वऽ
सु। त्वं। सिंधून्। अव। असृजः। अधराचः। अहन्। अहिं। अशत्रुः। इंद्र। जज्ञि
षे। विश्वं। पुष्यसि। वार्यं। तं। त्वा। परि। स्वजामहे। ०। वि। सु। विश्वाः। अरा

अ०प०७ तयः। अर्य्यः। मनंत। नः। धियः। अस्ता। असि। शत्र्वे। वधं। यः। नः। इंद्र। जिघां
८१ सति। या। ते। रातिः। ददिः। वसु।०। यः। नः। इंद्र। अभितः। जनः। वृकऽयुः। आऽ
दिदेशति। अधः२पदं। तं। ईं। कृधि। विऽबाधः। असि। ससहिः।०। अभिऽदास
ति। सऽनाभिः। यः। च। निष्यः। अव। तस्य। बलं। तिर। महीऽइव। द्यौः। अध।
त्मना।०। सखिऽत्वं। आ। रभामहे। ऋतस्य। नः। पथा। नय। अति। विश्वानि। दुः२
इता।०। अस्मभ्यं। सु। त्वं। इंद्र। तां। शिक्ष। या। दोहते। प्रति। वरं। जरित्रे। अछि
द्रऽऊध्नी। पीपयत्। यथा। नः।०॥ २१॥ उभेइति। यत्। इंद्र। रोदसीइति। आऽ हेरंब
पप्राथ। उषाः२इव। महांतं। त्वा। महीनां। संऽराजं। चर्षणीनां। देवी। जनित्री॥ ८१
अजीजनत्। भद्रा। जनित्री। अजीजनत्। अव। स्म। दुः२हनायतः। मर्तस्य।

तनुहि। स्थिरं।०। अव। स्याः। बृहतीः। इषः। विश्वऽचंद्राः। अमित्रऽहन्। शचीभिः। श
क्र। धूनुहि। इंद्र। विश्वाभिः। ऊतिऽभिः।०। अव। यत्। त्वं। शतक्रतोइति शतऽक्रतो।
इंद्र। विश्वानि। धूनुषे। रयिं। न। सुन्वते। सचा। सहस्रिणीभिः। ऊतिऽभिः।०॥
अव। स्वेदाः२इव। अभितः। विष्वक्। पतंतु। दिद्यवः। दूर्वायाः२इव। तंतवः। वि।
अस्मत्। एतु। दुः२मतिः।०। दीर्घं। हि। अंकुशं। यथा। शक्तिं। बिभर्षि। मंतुऽमः।
पूर्वेण। मघऽवन्। पदा। अजः। वयां। यथा। यमः।०। नकिः। देवाः। मिनीमसि।
नकिः। आ। योपयामसि। मंत्रऽश्रुत्यं। चरामसि। पक्षेभिः। अपिऽकक्षेभिः।
अत्र। अभि। सं। रभामहे॥ २२॥ यस्मिन्। वृक्षे। सुऽपलाशे। देवैः। संऽपि
बते। यमः। अत्र। नः। विश्पतिः। पिता। पुराणान्। अनु। वेनति। पुराणान्। अ
नुऽवेनंतं। चरंतं। पापया। अमुया। असूयन्। अभि। अचाकशं। तस्मै। अस्पृहयं।

प॰अ॰७ पुनरिति। यं। कुमार। नवं। रथं। अचक्रं। मनसा। अकृणोः। एकऽईषं। विश्वतः। प्रां
९९ चं। अपश्यन्। अधि। तिष्ठसि। यं। कुमार। प्र। अवर्तयः। रथं। विप्रेभ्यः। परि। तं।
साम। अनु। प्र। अवर्तत। सं। इतः। नावि। आऽहितं। कः। कुमारं। अजनयत्। र
थं। कः। निः। अवर्तयत्। कः। स्वित्। तत्। अद्य। नः। ब्रूयात्। अनुऽदेयी। यथा।
अभवत्। यथा। अभवत्। अनुऽदेयी। ततः। अग्रं। अजायत। पुरस्तात्। बुध्नः।
आऽततः। पश्चात्। निःऽअयनं। कृतं। इदं। यमस्य। सदनं। देवऽमानं। यत्। उ
च्यते। इयं। अस्य। धम्यते। नाळीः। अयं। गीःऽभिः। परिऽकृतः॥ २३ ॥ केशी।
अग्निं। केशी। विषं। केशी। बिभर्ति। रोदसीइति। केशी। विश्वं। स्वः। दृशे। के हेरंब
शी। इदं। ज्योतिः। उच्यते। मुनयः। वातऽरशनाः। पिशंगाः। वसते। मला। वात ९९
स्य। अनु। ध्राजिं। यंति। यत्। देवासः। अविक्षत। उत्ऽमदिताः। मौनेयेन। वाता।

न्। आ। तस्थिम। वयं। शरीरा। इत्। अस्माकं। यूयं। मर्तासः। अभि। पश्यथ॥
अंतरिक्षेण। पतति। विश्वा। रूपा। अवऽचाकशत्। मुनिः। देवस्यऽदेवस्य।
सौऽकृत्याय। सखा। हितः। वातस्य। अश्वः। वायोः। सखा। अथोइति। देवऽ
इषितः। मुनिः। उभौ। समुद्रौ। आ। क्षेति। यः। च। पूर्वः। उत। अपरः। अप्सरसां।
गंधर्वाणां। मृगाणां। चरणे। चरन्। केशी। केतस्य। विद्वान्। सखा। स्वादुः।
मदिंन्ऽतमः। वायुः। अस्मै। उप। अमंथत्। पिनष्टि। स्म। कुनंनमा। केशी।
विषस्य। पात्रेण। यत्। रुद्रेण। अपिबत्। सह॥ २४ ॥ उत। देवाः। अवऽ
हितं। देवाः। उत्। नयथ। पुनरिति। उत। आगः। चक्रुषं। देवाः। देवाः। जी
वयथ। पुनरिति। द्वौ। इमौ। वातौ। वातः। आ। सिंधोः। आ। पराऽवतः। दक्षं।

प०अ०७ ते। अन्यः। आ। वातु। परा। अन्यः। वातु। यत्। रपः॥ आ। वात। वाहि। भेषजं। वि।
९३ वात। वाहि। यत्। रपः। त्वं। हि। विश्वऽभेषजः। देवानां। दूतः। ईयसे॥ आ। त्वा।
अगमं। शंतातिऽभिः। अथो इति। अरिष्टतातिऽभिः। दक्षं। ते। भद्रं। आ। अभा
र्षं। परा। यक्ष्मं। सुवामि। ते॥ त्रायंतां। इह। देवाः। त्रायतां। मरुतां। गणः। त्रायं
तां। विश्वा। भूतानि। यथा। अयं। अरपाः। असत्॥ आपः। इत्। वै। ऊं इति।
भेषजीः। आपः। अमीवऽचातनीः। आपः। सर्वस्य। भेषजीः। ताः। ते। कृण्वं
तु। भेषजं॥ हस्ताभ्यां। दशऽशाखाभ्यां। जिह्वा। वाचः। पुरःऽगवी॥ अनामयि हेरंब
त्नुऽभ्यां। त्वा। ताभ्यां। त्वा। उप। स्पृशामसि॥ २५॥ तव। त्ये। इंद्र। सख्येषु। ९३
वह्नयः। ऋतं। मन्वानाः। वि। अदर्दिरुः। वलं। यत्र। दशस्यन्। उषसः। रिण

न्। अपः। कुत्साय। मन्मन्। अह्यः। च। दंसयः॥ अव। असृजः। प्रऽस्वः। श्वंचयः।
गिरीन्। उत्। आजः। उस्राः। अपिबः। मधु। प्रियं। अवर्धयः। वनिनः। अस्य। दंस
सा। शुशोच। सूर्यः। ऋतऽजातया। गिरा॥ वि। सूर्यः। मध्ये। अमुचत्। रथं। दिवः।
विदत्। दासाय। प्रतिऽमानं। आर्यः। दृळ्हानि। पिप्रोः। असुरस्य। मायिनः। इंद्रः।
वि। आस्यत्। चकृऽवान्। ऋजिश्वना॥ अनाधृष्टानि। धृषितः। वि। आस्यत्।
निऽधीन्। अदेवान्। अमृणात्। अयास्यः। मासाऽइव। सूर्यः। वसु। पुर्यं। आ।
ददे। गृणानः। शत्रून्। अशृणात्। विरुक्मता॥ अयुद्धऽसेनः। विऽभ्वा। विऽभिंद
ता। दाशत्। वृत्रऽहा। तुज्यानि। तेजते। इंद्रस्य। वज्रात्। अबिभेत्। अभिऽश्न

प॰अ॰७ थः। प्र। अक्रामत्। शुंध्यूः। अजहात्। उषाः। अनः। एता। स्या। ते। कृत्यानि। केवला। य
९६ त्। एकः। एकं। अकृणोः। अयज्ञं। मासां। विऽधानं। अदधात्। अधि। द्यवि। त्वया।
विऽभिन्नं। भरति। प्रऽधिं। पिता॥ २६ ॥ सूर्यऽरश्मिः। हरिऽकेशः। पुरस्तात्। सवि
ता। ज्योतिः। उत्। अयान्। अजस्रं। तस्य। पूषा। प्रऽसवे। याति। विद्वान्। संऽपश्य
न्। विश्वा। भुवनानि। गोपाः। नृऽचक्षाः। एषः। दिवः। मध्ये। आस्ते। आपप्रिऽवान्।
रोदसीइति। अंतरिक्षं। सः। विश्वाचीः। अभि। चष्टे। घृताचीः। अंतरा। पूर्वं। अप
रं। च। केतुं। ०। विश्वा। रूपा। अभि। चष्टे। शचीभिः। ०। इंद्रः। न। तस्थौ। संऽअरे। ध ॥ हेरंब ॥
नानां। विश्वऽवसुं। सोम। गंधर्वं। आपः। ददृश्रुषीः। तत्। ऋतेन। वि। आयन्। तत्। ॥ ९६ ॥
अनुऽअवेत्। इंद्रः। ररहाणः। आसां। परि। सूर्यस्य। परिऽधीन्। अपश्यत्। वि

श्वऽवसुः। अभि। तत्। नः। गृणातु। दिव्यः। गंधर्वः। रजसः। विऽमानः। ०। धियः। हिन्वा
नः। धियः। इत्। नः। अव्याः। सस्निं। अविंदत्। चरणे। नदीनां। अप। अवृणोत्। दुरः।
अश्मऽव्रजानां। प्र। आसां। गंधर्वः। अमृतानि। वोचत्। इंद्रः। दक्षं। परि। जानात्।
अहीनां॥ २७ ॥ अग्ने। तव। श्रवः। वयः। महि। भ्राजंते। अर्चयः। विभावसोइति
विभाऽवसो। बृहद्भानोइति बृहत्ऽभानो। शवसा। वाजं। उक्थ्यं। दधासि। दा
शुषे। कवे। पावकऽवर्चाः। शुक्रऽवर्चाः। अनूनऽवर्चाः। उत्। इयर्षि। भानुना॥
पुत्रः। मातरा। विऽचरन्। उप। अवसि। पृणक्षि। रोदसीइति। उभेइति। ऊर्जः।
नपात्। जातऽवेदः। सुशस्तिऽभिः। मंदस्व। धीतिऽभिः। हितः। त्वेइति। इषः।
सं। दधुः। भूरिऽवर्पसः। चित्रऽऊतयः। वामऽजाताः। इरज्यन्। अग्ने। प्रथ

मग्निंसुम्नायदधिरेपुरोजनाः ४

॥प०अ०७॥ यस्त्वा।जंतुऽभिः।अस्मेइति।रायः।अमर्त्य।सः।दर्शतस्य।वपुषः।वि।राजसि।
९२ पृणक्षि।सानसिं।क्रतुं।इष्कर्त्तारं।अध्वरस्य।प्रऽचेतसं।क्षयंतं।राधसः।म
हः।रातिं।वामस्य।सुऽभगां।महीं।इषं।दधासि।सानसिं।रयिं।ऋतऽवानं।
महिषं।विश्वऽदर्शतं।०।श्रुत्ऽकर्णं।सप्रथःऽतमं।त्वा।गिरा।दैव्यं।मानुषा।यु
गा॥ २८ ॥अग्ने।अच्छ।वद।इह।नः।प्रत्यङ्।नः।सुऽमनाः।भव।प्र।नः।यच्छ।
विशां।पते।धनऽदाः।असि।नः।त्वं।प्र।नः।यच्छतु।अर्यमा।प्र।भगः।प्र।बृ
हस्पतिः।प्र।देवाः।प्र।उत।सूनृता।रायः।देवी।ददातु।नः।सोमं।राजानं।अ हेरंब
वसे।अग्निं।गीःऽभिः।हवामहे।आदित्यान्।विष्णुं।सूर्यं।ब्रह्माणं।च।बृहस्प ९८
तिं।इंद्रवायूइति।बृहस्पतिं।सुऽहवा।इह।हवामहे।यथा।नः।सर्वः।इत्।जनः।

संऽगत्यां।सुऽमनाः।असत्।अर्यमणं।बृहस्पतिं।इंद्रं।दानाय।चोदय।वातं।वि
ष्णुं।सरस्वतीं।सवितारं।च।वाजिनं।०।अग्निऽभिः।ब्रह्म।यज्ञं।च।वर्द्धय।त्वं।नः।देवऽ
तातये।रायः।दानाय।चोदय॥ २९ ॥अयं।अग्ने।जरिता।त्वेइति।अभूत्।अपि।स
अन्यत। हसः।सनोइति।नहि।अस्ति।आप्यं।भद्रं।हि।शर्म।त्रिऽवरूथं।अस्ति।ते।आरे।
हिंसानां।अप।दिद्युं।आ।कृधि।प्रऽवत्।ते।त अग्ने।जनिम।पितुऽयतः।साचीऽ
इव।विश्वा।भुवना।नि।ऋंजसे।प्र।सप्तयः।प्र।सनिषंत।नः।धियः।पुरः।चरंति।
पशुपाःऽइव।त्मना।उत।वे।उइति।परि।वृणक्षि।बप्सत्।बह्वीः।अग्ने।उलपस्य
।स्वधाऽवः।उत।खिल्याः।उर्वराणां।भवंति।मा।ते।हेतिं।तविषीं।चुक्रुधाम।य
त्।उत्ऽवतः।निऽवतः।यासि।बप्सत्।पृथक्।एषि।प्रगर्द्धिनीऽइव।सेना।यदा।

प० अ० ७
९६ ते। ०। वप्ताऽइव। श्मश्रु। वपसि। प्र। भूम। प्रति। अस्य। श्रेणयः। ददृश्रे। एकं। निऽया
नं। बृहवः। रथासः। बहु इति। यत्। अग्ने। अनुऽमर्मृजानः। न्यङ्। उत्तानां। अनुऽ
एषि। भूमिं। उत्। ते। शुष्माः। जिहतां। उत्। ते। अर्चिः। उत्। ते। अग्ने। शश्रमा
नस्य। वाजाः। उत्। श्वंचस्व। नि। नम। वर्द्धमानः। आ। त्वा। अद्य। विश्वे। वसवः।
सदंतु। अपां। इदं। निऽअयनं। समुद्रस्य। निऽवेशनं। अन्यं। कृणुष्व। इतः। पंथां।
तेन। याहि। वशान्। अनु। आऽअयने। ते। पराऽअयने। दूर्वाः। रोहंतु। पुष्पिणीः।
ह्रदाः। च। पुंडरीकाणि। समुद्रस्य। गृहाः। इमे॥ ३०॥ ॥ इत्यष्टमाष्टके सप्तमो हेरंब
ध्यायः॥ ॥ हरिः ॐ श्रुम्॥ त्यं। चित्। अत्रिं। ऋतऽजुरं। अर्थं। अश्वं। न। या ९६
तवे। कक्षीवंतं। यदि। पुनरिति। रथं। न। कृणुथः। नवं। त्यं। चित्। अश्वं। न। वाजि

नं। अरेणवः। यं। अत्नत। दृळ्हं। ग्रंथिं। न। वि। स्यतं। अत्रिं। यविष्ठं। आ। रजः। नरा।
दंसिष्ठा। अत्रये। शुभ्रा। सिसासतं। धियः। अथ। हि। वां। दिवः। नरा। पुनरिति।
स्तोमः। न। विऽशसे। चिते। नरा। वां। सुऽराधसा। रातिः। सुऽमतिः। अश्विना।
आ। यत्। नः। सदने। पृथौ। समने। पर्षथः। नरा। युवं। भुज्युं। समुद्रे। आ। रज
सः। पारे। इंखितं। यातं। अछ। पतत्रिऽभिः। नासत्या। सातये। कृतं। आ। वां।
सुम्नैः। शंयूइवेतिशंयूऽइव। मंहिष्ठा। विश्वऽवेदसा। सं। अस्मेइति। भूषतं।
नरा। उत्सं। न। पिप्युषीः। इषः॥ १ ॥ अयं। हि। ते। अमर्त्यः। इंदुः। अत्यः। न। प
त्यते। दक्षः। विश्वऽआयुः। वेधसे। अयं। अस्मासु। काव्यः। ऋभुः। वज्रः। दास्व
ते। अयं। बिभर्ति। ऊर्ध्वऽकृशनं। मदं। ऋभुः। न। कृत्व्यं। मदं। द्युक्षुः। श्येनाय॥

प०अ०८ कृत्वने। आसु। स्वासु। वंसगः। अव। दीधेत्। अहीशुवः। यं। सुऽपर्णः। पराऽवतः।
९९ श्येनस्य। पुत्रः। आ। अभरत्। शतऽचक्रं। यः। अह्यः। वर्त्तनिः। यं। ते। श्येनः।
चारुं। अवृकं। पदा। आ। अभरत्। अरुणं। मानं। अंधसः। एना। वयः। वि। तारि।
आयुः। जीवसे। एना। जागार। बंधुता। एव। तत्। इंद्रः। इंदुना। देवेषु। चित्। धार
याते। महि। त्यजः। क्रत्वा। ०। सुक्रतोइतिसुऽक्रतो। क्रत्वा। अयं। अस्मत्। आ।
सुतः॥ २॥ इमां। खनामि। ओषधिं। वीरुधं। बलवत्ऽतमां। यया। सऽपत्नीं।
बाधते। यया। संऽविंदते। पतिं। उत्तानऽपर्णे। सुऽभगे। देवऽजूते। सहस्वति। हेरंब
सऽपत्नीं। मे। परा। धम। पतिं। मे। केवलं। कुरु। उत्ऽतरा। अहं। उत्ऽतरे। उत्ऽ ९९
तरा। इत्। उत्ऽतराभ्यः। अथ। सऽपत्नी। या। मम। अधरा। सा। अधराभ्यः।

नहि। अस्याः। नाम। गृभ्णामि। नोइति। अस्मिन्। रमते। जने। परां। एव। पराऽवतं। सऽ
पत्नीं। गमयामसि। अहं। अस्मि। सहमाना। अथ। त्वं। असि। ससहिः। उभेइति। सह
स्वतीइति। भूत्वी। सऽपत्नीं। मे। सहावहै। उप। ते। अधां। सहमानां। अभि। त्वा। अधां।
सहीयसा। मां। अनु। प्र। ते। मनः। वत्सं। गौःऽइव। धावतु। पथा। वाःऽइव। धावतु॥
॥ ३॥ अरण्यानि। अरण्यानि। असौ। या। प्रऽइव। नश्यसि। कथा। ग्रामं। न। पृच्छ
सि। न। त्वा। भीःऽइव। विंदती३। वृषऽरवाय। विंदते। यत्। उपऽअवति। चिच्चिकः।
आघाटिभिःऽइव। धावयन्। अरण्यानिः। महीयते। उत। गावःऽइव। अदंति। उ
त। वेश्मऽइव। दृश्यते। उतोइति। अरण्यानिः। सायं। शकटीःऽइव। सर्जति। गां। अं
ग। एषः। आ। ह्वयति। दारु। अंग। एषः। अप। अवधीत्। वसन्। अरण्यान्यां। सायं।

प॰अ॰८ अक्रुक्षत् । इति । मन्यते । न । वै । अरण्यानिः । हंति । अन्यः । च । इत् । न । अभिऽगच्छति ।
९६ स्वादोः । फलस्य । जग्ध्वाय । यथाऽकामं । नि । पद्यते । आंजनऽगंधिं । सुरभिं । बह्वऽ
अन्नां । अकृषिऽवलां । प्र । अहं । मृगाणां । मातरं । अरण्यानिं । अशंसिषं ॥ ६ ॥ ॥
श्रत् । ते । दधामि । प्रथमाय । मन्यवे । अहन् । यत् । वृत्रं । नर्यं । विवेः । अपः । उभेइति ।
यत् । त्वा । भवतः । रोदसीइति । अनु । रेजते । शुष्मात् । पृथिवी । चित् । अद्रिऽवः । त्वे ।
मायाभिः । अनवद्य । मायिनं । श्रवस्यता । मनसा । वृत्रं । अर्दयः । त्वां । इत् । नरः । वृ
णते । गोऽइष्टिषु । त्वां । विश्वासु । हव्यासु । इष्टिषु । आ । एषु । चाकंधि । पुरुऽहूत । हेरंब
सूरिषु । वृधासः । ये । मघऽवन् । आनशुः । मघं । अर्चंति । तोके । तनये । परिष्टिषु । ९६
मेधऽसाता । वाजिनं । अह्रये । धने । सः । इत् । नु । रायः । सुऽभृतस्य । चाकनत् । मदं ।

यः । अस्य । रंह्यं । चिकेतति । त्वाऽवृधः । मघऽवन् । दाशुऽअध्वरः । मक्षु । सः । वाजं ।
भरते । धना । नृऽभिः । त्वं । शर्धाय । महिना । गृणानः । उरु । कृधि । मघऽवन् । श
ग्धि । रायः । त्वं । नः । मित्रः । वरुणः । न । मायी । पित्वः । न । दस्म । दयसे । विऽभ
क्ता ॥ ५ ॥ सुस्वानासः । इंद्र । स्तुमसि । त्वा । ससऽवांसः । तुविऽनृम्ण । वाजं । च ।
आ । नः । भर । सुवितं । यस्य । चाकन् । त्मना । तना । सनुयाम । त्वाऽऊताः । ऋष्वः ।
त्वं । इंद्र । शूर । जातः । ० । बिभृमसि । प्रऽस्रवणेन । सोमं । अर्यः । वा । गिरः । अ
भि । अर्च । विद्वान् । ऋषीणां । विप्रः । सुऽमतिं । चकानः । ते । स्याम । ये । रणयं
त । सोमैः । एना । उत । तुभ्यं । रथऽओळ्ह । भक्षैः । इमा । ब्रह्म । इंद्र । तुभ्यं । शं
सि । दाः । नृऽभ्यः । नृणां । शूर । शवः । तेभिः । भव । सऽक्रतुः । येषु । चाकन् ।

प·अ·८ उत। त्रायस्व। गृणतः। उत। स्तीन्। श्रुधि। हवं। इंद्र। शूर। पथ्याः। उत। स्तवसे। वेन्यस्य।
११ अर्कैः। आ। यः। ते। योनिं। घृतऽवंतं। अस्वाः। ऊर्मिः। न। निम्नैः। द्रवयंत। वक्वाः॥ ६॥
सविता। यंत्रैः। पृथिवीं। अरम्णात्। अस्कंभने। सविता। द्यां। अदृंहत्। अश्वंऽइव।
अधुक्षत्। धुनिं। अंतरिक्षं। अतूर्ते। बद्धं। सविता। समुद्रं। यत्र। समुद्रः। स्कभितः।
वि। औनत्। अपां। नपात्। सविता। तस्य। वेद। अतः। भूः। अतः। आ। उत्थितं।
रजः। अतः। द्यावापृथिवीइति। अप्रथेतां। पश्चा। इदं। अन्यत्। अभवत्। यजत्रं।
अमर्त्यस्य। भुवनस्य। भूना। सुऽपर्णः। अंग। सवितुः। गरुत्मान्। पूर्वः। जातः। सः। हेरंब
ऊंइति। अस्य। अनु। धर्म। गावःऽइव। ग्रामं। युयुधिःऽइव। अश्वान्। वाश्राऽइव। ११
वत्सं। सुऽमनाः। दुहाना। पतिःऽइव। जायां। अभि। नः। नि। एतु। धर्ता। दिवः। सविता।

विश्वऽवारः। हिरण्यऽस्तूपः। सवितः। यथा। त्वा। आंगिरसः। जुह्वे। वाजे। अस्मिन्।
एव। त्वा। अर्चन्। अवसे। वंदमानः। सोमस्यऽइव। अंशुं। प्रति। जागर। अहं॥ ७॥
सं। इद्धः। चित्। सं। इध्यसे। देवेभ्यः। हव्यऽवाहन। आदित्यैः। रुद्रैः। वसुऽभिः। नः।
आ। गहि। मृळीकाय। नः। आ। गहि। ०। मर्तासः। त्वा। संऽइधान। हवामहे। मृळी
काय। हवामहे। त्वां। ऊंइति। जातऽवेदसं। विश्वऽवारं। गृणे। धिया। अग्ने। देवान्॥
आ। वह। नः। प्रियऽव्रतान्। मृळीकाय। प्रियऽव्रतान्। अग्निः। देवः। देवानां॥
अभवत्। पुरःऽहितः। अग्निं। मनुष्याः। ऋषयः। सं। ईधिरे। अग्निं। महः। धनऽ
सातौ। अहं। हुवे। मृळीकं। धनऽसातये। अग्निः। अत्रिं। भरत्ऽवाजं। गविष्ठिरं।
प्र। आवत। नः। कण्वं। त्रसदस्युं। आऽहवे। अग्निं। वसिष्ठः। हवते। पुरःऽहितः।

प॰ अ॰ ८ मृळीकाय। पुरःऽहितः॥ ८ ॥श्रद्धया। अग्निः। सं। इध्यते। श्रद्धया। हूयते। हविः।
१०० श्रद्धां। भगस्य। मूर्द्धनि। वचसा। आ। वेदयामसि॥ प्रियं। श्रद्धे। ददतः। प्रियं। श्र
द्धे। दिदासतः। प्रियं। भोजेषु। यज्वऽसु। इदं। मे। उदितं। कृधि॥ यथा। देवाः। असुरे
षु। श्रद्धां। उग्रेषु। चक्रिरे। एवं। भोजेषु। यज्वऽसु। अस्माकं। उदितं। कृधि॥ श्रद्धां।
देवाः। यजमानाः। वायुऽगोपाः। उप। आसते। श्रद्धां। हृदय्यया। आऽकूत्या। श्रद्ध
या। विंदते। वसु॥ श्रद्धां। प्रातः। हवामहे। श्रद्धां। मध्यंदिनं। परि। श्रद्धां। सूर्यस्य।
नि॰म्रुचि। श्रद्धे। श्रत्। धापय। इह। नः॥ ९ ॥शासः। इत्था। महान्। असि। अ हेरंब
मित्रऽखादः। अद्भुतः। न। यस्य। हन्यते। सखा। न। जीयते। कदा। चन॥ स्वस्तिऽ १००
दाः। विशः। पतिः। वृत्रऽहा। विऽमृधः। वशी। वृषा। इंद्रः। पुरः। एतु। नः। सोमऽपाः।
अभयंऽकरः॥ वि। रक्षः। वि। मृधः। जहि। वि। वृत्रस्य। हनू इति। रुज। वि। मन्युं। इंद्र।
वृत्रऽहन्। अमित्रस्य। अभिऽदासतः॥ वि। नः। इंद्र। मृधः। जहि। नीचा। यच्छ।
पृतन्यतः। यः। अस्मान्। अभिऽदासति। अधरं। गमय। तमः॥ अप। इंद्र। द्विष
तः। मनः। अप। जिज्यासतः। वधं। वि। मन्योः। शर्म। यच्छ। वरीयः। यवय। वधं॥ १०॥
इंऽखयंतीः। अपस्युवः। इंद्रं। जातं। उप। आसते। भेजानासः। सुऽवीर्यं॥ त्वं। इंद्र।
बलात्। अधि। सहसः। जातः। ओजसः। त्वं। वृषन्। वृषा। इत्। असि॥ त्वं। इंद्र। अ
सि। वृत्रऽहा। वि। अंतरिक्षं। अतिरः। उत्। द्यां। अस्तभ्नाः। ओजसा॥ त्वं। इंद्र। सऽ
जोषसं। अर्कं। बिभर्षि। बाह्वोः। वज्रं। शिशानः। ओजसा॥ त्वं। इंद्र। अभिऽभूः।
असि। विश्वा। जातानि। ओजसा। सः। विश्वाः। भुवः। आ। अभवः॥ ११ ॥सोमः।

प.अ.८ एकेभ्यः। पवते। घृतं। एके। उप। आसते। येभ्यः। मधु। प्रऽधावति। तान्। चित्। एव।
१०१ अपि। गच्छतात्। तपसा। ये। अनाधृष्याः। तपसा। ये। स्वः। ययुः। तपः। ये। चक्रिरे।
महः।०। ये। युध्यंते। प्रऽधनेषु। शूरासः। ये। तनूऽत्यजः। ये। वा। सहस्रऽदक्षिणाः।
।०। ये। चित्। पूर्वे। ऋतऽसापः। ऋतऽवानः। ऋतऽवृधः। पितॄन्। तपस्वतः। यम।०
सहस्रऽनीथाः। कवयः। ये। गोपायंति। सूर्यं। ऋषीन्। तपस्वतः। यम। तपःऽजान्।
अपि। गच्छतात्॥ १२ ॥ अरायि। काणे। विऽकटे। गिरिं। गच्छ। सदान्वे। शिरिंबिठ
स्य। सत्वऽभिः। तेभिः। त्वा। चातयामसि। चत्तोइति। चत्तः। इतः। अमुतः। सर्वा। हेरंब ४
भ्रूणानि। अरुषी। अराय्यं। ब्रह्मणः। पते। पते। तीक्ष्णऽशृंग। उत्ऽऋषन्। इहि। १०१
अदः। यत्। दारु। प्लवते। सिंधोः। पारे। अपुरुषं। तत्। आ। रभस्व। दुर्हनोइति दुः-र

हनो। तेन। गच्छ। परःऽतरं। यत्। ह। प्राचीः। अजगंत। उरः। मंडूरऽधाणिकीः। हताः।
इंद्रस्य। शत्रवः। सर्वे। बुद्बुदऽयाशवः। परि। इमे। गां। अनेषत। परि। अग्निं। अहृषत।
देवेषु। अक्रत। श्रवः। कः। इमान्। आ। दधर्षति॥ १३ ॥ अग्निं। हिन्वंतु। नः। धियः।
सप्तिं। आशुं। इव। आजिषु। तेन। जेष्म। धनंऽधनं। यया। गाः। आऽकरामहे। सेन
या। अग्ने। तव। ऊत्या। तां। नः। हिन्व। मघत्तये। आ। अग्ने। स्थूरं। रयिं। भर। पृथुं।
गोऽमंतं। अश्विनं। अंग्धि। स्वं। वर्तय। पणिं। अग्ने। नक्षत्रं। अजरं। आ। सूर्यं। रोह
यः। दिवि। दधत्। ज्योतिः। जनेभ्यः। अग्ने। केतुः। विशां। असि। प्रेष्ठः। श्रेष्ठः। उपस्थऽ
सत्। बोध। स्तोत्रे। वयः। दधत्॥ १४ ॥ इमा। नु। कं। भुवना। सीसधाम। इंद्रः। च।
विश्वे। च। देवाः। यज्ञं। च। नः। तन्वं। च। प्रऽजां। च। आदित्यैः। इंद्रः। सह। चीकॢपाति।
आदित्यैः। इंद्रः। सऽगणः। मरुत्ऽभिः। अस्माकं। भूतु। अविता। तनूनां। हत्वाय।

प० अ० ८ देवाः। असुरान्। यत्। आयन्। देवाः। दिवऽत्वं। अभिऽरक्षमाणाः। प्रत्यंचं। अर्कं। अनय
न्। शचीभिः। ०॥ १५ ॥ सूर्यः। नः। दिवः। पातु। वातः। अंतरिक्षात्। अग्निः। नः। पार्थि
१०२ वेभ्यः। जोष। सवितः। यस्य। ते। हरः। शतं। सवान्। अर्हति। पाहि। नः। दिद्युतः। प
तंत्याः। चक्षुः। नः। देवः। सविता। चक्षुः। नः। उत। पर्वतः। चक्षुः। धाता। दधातु। नः।
चक्षुः। नः। धेहि। चक्षुषे। चक्षुः। विऽख्यै। तनूभ्यः। सं। च। इदं। वि। च। पश्येम। ०॥
वि। पश्येम। नृऽचक्षसः॥ १६ ॥ उत्। असौ। सूर्यः। अगात्। उत्। अयं। मामकः। भ
गः। अहं। तत्। विद्वला। पतिं। अभि। असाक्षि। विऽससहिः। अहं। केतुः। अहं। हेरंबः
पतिः। मूर्द्धा। अहं। उग्रा। विऽवाचनी। मम। इत्। अनु। क्रतुं। सेहानायाः। उपऽआचरे १०२
त्। मम। पुत्राः। शत्रुऽहनः। अथो इति। मे। दुहिता। विऽराट्। उत। अहं। अस्मि।

सं। जया। पत्यौ। मे। श्लोकः। उत्ऽतमः। येन। इंद्रः। हविषा। कृत्वी। अभवत्। द्युम्नी
। उत्ऽतमः। इदं। तत्। अक्रि। देवाः। असपत्ना। किल। अभुवं। असपत्ना। सप
त्नऽघ्नी। जयंती। अभिऽभूवरी। आ। अवृक्षं। अन्यासां। वर्चः। राधः। अस्थेय
सांऽइव। सं। अजैषं। इमाः। अहं। सऽपत्नीः। अभिऽभूवरी॥ यथा। अहं। अस्य।
वीरस्य। विऽराजानि। जनस्य। च॥ १७ ॥ तीव्रस्य। अभिऽवयसः। अस्य। पाहि।
सर्वऽरथा। वि। हरी इति। इह। मुंच। इंद्र। मा। त्वा। यजमानासः। अन्ये। नि। री
रमन्। तुभ्यं। इमे। सुतासः। तुभ्यं। सुताः। तुभ्यं। उं इति। सोम्यासः। त्वां। गिरः।
श्वात्र्याः। आ। ह्वयंति। इंद्र। इदं। अद्य। सवनं। जुषाणः। विश्वस्य। विद्वान्। इह।
पाहि। सोमं। यः। उग्रात्। मनसा। सोमं। अस्मै। सर्वऽहृदा। देवऽकामः। सुनो

प॰अ॰८

१०२

ति।न।गाः।इंद्रः।तस्य।परा।ददाति।प्रऽशस्तं।इत्।चारुं।अस्मै।कृणोति।अनुऽ
स्पष्टः।भवति।एषः।अस्य।यः।अस्मै।रेवान्।न।सुनोति।सोमं।निः।अरत्नौ।
मघऽवा।तं।दधाति।ब्रह्मऽद्विषः।हंति।अननुऽदिष्टः।अश्वऽयंतः।गव्यंतः।वाज
यंतः।हवामहे।त्वा।उपऽगंतवै।ऊं इति।आऽभूषंतः।ते।सुऽमतौ।नवायां।वयं।
इंद्र।त्वा।शुनं।हुवेम॥१८॥मुंचामि।त्वा।हविषा।जीवनाय।कं।अज्ञातऽयक्ष्मा
त्।उत।राजऽयक्ष्मात्।ग्राहिः।जग्राह।यदि।वा।एतत्।एनं।तस्याः।इंद्राग्नी इ
ति।प्र।मुमुक्तं।एनं।यदि।क्षितऽआयुः।यदि।वा।पराऽइतः।यदि।मृत्योः।अंति
कं।निःऽइतः।एव।तं।आ।हरामि।निःऽऋतेः।उपऽस्थात्।अस्पार्षं।एनं।श
तऽशारदाय।सहस्रऽअक्षेण।शतऽशारदेन।शतऽआयुषा।हविषा।आ।अ १०३

हार्षं।एनं।शतं।यथा।इमं।शरदः।नयाति।इंद्रः।विश्वस्य।दुःऽइतस्य।पारं।शतं।
जीव।शरदः।वर्द्धमानः।शतं।हेमंतान्।शतं।ऊं इति।वसंतान्।शतं।इंद्राग्नी इति।
सविता।बृहस्पतिः।शतऽआयुषा।हविषा।इमं।पुनः।दुः।आ।अहार्षं।त्वा।अ
विदं।त्वा।पुनः।आ।अगाः।पुनःऽनव।सर्वऽअंग।सर्वं।ते।चक्षुः।सर्वं।आयुः।
च।ते।अविदं॥१९॥ब्रह्मणा।अग्निः।संऽविदानः।रक्षःऽहा।बाधतां।इतः।
अमीवा।यः।ते।गर्भं।दुःऽनामा।योनिं।आऽशये।०।अमीवा।०।अग्निः।तं।ब्र
ह्मणा।सह।निः।क्रव्यऽअदं।अनीनशत्।यः।ते।हंति।पतयंतं।निऽसत्स्नुं।यः।
सरीसृपं।जातं।यः।ते।जिघांसति।तं।इतः।नाशयामसि।यः।ते।ऊरू इति।विऽह
रति।अंतरा।दंपती इति दंऽपती।शये।योनिं।यः।अंतः।आऽरेळ्हि।०।यः।त्वा।

प॰अ॰८ भ्राता। पतिः। भूत्वा। जारः। भूत्वा। निऽपद्यते। प्रऽजां। यः। त्वा। स्वप्नेन। तमसा। मोह
१०४ यित्वा। निऽपद्यते।०॥२०॥ अक्षीभ्यां। ते। नासिकाभ्यां। कर्णाभ्यां। छुबुकात्। अधि।
यक्ष्मं। शीर्षण्यं। मस्तिष्कात्। जिह्वायाः। वि। वृहामि। ते। ग्रीवाभ्यः। ते। उष्णिहाभ्यः।
कीकसाभ्यः। अनूक्यात्। यक्ष्मं। दोषण्यं। अंसाभ्यां। बाहुऽभ्यां।०। आंत्रेभ्यः।
ते। गुदाभ्यः। वनिष्ठोः। हृदयात्। अधि। यक्ष्मं। मतस्नाभ्यां। यक्नः। प्लाशिऽभ्यः।
०। ऊरुऽभ्यां। ते। अष्ठीवत्ऽभ्यां। पार्ष्णिऽभ्यां। प्रऽपदाभ्यां। यक्ष्मं। श्रोणिऽभ्यां। हेरंबः
भासदात्। भंससः।०। मेहनात्। वनंऽकरणात्। लोमऽभ्यः। ते। नखेभ्यः। यक्ष्मं। १०४
सर्वस्मात्। आत्मनः। तं। इदं।०। अंगात्ऽअंगात्। लोम्नःऽलोम्नः। जातं। पर्वणिऽ
पर्वणि।०॥२१॥ अप। इहि। मनसः। पते। अप। क्राम। परः। चर। परः। निःऽऋत्यै।

आ। चक्षम। बहुऽधा। जीवतः। मनः। भद्रं। वै। वरं। वृणते। भद्रं। युंजंति। दक्षिणं। भद्रं।
वैवस्वते। चक्षुः। बहुऽत्रा। जीवतः। मनः। यत्। आऽशसा। निःऽशसा। अभिऽशसा
सा। उपऽआरिम। जाग्रतः। यत्। स्वपंतः। अग्निः। विश्वानि। अप। दुःऽकृतानि॥
अजुष्टानि। आरे। अस्मत्। दधातु। यत्। इंद्र। ब्रह्मणः। पते। अभिऽद्रोहं। चराम
सि। प्रऽचेताः। नः। आंगिरसः। द्विषतां। पातु। अंहसः।०। जाग्रत्ऽस्वप्नः। संऽक
ल्पः। पापः। यं। द्विष्मः। तं। सः। ऋच्छतु। यः। नः। द्वेष्टि। तं। ऋच्छतु॥२२॥ देवाः। कपो
तः। इषितः। यत्। इच्छन्। दूतः। निःऽऋत्याः। इदं। आऽजगाम। तस्मै। अर्चाम। कृ
णवाम। निःऽकृतिं। शं। नः। अस्तु। द्विऽपदे। शं। चतुःऽपदे। शिवः। कपोतः। इषितः।
नः। अस्तु। अनागाः। देवाः। शकुनः। गृहेषु। अग्निः। हि। विप्रः। जुषतां। हविः। नः।

प॰अ॰८ परि। हेतिः। पक्षिणी। नः। वृणक्तु। हेतिः। पक्षिणी। न। दभाति। अस्मान्। आ
१०५ ष्ट्रीं। पदं। कृणुते। अग्नि॰धाने। शं। नः। गोभ्यः। च। पुरुषेभ्यः। च। अस्तु। मा। नः।
हिंसीत्। इह। देवाः। कपोतः। यत्। उलूकः। वदति। मोघं। इतत्। यत्। कपोतः।
पदं। अग्नौ। कृणोति। यस्य। दूतः। प्र॰हितः। एषः। एतत्। तस्मै। यमाय। नमः।
अस्तु। मृत्यवे। ऋचा। कपोतं। नुदत। प्र॰नोदं। इषं। मदंतः। परि। गां। नयध्वं। सं॰
योपयंतः। दुः॰इतानि। विश्वा। हित्वा। नः। ऊर्जं। प्र। पतात्। पतिष्ठः॥ २३॥ ॥ हेरंब
ऋषभं। मा। समानानां। सं॰पत्नानां। वि॰ससहिं। हंतारं। शत्रूणां। कृधि। १०५
वि॰राजं। गो॰पतिं। गवां। अहं। अस्मि। सपत्न॰हा। इंद्रः॰इव। अरिष्टः। अक्ष
तः। अधः। सं॰पत्नाः। मे। पदोः। इमे। सर्वे। अभि॰स्थिताः। अत्र। एव। वः। अपि।

वे

नह्यामि। उभे इति। आर्त्नी इति। ज्यां॰इव। ज्यया। वाचः। पते। नि। सेध। इमान्। यथा।
मत्। अधरं। वदान्। अभि॰भूः। अहं। आ। अगमं। विश्व॰कर्मेण। धाम्ना। आ।
वः। चित्तं। आ। वः। व्रतं। आ। वः। अहं। सं॰इतिं। ददे। योग॰क्षेमं। वः। आ॰दाय।
अहं। भूयासं। उत्॰तमः। आ। वः। मूर्द्धानं। अक्रमीं। अधः॰पदात्। उत्। मे। उत
वदत। मंडूकाः॰इव। उदकात्। मंडूकाः। उदकात्॰इव॥ २४॥ तुभ्यं। इदं। इंद्र।
परि। सिच्यते। मधु। त्वं। सुतस्य। कलशस्य। राजसि। त्वं। रयिं। पुरु॰वीरां।
ऊं इति। नः। कृधि। त्वं। तपः। परि॰तप्य। अजयः। स्वः। स्वः॰रितिस्वः। स्वः॰र
जितं। महि। मंदानं। अंधसः। हवामहे। परि। शक्रं। सुतान्। उप। इमं। नः। य
ज्ञं। इह। बोधि। आ। गहि। स्पृधः। जयंतं। मघ॰वानं। ईमहे। सोमस्य। राज्ञः।

प०अ०८ वरुणस्य। धर्मणि। बृहस्पते। अनुऽमत्याः। ईइति। शर्मणि। तव। अहं। अद्य। म
घऽवन्। उपऽस्तुतौ। धातः। विधातरितिविऽधातः। कलशान्। अभक्षयं। प्रऽस्तु
१०६ तः। भक्षं। अकरं। चरौ। अपि। स्तोमं। च। इमं। प्रथमः। सूरिः। उत्। मृजे। सुते।
सातेन। यदि। आ। अगमं। वां। प्रति। विश्वामित्रजमदग्नीइति। दमे॥ २५॥
वातस्य। नु। महिमानं। रथस्य। रुजन्। एति। स्तनयन्। अस्य। घोषः। दिविऽ
एति। स्पृक्। याति। अरुणानि। कृण्वन्। उतोइति। पृथिव्या। रेणुं। अस्यन्। सं।
प्र। ईरते। अनु। वातस्य। विऽस्थाः। आ। एनं। गच्छंति। समनं। न। योषाः। ता हेरंबः
भिः। सऽयुक्। सऽरथं। देवः। ईयते। अस्य। विश्वस्य। भुवनस्य। राजा। अंतरि १०६
क्षे। पथिऽभिः। ईयमानः। न। नि। विशते। कतमत्। चन। अहरिति। अपां।।

सखा। प्रथमऽजाः। ऋतऽवा। क्व। स्वित्। जातः। कुतः। आ। बभूव। आत्मा। दे
वानां। भुवनस्य। गर्भः। यथाऽवशं। चरति। देवः। एषः। घोषाः। इत्। अस्य। शृ
ण्विरे। न। रूपं। तस्मै। वाताय। हविषा। विधेम॥ २६॥ मयःऽभूः। वातः। अभि।
वातु। उस्राः। ऊर्जस्वतीः। ओषधीः। आ। रिशंतां। पीवस्वतीः। जीवऽधन्याः।
पिबंतु। अवसाय। पत्ऽवते। रुद्र। मृळ। याः। सऽरूपाः। विऽरूपाः। एकऽरूपाः।
यासां। अग्निः। इष्ट्या। नामानि। वेद। याः। अंगिरसः। तपसा। इह। चक्रुः। ता
भ्यः। पर्जन्य। महि। शर्म। यच्छ। याः। देवेषु। तन्वं। ऐरयंत। यासां। सोमः। विश्वा।
रूपाणि। वेद। ताः। प्रजाऽवतीः। इंद्र। गोऽस्थे। रिरीहि। प्रजाऽपतिः। मह्यं। एताः।
रराणः। विश्वैः। देवैः। पितृऽभिः। संऽविदानः। शिवाः। सतीः। उप। नः। गोऽस्थं।

ता अस्मभ्यं पयसा पिन्वमानाः

प॰अ॰८ आ।अकरित्यक॰।तासां।वयं।प्रऽजया।सं।सदेम॥ २७॥विऽभ्राट्।बृहत्।पि
बतु।सोम्यं।मधु।आयुः।दधत्।यज्ञऽपतौ।अविऽहुतं।वातऽजूतः।यः।अ
१०७ भिऽरक्षति।त्मना।प्रऽजाः।पुपोष।पुरुधा।वि।राजति।विऽभ्राट्।बृहत्।
सुऽभृतं।वाजऽसातमं।धर्मन्।दिवः।धरुणे।सत्यं।अर्पितं।अमित्रऽहा।
वृत्रऽहा।दस्युहंऽतमं।ज्योतिः।जज्ञे।असुरऽहा।सपत्नऽहा।०उत्ऽतमं।
विश्वऽजित्।धनऽजित्।उच्यते।बृहत्।विश्वऽभ्राट्।भ्राजः।महि।सूर्यः।द हेरंब
शे।उरु।पप्रथे।सहः।ओजः।अच्युतं।०येन।इमा।विश्वा।भुवनानि।आऽ १०७
भृता।विश्वऽकर्मणा।विश्वदेव्यऽवता॥ २८॥त्वं।त्यं।इत्।तः।रथं।इंद्र।
प्र।आवः।सुतऽवतः।अश्व्यः।सोमिनः।हवं।त्वं।मखस्य।दोधतः।शिरः।

अव।त्वचः।भरः।अगच्छः।सोमिनः।गृहं।त्वं।त्यं।इंद्र।मर्त्यं।आस्त्रऽबुध्न्याय।वेन्यं।
मुहुः।श्रथ्नाः।मनस्यवे।०त्वं।त्यं।पश्वा।संतं।पुरः।कृधि।देवानां।चित्।तिरः।।
वशं॥ २९॥आ।याहि।वनसा।सह।गावः।सचंत।वर्तनिं।यत्।ऊधऽभिः।आ।
याहि।वस्व्या।धिया।मंहिष्ठः।जारयत्ऽमखः।सुदानुऽभिः।पितुऽभृतः।न।तंतुं।
इत्।सुऽदानवः।प्रति।दध्मः।यजामसि।उषाः।अप।स्वसुः।तमः।सं।वर्तयति।
वर्तनिं।सुऽजातता॥ ३०॥आ।त्वा।अहार्षं।अंतः।एधि।ध्रुवः।तिष्ठ।अविऽ
चाचलिः।विशः।त्वा।सर्वाः।वांछंतु।मा।त्वत्।राष्ट्रं।अधि।भ्रशत्।इह।एव।
एधि।मा।अप।च्योष्ठाः।पर्वतःऽइव।अविऽचाचलिः।इंद्रःऽइव।इह।ध्रुवः।ति
ष्ठ।इह।राष्ट्रं।ऊँ इति।धारय।इमं।इंद्रः।अदीधरत्।ध्रुवं।ध्रुवेण।हविषा।तस्मै।
सोमः।अधि।ब्रवत्।तस्मै।ऊँ इति।ब्रह्मणः।पतिः।ध्रुवा।द्यौः।ध्रुवा।पृथिवी।ध्रुवा।

प॰अ॰८ सः। पर्वताः। इव। ध्रुवं। विश्वं। इदं। जगत्। ध्रुवः। राजा। विशां। अयं। ध्रुवं। ते। रा
जा। वरुणः। ध्रुवं। देवः। बृहस्पतिः। ध्रुवं। ते। इंद्रः। च। अग्निः। च। राष्ट्रं। धारय
१०८ तां। ध्रुवं। ध्रुवं। ध्रुवेण। हविषा। अभि। सोमं। मृशामसि। अथो इति। नः। इंद्रः।
केवलीः। विशः। बलिऽहृतः। करत्॥ ३१॥ अभिऽवर्तेन। हविषा। येन। इंद्रः। अ
भिऽववृते। तेन। अस्मान्। ब्रह्मणः। पते। अभि। राष्ट्राय। वर्तय। अभिऽवृत्य।
सऽपत्नान्। अभि। याः। नः। अरातयः। अभि। पृतन्यंतं। तिष्ठ। अभि। यः। नः।
दुरस्यति। अभि। त्वा। देवः। सविता। अभि। सोमः। अवीवृतत्। अभि। त्वा। वि
श्वा। भूतानि। अभिऽवर्तः। यथा। अससि॥०॥ असपत्नः। किल। अभुवं।
असपत्नः। सपत्नऽहा। अभिऽराष्ट्रः। विऽससहिः। यथा। अहं। एषां। भूतानां॥०॥

॥ ३२॥ प्र। वः। ग्रावाणः। सविता। देवः। सुवतु। धर्मणा। धूःऽसु। युज्यध्वं। सुनुत।
ग्रावाणः। अप। दुच्छुनां। अप। सेधत। दुःऽमतिं। उस्राः। कर्तन। भेषजं। ग्रावाणः।
उपरेषु। आ। महीयंते। सऽजोषसः। वृष्णे। दधतः। वृष्ण्यं। ग्रावाणः। सविता। नु।
वः।०। यजमानाय। सुन्वते॥ ३३॥ प्र। सूनवः। ऋभूणां। बृहत्। नवंत। वृजना। क्षा
माये। विश्वऽधायसः। अश्नन्। धेनुं। न। मातरं। प्र। देवं। देव्या। धिया। भरत। जा
तऽवेदसं। हव्या। नः। वक्षत्। आनुषक्। अयं। ऊं इति। स्यः। प्र। देवऽयुः। होता।
यज्ञाय। नीयते। रथः। न। योः। अभिऽवृतः। घृणिऽवान्। चेतति। त्मना। अयं।
अग्निः। उरुष्यति। अमृतात्ऽइव। जन्मनः। सहसः। चित्। सहीयान्। देवः। जी
वातवे। कृतः॥ ३४॥ पतंगं। अक्तं। असुरस्य। मायया। हृदा। पश्यंति। मनसा।
विपःऽचितः। समुद्रे। अंतरिति। कवयः। वि। चक्षते। मरीचीनां। पदं। इच्छंति।

प०अ०८ वेधसः। पतंगः। वाचं। मनसा। बिभर्ति। तां। गंधर्वः। अवदत्। गर्भे। अंतरिति। तां
१०९ ।द्योतमानां। स्वर्यं। मनीषां। ऋतस्य। पदे। कवयः। नि। पांति।०॥ ३५॥ त्यं। ऊं इति।
सु। वाजिनं। देवऽजूतं। सहःऽवानं। तरुतारं। रथानां। अरिष्टऽनेमिं। पृतनाजं। आ
शुं। स्वस्तये। तार्क्ष्यं। इह। हुवेम। इंद्रस्यऽइव। रातिं। आऽजोहुवानाः। स्वस्तये। ना
वंऽइव। आ। रुहेम। उर्वी इति। न। पृथ्वी इति। बहुले इति। गभीरे इति। मा। वां। आऽ
इतौ। मा। पराऽइतौ। रिषाम। सद्यः। चित्। यः। शवसा। पंच। कृष्टीः। सूर्यःऽइव। ज्यो
तिषा। अपः। ततान। सहस्रऽसाः। शतऽसाः। अस्य। रंहिः। न। स्म। वरंते। युव
तिं। न। शर्यां॥ ३६॥ उत्। तिष्ठत। अव। पश्यत। इंद्रस्य। भागं। ऋत्वियं। यदि। श्रा हेरंब०
तः। जुहोतन। यदि। अश्रातः। ममत्तन। श्रातं। हविः। ओ इति। सु। इंद्र। प्र। याहि। ज १०९
गाम। सूरः। अध्वनः। विऽमध्यं। परि। त्वा। आसते। निधिऽभिः। सखायः। कुलऽ

पाः। न। व्राजऽपतिं। चरंतं। श्रातं। मन्ये। ऊधनि। श्रातं। अग्नौ। सुऽश्रातं। मन्ये।
तत्। ऋतं। नवीयः। माध्यंदिनस्य। सवनस्य। दध्नः। पिब। इंद्र। वज्रिन्। पुरुऽकृ
त्। जुषाणः॥ ३७॥ प्र। ससहिषे। पुरुऽहूत। शत्रून्। ज्येष्ठः। ते। शुष्मः। इह। रा
तिः। अस्तु। इंद्र। आ। भर। दक्षिणेन। वसूनि। पतिः। सिंधूनां। असि। रेवती
नां। [illegible]। पराऽवतः। आ। जगंथ। परस्याः। सृकं। संऽशाय। पविं। इंद्र। तिग्मं।
वि। शत्रून्। ताढि। वि। मृधः। नुदस्व। इंद्र। क्षत्रं। अभि। वामं। ओजः। अजाय
थाः। वृषभ। चर्षणीनां। अप। अनुदः। जनं। अमित्रऽयंतं। उरुं। देवेभ्यः। अ
कृणोः। ऊं इति। लोकं॥ ३८॥ प्रथः। च। यस्य। सऽप्रथः। च। नाम। आनुऽस्तुभ

स्या।हविषः।हविः।यत्।धातुः।घृतानात्।सवितुः।च।विष्णोः।रथंऽतरं।आ।ज
भार।वसिष्ठः।अविंदन्।ते।अतिऽहितं।यत्।आसीत्।यज्ञस्य।धाम।परमं।गु
हा।यत्।०।भरत्ऽवाजः।बृहत्।आ।चक्रे।अग्नेः।ते।अविंदन्।मनसा।दीध्यानाः।
यजुः।स्कन्नं।प्रथमं।देवऽयानं।०।आ।सूर्यात्।अभरन्।घर्मं।एते॥ ३९॥ बृहस्प
तिः।नयतु।दुः२गहा।तिरः।पुनः।नेषत्।अघऽशंसाय।मन्म।क्षिपत्।अशस्तिं।अ
प।दुः२मतिं।हन्।अथ।करत्।यजमानाय।शं।योः।नराशंसः।नः।अवतु।प्रऽया
जे।०।अनुऽयाजः।हवेषु।०।तपुः२मूर्द्धा।तपतु।रक्षसः।ये।ब्रह्मऽद्विषः।शरवे।हं
तवै।ऊँ इति।०॥ ४०॥ अपश्यं।त्वा।मनसा।चेकितानं।तपसः।जातं।तपसः।विऽ
भूतं।इह।प्रऽजां।इह।रयिं।रराणः।प्र।जायस्व।प्रऽजया।पुत्रऽकाम।०।दीध्यानां।

स्वायां।तनू इति।ऋत्व्ये।नाधमानां।उप।मां।उच्चा।युवतिः।बभूयाः।०।पुत्रऽकामे।अहं
गर्भं।अदधां।ओषधीषु।अहं।विश्वेषु।भुवनेषु।अंतरिति।अहं।प्रऽजाः।अजनयं।
पृथिव्यां।अहं।जनिऽभ्यः।अपरीषु।पुत्रान्॥ ४१॥ विष्णुः।योनिं।कल्पयतु।त्वष्टा।
रूपाणि।पिंशतु।आ।सिंचतु।प्रजाऽपतिः।धाता।गर्भं।दधातु।ते।गर्भं।धेहि॥
सिनीवालि।गर्भं।धेहि।सरस्वति।गर्भं।ते।अश्विनौ।देवौ।आ।धत्तां।पुष्करऽस्र
जा।हिरण्ययी इति।अरणी इति।यं।निः२मंथतः।अश्विना।तं।ते।गर्भं।हवामहे।
दशमे।मासि।सूतवे॥ ४२॥ महि।त्रीणां।अवः।अस्तु।द्युक्षं।मित्रस्य।अर्यम्णः॥
दुः२आधर्षं।वरुणस्य।नहि।तेषां।अमा।चन।न।अध्वऽसु।वारणेषु।ईशे।रिपुः।
अघऽशंसः।यस्मै।पुत्रासः।अदितेः।प्र।जीवसे।मर्त्याय।ज्योतिः।यच्छंति।अजस्रं।

॥ ४३ ॥ वातः। आ। वातु। भेषजं। शंऽभु। मयःऽभु। नः। हृदे। प्र। नः। आयूंषि। तारि
षत्। उत। वात। पिता। असि। नः। उत। भ्राता। उत। नः। सखा। सः। नः। जीवातवे।
कृधि। यत्। अदः। वात। ते। गृहे। अमृतस्य। निऽधिः। हितः। ततः। नः। देहि ॥
जीवसे ॥ ४४ ॥ प्र। अग्नये। वाचं। ईरय। वृषभाय। क्षितीनां। सः। नः। पर्षत्। अ
ति। द्विषः। यः। परस्याः। पराऽवतः। तिरः। धन्व। अतिऽरोचते। ०। यः। रक्षांसि।
निऽजूर्वति। वृषा। शुक्रेण। शोचिषा। ०। यः। अस्याः। पारे। रजसः। शुक्रः। अग्निः
अजायत। ०। ४५ ॥ प्र। नूनं। जातऽवेदसं। अश्वं। हिनोत। वाजिनं। ०। अस्य।
प्र। जातऽवेदसः। विप्रऽवीरस्य। मीळ्हुषः। महीं। इयर्मि। सुऽस्तुतिं। या। रुचः।
जातऽवेदसः। देवऽत्रा। हव्यऽवाहनीः। ताभिः। नः। यज्ञं। इन्वतु ॥ ४६ ॥ ॥

आ। अयं। गौः। पृश्निः। अक्रमीत्। संदत्। मातरं। पुरः। पितरं। च। प्रऽयन्। स्वः
इति स्वः। अंतरिति। चरति। रोचना। अस्य। प्राणात्। अपऽआनती। वि। अख्य
त्। महिषः। दिवं। त्रिंशत्। धाम। वि। राजति। वाक्। पतंगाय। धीयते। प्रति। व
स्तोः। अह। द्युऽभिः ॥ ४७ ॥ ऋतंचसत्यंचाभीद्धात्तपसोध्यजायत ॥ ततोरा
त्र्यजायतततः समुद्रोअर्णवः ॥ समुद्रादर्णवादधिसंवत्सरोअजायत ॥ अ
होरात्राणिविदधद्विश्वस्यमिषतोवशी ॥ सूर्याचंद्रमसौधातायथापूर्वमक
ल्पयत् ॥ दिवंचपृथिवींचांतरिक्षमथोस्वः ॥ ४८ ॥ उत्तमवर्गः ॥ संऽसं। इत्।
युवसे। वृषन्। अग्ने। विश्वानि। अर्यः। आ। इळः। पदे। सं। इध्यसे। सः। नः। वि
२

प०अ०८ स्सूनि।आ।भर।सं।गछ्छ्रध्वं।सं।वदध्वं।सं।वः।मनांसि।जानतां।देवाः।भागं॥
११२ यथा।पूर्वे।सं्जानानाः।उपऽआसते।समानः।मंत्रः।संऽइतिः।समानी।स
मानं।मनः।सह।चित्तं।एषां।समानं।मंत्रं।अभि।मंत्रये।वः।समानेन।वः।ह
विषा।जुहोमि।समानी।वः।आऽकूतिः।समाना।हृदयानि।वः।समानं।अ
स्तु।वः।मनः।यथा।वः।सुऽसह।असति॥ ॥४९॥ ॥इत्यष्टमाष्टकेप
देंअष्टमोध्यायःसमाप्तः॥ ॥६४॥ ॥इतिपदेंचतुःषष्टितमोध्यायः॥ ॥ हेरंब
श्रीकृष्णार्पणमस्तु॥श्रीगजाननार्पणमस्तु॥शके१७२३दुर्मतीनामसंव
त्सरेश्रावणमासिकृष्णपक्षेप्रतिपत्तिथौइंदुवासरेतद्दिनेइदंपुस्तकंरात्रौ

समाप्तं॥ ॥शुभंभवतु॥ ॥नाटेकरोपनामकमहादेवात्मजस्नु
लिखितं॥स्वार्थंपरोपकारार्थंच॥ ॥श्रीकुलदेवतायैनमः॥
प्रसन्नावरदाभवतु॥ ॥हेरंब॥ ॥छ॥ श्री॥ श्री॥ ७

११३